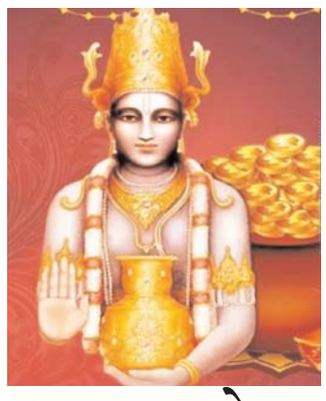


आज धनतेरस

दैनिक नर्मदापुरम् जिले का प्रथम दैनिक K ✌ K RNI No.61546/95

क्षितिज ✌ किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे

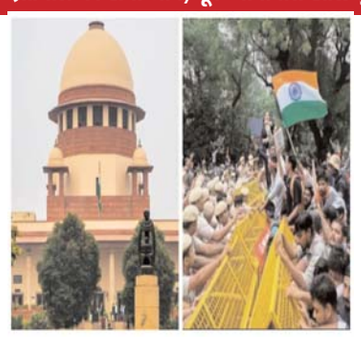
नर्मदापुरम् संभाग सीहोर जिले एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा वर्ष-32 अंक-242 नर्मदापुरम (होशंगाबाद) शुक्रवार 06 नवम्बर 2026 पृष्ठ-8 मूल्य -1 रूपये सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना

कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन में पुलिस कार्रवाई की जांच करेगा सुप्रीम कोर्ट, एक महीने में मांगी रिपोर्ट

-छात्रों पर लाठीचार्ज, आंसू गैस और पैलेट गन के इस्तेमाल की होगी जांच; पूर्व न्यायाधीश आर. सुभाष रेड्डी की अध्यक्षता वाली समिति को निर्देश

नई दिल्ली, (आरएनएस)। सुप्रीम कोर्ट ने जुलाई में कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रदर्शन के दौरान छात्रों पर पुलिस की कार्रवाई और कथित हिंसा के मामले में सख्त रुख अपनाया है। शीर्ष अदालत ने उच्चस्तरीय जांच समिति (एचपीईसी) को पूरे घटनाक्रम की जांच कर एक महीने के भीतर पहली रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया है। जांच में पुलिस की ओर से लाठीचार्ज, आंसू गैस और पैलेट गन के इस्तेमाल के साथ प्रदर्शनकारियों की ओर से उपलब्ध कराई गई सामग्री को भी शामिल करने को कहा गया है।



मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने सुनवाई के दौरान स्पष्ट किया कि प्रदर्शन से संबंधित सभी पक्षों की ओर से प्रस्तुत जानकारी और साक्ष्यों की जांच की जाएगी। इसमें पीड़ितों की ओर से समिति को सौंपी गई सामग्री भी शामिल होगी।

अदालत ने कहा कि समिति के समक्ष पहले से उपलब्ध सामग्री के आधार पर संबंधित पक्षों से जवाब मांगा जाए। इसके बाद प्राथमिकता वाले मुद्दों पर जांच पूरी कर एक महीने के भीतर प्रारंभिक रिपोर्ट पेश की जाए। पीठ ने स्पष्ट किया कि समिति को सौंपे गए अन्य विषयों के अलावा दो प्रमुख मुद्दों पर विशेष प्राथमिकता के साथ विचार किया जाएगा।

गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले की जांच के लिए 18 अगस्त को पांच सदस्यीय उच्चस्तरीय समिति का गठन किया था। समिति की अध्यक्षता सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति आर. सुभाष रेड्डी कर रहे हैं।

अदालत ने समिति को विशेष रूप से पैलेट गन के इस्तेमाल, महिला प्रदर्शनकारियों के साथ कथित हिंसा और उन्हें परेशान किए जाने के आरोपों की जांच करने को कहा था। इसके अलावा प्रदर्शन के दौरान दोनों पक्षों की ओर से हुई कथित हिंसा और सार्वजनिक तथा निजी संपत्ति को हुए नुकसान की भी पड़ताल करने का निर्देश दिया गया था।

अब सीजेपी की कानूनी प्रमुख रत्ना सिंह के खिलाफ अवमानना की कार्रवाई शुरू करने को मंजूरी, दिल्ली हाईकोर्ट करेगा आरोपों पर विचार

नई दिल्ली (आरएनएस)। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) की कानूनी प्रमुख रत्ना सिंह की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। सोशल मीडिया पर साकेत अदालत के मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की आलोचना से जुड़ी टिप्पणी को लेकर उनके खिलाफ अदालत की अवमानना की कार्रवाई शुरू करने की मंजूरी दे दी गई है। दिल्ली सरकार के अतिरिक्त स्थायी अधिवक्ता अमोल सिन्हा ने इस संबंध में सहमति दी है। अब दिल्ली हाईकोर्ट यह तय करेगा कि रत्ना सिंह की टिप्पणियां अदालत की अवमानना के दायरे में आती हैं या नहीं।

अधिवक्ता कौशिक चटर्जी ने 14 अक्टूबर को एक प्रतिवेदन और 28 अक्टूबर को पूरक प्रतिवेदन दाखिल कर रत्ना सिंह के खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी। दो नवंबर को भेजे गए जवाब में अमोल सिन्हा ने कहा कि सिंह की सोशल मीडिया पोस्ट पहली नजर में अदालत की अवमानना अधिनियम, 1971 की धारा 2(ग)(एक) के अंतर्गत आती हैं।



तमिलनाडु के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर ने नई दिल्ली में राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की।

यूथ कांग्रेस की इंडिया गठबंधन की महारैली में न जाने वालों पर कार्रवाई, 215 पदाधिकारी निलंबित

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारतीय युवा कांग्रेस ने संगठनात्मक अनुशासनहीनता के मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए आठ राज्यों के 215 पदाधिकारियों को निलंबित कर दिया है। इन पदाधिकारियों पर एक नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में आयोजित विपक्षी गठबंधन की महारैली में अनुपस्थित रहने का आरोप है। निलंबन के आदेश तीन नवंबर को जारी किए गए हैं और ये अगले आदेश तक प्रभावी रहेंगे।

युवा कांग्रेस ने इस रैली में पदाधिकारियों की उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए तकनीक का सहारा लिया था। इसके तहत विशेष मोबाइल अनुप्रयोग, वास्तविक समय में स्थान साझा करने की व्यवस्था और बारकोड जांच प्रणाली का इस्तेमाल किया गया। संगठन के शीर्ष नेतृत्व ने राष्ट्रीय, प्रदेश और जिला स्तर के सभी पदाधिकारियों को रैली में अनिवार्य रूप से शामिल होने के निर्देश दिए थे।उपस्थिति दर्ज कराने के लिए तैयार किए गए विशेष मोबाइल अनुप्रयोग पर पदाधिकारियों को अपना वास्तविक समय का स्थान, समय और अन्य आवश्यक जानकारियां साझा करनी थीं। इसके अलावा दिल्ली के मिंटो रोड पर बारकोड जांच केंद्र बनाए गए थे।

गोवर्धन पर्व पर 9 नवंबर को, प्रदेशभर में होगा गौ-पूजन एवं पशुपालकों का सम्मान

मुख्यमंत्री डॉ. यादव राज्य स्तरीय कार्यक्रम में गोपाल-कृष्ण ग्राम पुरस्कार योजना के विजेता पशुपालकों को करेंगे पुरस्कृत

भोपाल (ए.)। मध्यप्रदेश सरकार 9 नवंबर को गोवर्धन पर्व मनाएगी। इस अवसर पर गौ-पूजन एवं पशुपालक सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मुख्य आतिथ्य में रवींद्र भवन भोपाल में दोपहर 12:30 बजे से राज्य स्तरीय कार्यक्रम होगा। पशुपालन एवं डेयरी विभाग, श्रीकृष्ण पाथेय न्यास एवं संस्कृति विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में गोपाल-कृष्ण ग्राम पुरस्कार योजना अंतर्गत आयोजित प्रतियोगिता के विजयी पशुपालकों को सम्मानित एवं पुरस्कृत किया जाएगा। प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों पर भी गौ-पूजन और पशुपालक सम्मान कार्यक्रम आयोजित होंगे। वृंदावन गांवों में आयोजित गोपाल-कृष्ण ग्राम पुरस्कार योजना के अंतर्गत पशुपालकों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आयोजित प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले पशुपालकों को मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा प्रमाण-पत्र एवं सम्मान राशि प्रदान की



जाएगी। विजेताओं को क्रमशः एक लाख, 50 हजार और 25 हजार रुपये की पुरस्कार राशि दी जाएगी। सभी विजेता पशुपालकों को पुरस्कार राशि एक साथ डीबीटी के माध्यम से अंतरित की जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा राज्य स्तरीय कार्यक्रम में प्रदेश के टॉप 10 दुग्ध उत्पादक पशुपालकों को सांकेतिक रूप से सम्मानित किया जाएगा। पंजीकृत गौशालाओं को अनुदान राशि का अंतरण मुख्यमंत्री डॉ. यादव 9 नवम्बर को प्रदेश की 3 हजार से अधिक पंजीकृत गौशालाओं में संरक्षित 5.51 लाख गोवंश के भरण-पोषण के लिए सितंबर माह की 60 करोड़ रुपये से अधिक की अनुदान राशि डीबीटी से अंतरित करेंगे।

प्रदेश सरकार द्वारा गौवंश के संरक्षण, संवर्धन और बेहतर देखभाल के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

विभागीय योजनाओं की प्रदर्शनी होगी आकर्षण का केंद्र

राज्य स्तरीय कार्यक्रम में पशुपालन एवं डेयरी विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं, उपलब्धियों एवं पशुपालन के क्षेत्र में किए जा रहे नवाचारों पर आधारित प्रदर्शनी लगाई जाएगी। गोवर्धन पर्व के महत्व को प्रदर्शित करती विशेष झांकी भी आकर्षण का केंद्र रहेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा गौ-पूजन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया जाएगा।

दिवाली से पहले दिल्ली की हवा हुई जहरीली, कई इलाकों में वायु गुणवत्ता सूचकांक 450 के पार

नई दिल्ली ,(आरएनएस)। दीपावली से ठीक पहले दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में वायु प्रदूषण ने गंभीर रूप ले लिया है। राजधानी की हवा जहरीली हो गई है और कई इलाकों में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 400 के पार पहुंच गया है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़ों के अनुसार, बुधवार सुबह दिल्ली के कई क्षेत्रों में प्रदूषण का स्तर गंभीर श्रेणी में दर्ज किया गया। पूरी राजधानी धुंध की मोटी चादर में ढकी नजर आई। इस बीच प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण नियंत्रण की चरणबद्ध कार्ययोजना (ग्रैप) के दूसरे चरण की पाबंदियां भी लागू हैं।आंकड़ों के मुताबिक, बुधवार सुबह दिल्ली का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक 370 दर्ज किया गया, जो बेहद खराब श्रेणी में आता है।

छह राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में मतदाता सूची का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण शुरू होगा

-निर्वाचन आयोग ने घोषित किया कार्यक्रम, एक जनवरी 2027 होगी मुख्य अर्हता तिथि; 1 अप्रैल, 1 जुलाई और 1 अक्टूबर को 18 वर्ष पूरे करने वाले युवा भी कर सकेंगे अग्रिम आवेदन

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारत निर्वाचन आयोग ने आगामी चुनावों की तैयारियों के मद्देनजर छह राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण (एसएसआर) का कार्यक्रम घोषित किया है। इस प्रक्रिया के तहत मतदाता सूची को अद्यतन किया जाएगा, ताकि कोई भी पात्र नागरिक मतदान के अधिकार से वंचित न रहे और अपात्र व्यक्तियों के नाम सूची में शामिल न हों। आयोग ने इसके लिए एक जनवरी 2027 को मुख्य अर्हता तिथि निर्धारित की है। पुनरीक्षण की प्रक्रिया नवंबर 2026 में शुरू होकर जनवरी 2027 में अंतिम मतदाता सूची के प्रकाशन के साथ पूरी होगी।

निर्वाचन आयोग के अनुसार, इस पुनरीक्षण कार्यक्रम में अरुणाचल प्रदेश, चंडीगढ़, दादरा एवं नगर हवेली और दमन एवं दीव, मिजोरम, ओडिशा



तथा सिक्किम शामिल हैं। इन सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में निर्धारित समयसीमा के भीतर मतदाता सूची की जांच और सुधार किया जाएगा। इसके अंतर्गत नए मतदाताओं के नाम जोड़ने, मौजूदा मतदाताओं के विवरण में संशोधन करने और अपात्र व्यक्तियों के नाम हटाने की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। इस पुनरीक्षण में पहली बार मतदान करने की तैयारी कर रहे युवाओं के लिए विशेष सुविधा दी गई है। एक जनवरी 2027 तक 18 वर्ष की आयु पूरी करने वाले युवा मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने के पात्र होंगे। इसके अलावा, वर्ष 2027 की अगली तीन अर्हता तिथियों यानी एक अप्रैल, एक जुलाई और एक अक्टूबर को 18 वर्ष की आयु पूरी करने वाले युवा भी अग्रिम रूप से आवेदन कर सकेंगे।इस व्यवस्था से युवाओं को मतदाता बनने के लिए अगली पुनरीक्षण प्रक्रिया का इंतजार नहीं करना पड़ेगा। आयोग का उद्देश्य अधिक से अधिक पात्र युवाओं को मतदाता सूची से जोड़ना और लोकतांत्रिक प्रक्रिया में उनकी भागीदारी सुनिश्चित करना है।

केंद्र सरकार ने पासपोर्ट-वीजा नियमों में दी बड़ी राहत, शरणार्थियों और प्रवासियों को मिलेगा लाभ

नई दिल्ली (आरएनएस)। केंद्र सरकार ने भारत में रह रहे विदेशी नागरिकों, शरणार्थियों और प्रवासियों की कई श्रेणियों को पासपोर्ट और वीजा संबंधी नियमों में बड़ी राहत दी है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने आप्रवासन और विदेशी (छूट) (संशोधन) आदेश, 2026 लागू कर दिया है। इसके तहत पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से आए अल्पसंख्यक समुदायों के शरणार्थियों, श्रीलंकाई तमिलों, तिब्बतियों और कुछ विशेष श्रेणी के पाकिस्तानी नागरिकों



को पासपोर्ट संबंधी अनिवार्यताओं से छूट दी गई है। इसके अलावा भारत, नेपाल और भूटान के नागरिकों की आपसी यात्रा के नियमों में भी बदलाव किया गया है।नए आदेश के अनुसार, अफगानिस्तान, बांग्लादेश और पाकिस्तान से धार्मिक उत्पीड़न के कारण 31 दिसंबर, 2024 या उससे पहले भारत आए हिंदू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी और ईसाई समुदायों के लोगों को पासपोर्ट नियमों से छूट प्रदान की गई है।

कांग्रेस सांसद और जेएनयू प्रोफेसर बिमोल अकोईजाम को गिरफ्तारी से राहत, कोर्ट ने रोक लगाई

नईदिल्ली (आरएनएस)। दिल्ली की एक कोर्ट ने गुरुवार को मणिपुर से कांग्रेस सांसद और जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) के प्रोफेसर ए बिमोल अकोईजाम को गिरफ्तारी से राहत दी है। कोर्ट ने दिल्ली पुलिस को निर्देश दिया कि वह प्रोफेसर के खिलाफ यौन उत्पीड़न के मामले में जबरदस्ती की कोई कार्रवाई न करे। राउज एवेन्यू कोर्ट के विशेष न्यायाधीश दिग्विनय सिंह ने कहा कि अगर अकोईजाम को गिरफ्तार करना है तो पुलिस को उन्हें 7 दिन का नोटिस देना होगा। कोर्ट ने कहा कि अकोईजाम का पिछला रिकॉर्ड साफ है और वह जांच में सहयोग कर रहे हैं।कोर्ट ने यह भी कहा कि जांच चल रही है और पीड़ितों के बयान अभी तक रिकॉर्ड नहीं किए गए हैं क्योंकि जेएनयू प्रशासन ने उनके नाम और जानकारी नहीं दी हैं।न्यायाधीश ने कहा कि जांच में सहयोग न करने की स्थिति में, दिल्ली पुलिस जरूरी निर्देशों के लिए कोर्ट से संपर्क करने के लिए आजाद है।



फ्रांस में साइबर हमला, सरकारी ब्लड बैंक का कूलिंग सिस्टम हैक, खून को 110°C तक खौलाने की साजिश



नई दिल्ली (आरएनएस)। फ्रांस में साइबर हमले का एक गंभीर मामला सामने आया है। हैकर्स ने 1 नवंबर की रात सरकारी ब्लड बैंक के कोल्ड स्टोरेज सिस्टम में सेंध लगाने की कोशिश की। हमलावरों का मकसद फ्रीजर का तापमान माइनस 30 डिग्री सेल्सियस से बढ़ाकर 110 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचाना था। ऐसा होने पर बड़ी मात्रा में खून और प्लाज्मा के नमूने नष्ट हो सकते थे। हालांकि, निगरानी और अलार्म सिस्टम ने समय रहते खतरे का पता लगा लिया, जिससे किसी भी तरह का नुकसान होने से बच गया। फ्रांस के साप्ताहिक अखबार 'ले कनार आंचेने' ने बुधवार को सबसे पहले इस घटना की जानकारी दी। रिपोर्ट के मुताबिक, हैकर्स ने सिस्टम में प्रवेश के लिए पहले से निर्धारित डिफॉल्ट पासवर्ड का इस्तेमाल किया था।फ्रेंच ब्लड एस्टैब्लिशमेंट (ईएफएस) ने बताया कि कोल्ड स्टोरेज में रखे प्लाज्मा को एहतियात के तौर पर दूसरी सुरक्षित जगह पर स्थानांतरित कर दिया गया है। संस्था के अनुसार, फ्रीजर में लगे निगरानी उपकरणों और अलार्म सिस्टम ने तापमान में असामान्य बदलाव को तुरंत पकड़ लिया, जिसके बाद कर्मचारियों ने समय रहते जरूरी कदम उठाए। ईएफएस फ्रांस की सरकारी रक्त सेवा है। यह देश के 1,900 से अधिक अस्पतालों को खून, प्लाज्मा और प्लेटलेट्स उपलब्ध कराने के लिए इनके संग्रह, जांच, प्रसंस्करण और वितरण का काम करती है।हैकर्स ने ऐसे इलेक्ट्रॉनिक कंट्रोलर को निशाना बनाया, जिनकी मदद से कोल्ड स्टोरेज और फ्रीजर का तापमान नियंत्रित किया जाता है। इन उपकरणों के जरिए तापमान की निगरानी के साथ-साथ दूर बैठकर भी सेटिंग बदली जा सकती है। कई सिस्टम इंटरनेट से जुड़े होते हैं, ताकि उपकरण बनाने वाली कंपनियां और तकनीकी कर्मचारी दूर से ही उनकी जांच और मरम्मत कर सकें।

कलेक्टर आशीष वशिष्ठ ने समेरिटन्स विद्यालय में आधार अपडेशन शिविर का किया औचक निरीक्षण

तीन दिनों में करीब 2 हजार बच्चों के आधार अपडेट



नर्मदापुरम (ए.)। कलेक्टर आशीष वशिष्ठ ने गुरुवार सुबह नर्मदापुरम स्थित समेरिटन्स विद्यालय पहुंचकर बच्चों के आधार अपडेशन के लिए संचालित शिविर का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने आधार अपडेशन कार्य में लगे कर्मचारियों से प्रक्रिया एवं अब तक की प्रगति की विस्तारपूर्वक जानकारी ली। साथ ही विद्यालय के विद्यार्थियों से संवाद कर उन्हें आधार कार्ड की उपयोगिता एवं महत्व के बारे में भी बताया।

कलेक्टर श्री वशिष्ठ ने अधिकारियों से पिछले तीन दिनों में किए गए आधार अपडेशन कार्य की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि अभियान को सतत गति से संचालित किया जाए तथा अधिक से अधिक बच्चों के आधार अपडेट किए जाएं। उन्होंने जिला पंचायत सीईओ हिमांशु जैन एवं डीपीसी राजेश जायसवाल से कार्य की प्रगति की जानकारी लेते हुए अपडेशन कार्य में और तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आवश्यकता होने पर शिविर की अवधि एक-दो दिन बढ़ाई जा सकती है, ताकि कोई भी पात्र विद्यार्थी आधार अपडेशन से वंचित न रहे। कलेक्टर ने विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती प्रेरणा रावत को निर्देशित किया कि विद्यार्थियों को आधार कार्ड की उपयोगिता एवं विभिन्न शासकीय योजनाओं में इसकी आवश्यकता के संबंध में विस्तार से जानकारी दी जाए, जिससे बच्चे स्वयं भी आधार अपडेशन के महत्व को समझ सकें। उल्लेखनीय है कि जिले में ऐसे स्कूली विद्यार्थियों के आधार कार्ड अपडेट करने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है, जिनका आधार अपडेशन लंबित है। कलेक्टर के निर्देशानुसार जिले के विभिन्न विद्यालयों एवं निर्धारित स्थानों पर विशेष शिविर आयोजित कर प्राथमिकता से यह कार्य किया जा रहा है। अभियान के शुरुआती तीन दिनों में ही करीब 2 हजार बच्चों के आधार अपडेट किए जा चुके हैं। इस संबंध में डीपीसी राजेश जायसवाल ने बताया कि जिले में आधार अपडेशन का कार्य तेजी से जारी है। विभाग द्वारा लक्ष्य निर्धारित कर आगामी एक माह में सभी लंबित आधार कार्ड का अपडेशन पूर्ण करने की कार्ययोजना बनाई गई है। निरीक्षण के दौरान नोडल अधिकारी नितिन दुबे एवं विद्यालय के डायरेक्टर डॉ. आशुतोष शर्मा भी उपस्थित रहे।

K K

राजधानी समाचार





शुक्रवार 06 नवम्बर 2026,नर्मदापुरम् (होशंगाबाद)

दैनिक क्षितिज किरण 2

भोपाल में कचरे से पटी सड़कें,चार सौ गाड़ियां खड़ी

सफाईकर्मियों की हड़ताल के बीच व्यापारी खुद उतरे मैदान में

भोपाल (आरएनएस)। भोपाल में सफाईकर्मियों की अनिश्चितकालीन हड़ताल से लगातार दूसरे दिन घरों और बाजारों से कचरा नहीं उठा। सड़कों, गलियों और बाजारों में कचरे के ढेर लगने से गंदगी और बदबू फैल रही है। कर्मचारी 25 हजार रुपये न्यूनतम वेतन, नियमितीकरण और ठेका प्रथा खत्म करने सहित 18 सूत्रीय मांगों को लेकर आंदोलन कर रहे हैं।

दीपावली की तैयारियों के बीच राजधानी भोपाल में सफाई व्यवस्था पूरी तरह लड़खड़ा गई है। सफाईकर्मियों की अनिश्चितकालीन हड़ताल के चलते लगातार दूसरे दिन घरों से कचरा नहीं उठा। सड़कों, गलियों, बाजारों और दुकानों के बाहर कचरे के ढेर लगने लगे हैं। कहीं प्लास्टिक और पॉलीथिन उड़कर सड़कों पर फैल रही है तो कहीं सब्जियों और फलों के सड़ने वाले कचरे से बदबू फैल रही है। कचरा जमा होने से नालियों के आसपास भी गंदगी बढ़ रही है। त्योहार के लिए बाजारों में उमड़ रही भीड़ के बीच यह स्थिति लोगों और व्यापारियों के लिए परेशानी बन गई है। शहर में सफाई व्यवस्था की बिगड़ती स्थिति के बीच अब व्यापारी संगठन भी सामने आने लगे हैं। कोटरा क्षेत्र में व्यापारियों ने खुद सफाई की जिम्मेदारी संभाली। व्यापारी सड़कों पर



उतरकर झाड़ू लगा रहे हैं और दुकानों के आसपास जमा कचरे को समेट रहे हैं। साथ ही दूसरे दुकानदारों को भी समझा रहे हैं कि जब तक सफाईकर्मियों की हड़ताल चल रही है, तब तक अपने प्रतिष्ठानों से निकलने वाला कचरा बोरियों में भरकर सुरक्षित रखें, ताकि वह सड़क पर न फैले।

400 से ज्यादा कचरा गाड़ियां खड़ी, रोज निकलता है 900 टन कचरा

सफाईकर्मियों की हड़ताल का सबसे बड़ा असर डोर-टू-डोर कचरा कलेक्शन पर पड़ा है। भोपाल में नगर निगम की 400 से अधिक कचरा गाड़ियों के पहिये थमने की जानकारी सामने आई है। इन गाड़ियों के माध्यम से घरों और प्रतिष्ठानों से कचरा एकत्रित कर गार्बेज ट्रांसफर स्टेशनों तक पहुंचाया जाता है। वहां से कचरा आदमपुर छावनी स्थित डंपिंग साइट भेजा जाता है। सामान्य दिनों में भोपाल से रोजाना करीब 850 से 900 टन कचरा निकलता है। दीपावली के दौरान घरों में सफाई और बाजारों में बढ़ी गतिविधियों के कारण यह मात्रा करीब एक हजार टन प्रतिदिन तक पहुंचने का अनुमान है। ऐसे समय में कचरा संग्रहण व्यवस्था ठप होने से स्थिति और गंभीर हो सकती है। न्यू मार्केट, बिट्टन मार्केट, एमपी नगर, चौक बाजार, नवबहार सब्जी मंडी और बैरागढ़ सहित कई प्रमुख बाजारों में कचरा जमा होने की समस्या सामने आई है। रिहायशी इलाकों में भी घरों से कचरा नहीं उठने के कारण लोगों को परेशानी हो रही है।

18 सूत्रीय मांगों को लेकर सफाईकर्मियों का आंदोलन

सफाईकर्मी अपनी लंबित मांगों को लेकर आंदोलन कर रहे हैं। अखिल भारतीय सफाई मजदूर कांग्रेस ट्रेड यूनियन (7262) के बैनर तले तीन नवंबर को भोपाल के शाहजहांनी पार्क में प्रदेशभर के कर्मचारियों ने प्रदर्शन किया था। इसमें 57 जिलों से कर्मचारी और संगठन के पदाधिकारी शामिल हुए थे। प्रदर्शनकारियों ने जहांगीराबाद चौराहे पर जाम लगाकर विरोध जताया था। कर्मचारी मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन देना चाहते थे, लेकिन जिम्मेदार अधिकारियों के मौके पर नहीं पहुंचने से नाराजगी बढ़ गई। पुलिस ने बैरिकेडिंग कर कर्मचारियों को आगे बढ़ने से रोका। इसके बाद कर्मचारी सड़क पर बैठ गए। बाद में समझाइश के बाद प्रदर्शन समाप्त हुआ, लेकिन आंदोलन जारी रखने का निर्णय लिया गया। चार नवंबर से प्रदेशभर में अनिश्चितकालीन काम बंद हड़ताल शुरू कर दी गई।

एमएसएमई मंत्री श्री काश्यप और मुख्य सचिव अशोक बर्णवाल ने निर्यातकों के लिए पाँच व्यवस्थाओं का किया शुभारंभ

उद्योग और शासन मिलकर काम करें तो 1 लाख करोड़ रुपये का निर्यात लक्ष्य एक वर्ष में संभव: मुख्य सचिव श्री बर्णवाल



भोपाल (आरएनएस)। भारत सरकार के वाणिज्य विभाग के सहयोग से गुरुवार को कुशाभाऊ ठाकरे अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटरमें मध्यप्रदेश एक्सपोर्ट एंड एफटीए कॉन्क्लेव 2026 का आयोजन किया गया। कॉन्क्लेव औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन विभाग, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग और म.प्र. औद्योगिक विकास निगम ने विदेश व्यापार महानिदेशालय और भारत व्यापार संवर्धन संगठन के साथ मिलकर कॉन्क्लेव आयोजित की। कॉन्क्लेव में प्रदेश के 800 से अधिक निर्यातकों और उद्यमियों ने सहभागिता की। कॉन्क्लेव में तकनीकी सत्र, उद्घाटन सत्र, तीन पैनल चर्चाएँ, दो प्रेजेंटेशन और समापन पर फायरसाइड चर्चा हुई। परिसर में 7 शासकीय संस्थाओं के और प्रदेश के ओडीओपी एवं जीआई उत्पादों के 14 स्टॉल लगाए गए।सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री चैतन्य कुमार काश्यप ने कहा कि देश के कुल निर्यात में लगभग आधा हिस्सा एमएसएमई का है।

भोपाल में 'आईएफ़एमआईएस केयर्स ' थीम पर दो दिवसीय प्रशिक्षण हुआ आयोजित

भोपाल (आरएनएस)। प्रदेश में वित्तीय कार्य को अधिक पारदर्शी, आसान और बेहतर बनाने के उद्देश्य से 'आईएफ़एमआईएस केयर्स IFMIS Cares' थीम के तहत विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। जिला कोषालय भोपाल द्वारा आयोजित दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। प्रशिक्षण में वरिष्ठ कोषालय अधिकारी राहुल सिंह, अतुल सिंह और श्रीमती कुलवंती खलखो ने अधिकारियों को IFMIS की कार्यप्रणाली और विभिन्न मॉड्यूल की विस्तार से जानकारी दी। वित्तीय नियमों की दी गई जानकारी प्रशिक्षण में आहरण एवं संवितरण अधिकारियों की नियुक्ति, उनके अधिकारों, अधिकारी शक्ति पुस्तिका, कोषालय संहिता और अन्य जरूरी नियमों के बारे में बताया गया। इसके साथ ही अधिकारियों की जिम्मेदारियों, बिल प्रस्तुत करते समय रखी जाने वाली सावधानियों और IFMIS पोर्टल की DDO स्क्रीन व रिपोर्टों के उपयोग के बारे में जानकारी दी गई। तकनीकी समस्याओं का हुआ समाधान कार्यक्रम में बिल प्रस्तुत करते समय होने वाली सामान्य गलतियों से बचने के उपाय बताए गए।

हरदीप सिंह के निर्विरोध निर्वाचन पर कोर्ट जाएगी कांग्रेस, हेमंत कटारे और आतिफ अकील ने उठाए सवाल

भोपाल (आरएनएस)। केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी के मध्यप्रदेश से राज्यसभा उपचुनाव में निर्विरोध निर्वाचित होने के बाद अब इस मामले में कानूनी लड़ाई की तैयारी शुरू हो गई है। कांग्रेस विधायक हेमंत कटारे और आतिफ अकील ने निर्वाचन अधिकारी के फैसले पर सवाल उठाते हुए चुनाव प्रक्रिया में पक्षपात का आरोप लगाया है। कांग्रेस नेताओं ने स्पष्ट किया है कि वे इस निर्णय को न्यायालय में चुनौती देंगे। ऐसे में पुरी के निर्विरोध निर्वाचन के बाद अब यह मामला राजनीतिक के साथ कानूनी चर्चा का विषय बन गया है। दरअसल मध्यप्रदेश से राज्यसभा की यह सीट केंद्रीय मंत्री एल. मुरुगन के 14 अक्टूबर को इस्तीफा देने के बाद रिक्त हुई थी। इसके बाद निर्वाचन आयोग ने उपचुनाव की प्रक्रिया शुरू की। भारतीय जनता पार्टी ने 28 अक्टूबर को केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी को अपना प्रत्याशी घोषित किया था। पुरी ने 31 अक्टूबर को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल की मौजूदगी में विधानसभा पहुंचकर अपना नामांकन दाखिल किया था।उपचुनाव में कांग्रेस समर्थित निर्दलीय प्रत्याशी राजकुमार लोहानी और एक अन्य निर्दलीय उम्मीदवार कांते सायन्ना ने भी नामांकन दाखिल किया था।



ड्रग्स और अवैध शराब की बिक्री, परिवहन, निर्माण पर करें कठोर कार्रवाई : संभागायुक्त श्री शर्मा

स्कूल, कॉलेज, यूनिवर्सिटी, छात्रावासों में बनाएं एन्टी ड्रग्स समितियां संभागायुक्त ने ली संभागीय अर्न्तविभागीय समीक्षा बैठक

भोपाल (आरएनएस)। संभाग के सभी जिलों में ड्रग्स और अवैध शराब के निर्माण, बिक्री, परिवहन आदि के विरूद्ध निरंतर अभियान चलाकर ऐसा करने वालों के खिलाफ रा.सु.का, एन.डी.पी.एस एक्ट आदि के अंतर्गत कठोर कार्रवाई की जाए, इनका नेटवर्क ध्वस्त किया जाए। साथ ही नशे के दुष्परिणामों के संबंध में जागरूकता अभियान चलाया जाए। इस कार्य में थोड़ी भी लापरवाही अथवा कमी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। पूर्ण अर्न्तविभागीय समन्वय और अर्न्तजिला समन्वय के साथ भोपाल संभाग को ड्रग्स मुक्त और अवैध शराब मुक्त किया जाए। संभागायुक्त कर्मवीर शर्मा ने इस संबंध में गुरूवार को संभागाायुक्त कार्यालय में विभाग के सभी जिलों की अर्न्तविभागीय समीक्षा बैठक लेकर अधिकारियों को निर्देश दिए, जिसमें सभी संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में वीसी के माध्यम से भोपाल पुलिस कमिश्नर संजय कुमार, आईजी भोपाल देहात पंकज पाण्डे, आईजी नर्मदापुरम चंद्रशेखर सोलंकी, संभाग के सभी जिलों के कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक, आबकारी



अधिकारी एवं अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। संभागायुक्त ने निर्देश दिए कि संभाग के सभी विद्यालयों, महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों और छात्रावासों में एन्टी ड्रग्स समितियां बनाई जाएं, जो नियमित बैठकें करें और ड्रग्स के उपयोग के विरूद्ध विद्यार्थियों को जागरूक करें। साथ ही ड्रग्स, अवैध शराब की बिक्री, परिवहन आदि की जानकारी मिलते ही पुलिस प्रशासन को उपलब्ध कराएं। संभागायुक्त ने निर्देश दिए कि ड्रग्स के उन्मूलन के लिए जिलेवार कार्य योजना बनाएं और उस पर अमल किया जाए। प्रत्येक छात्रावास के लिए एक नोडल अधिकारी बनाया जाए जो ड्रग्स के विरूद्ध निरंतर कार्रवाई करें। साथ ही पुलिस प्रशासन, आबकारी अधिकारी आदि का संयुक्त दल विद्यालयों, छात्रावासों और अन्य स्थलों का निरंतर भ्रमण कर ड्रग्स के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करे। संभागायुक्त ने निर्देश दिए कि जिले में स्थित नशा मुक्ति केन्द्रों का भी अधिकारी निरीक्षण करें। कलेक्टर राजगढ़ ने बताया कि राजगढ़ जिले में कोई नशामुक्ति केन्द्र नहीं है। संभागायुक्त श्री शर्मा ने इस संबंध में जिले से भेजे गए प्रस्ताव पर त्वरित कार्रवाई के निर्देश सामाजिक न्याय विभाग को दिए। संभागायुक्त ने निर्देश दिए कि विभिन्न उद्योगों के प्रतिनिधियों के साथ भी बैठक कर ड्रग्स के विरूद्ध कार्रवाई की जाए। दवा की दुकानों से बिकने वाली दवाओं का ड्रग्स के रूप में दुरूपयोग न हो पाए, इसके लिए मेडिकल एसोसिएशन के प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर कार्रवाई की जाए। मैदानी स्तर पर ड्रग्स और अवैध शराब के विरूद्ध कार्रवाई के लिए मोहल्लावार समितियां बनाई जाएं। शासकीय अस्पतालों में नशा मुक्ति के लिए आने वाले मरीजों के उपचार के लिए पृथक सैल बनाने का सुझाव भी बैठक में दिया गया।

केरवा डैम की नदी पर भू-माफिया का कब्जा, कोपरा डालकर बना दी सड़क, पानी का रास्ता रोका, कलेक्टर से हुई शिकायत



भोपाल (आरएनएस)। भोपाल के महत्वपूर्ण जलस्रोत केरवा डैम के कैचमेंट एरिया में भू-माफियाओं द्वारा नदी का अस्तित्व मिटाने का गंभीर आरोप लगा है। समसगढ़ और मित्तूखेड़ी के बीच पश्चिमी भोपाल बायपास के नजदीक नदी में कोपरा और मिट्टी डालकर रास्ता बनाने, सरकारी जमीन पर अतिक्रमण करने और प्राकृतिक जलप्रवाह रोकने की शिकायत की गई है। आरोप है कि जमीनों की कीमत बढ़ाने और अवैध प्लॉटिंग को मुख्य सड़क से जोड़ने के लिए नदी को ही पाट दिया गया। नदी किनारे लगे हरे-भरे पेड़ों को जेसीबी से उखाड़ने का आरोप भी लगाया गया है। शिकायतकर्ता राशिद नूर खान ने कलेक्टर, एसडीएम हुजूर और प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से मामले की उच्चस्तरीय जांच कर दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है। शिकायत के मुताबिक, ग्राम मित्तूखेड़ी के खसरा नंबर 104 और 105 तक पहुंचने के लिए सरकारी जमीन खसरा नंबर 112 का इस्तेमाल किया गया। नदी और सरकारी जमीन के बीच कोपरा डालकर रास्ता तैयार करने का आरोप है। शिकायतकर्ता का कहना है कि इन जमीनों तक पहुंचने का पुराना रास्ता दूसरी तरफ से था और यहां वर्षों से खेती हो रही थी। लेकिन पश्चिमी भोपाल बायपास के नजदीक जमीनों को मुख्य मार्ग से जोड़ने और प्लॉटिंग को फायदा पहुंचाने के लिए नदी में भराव कर नया रास्ता बना दिया गया। इससे नदी का प्राकृतिक जलप्रवाह भी बाधित हुआ है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि बायपास के नजदीक जमीनों को मुख्य सड़क से जुड़ा दिखाकर महंगे दामों पर बेचने के लिए यह पूरा खेल किया जा रहा है। नदी किनारे लगे हरे-भरे पेड़ों को जेसीबी से उखाड़ने और रातोंरात निर्माण गतिविधियां करने की बात भी कही गई है।

एमपी ट्रांसको ने सुठालिया में ऊर्जीकृत किए दो नए 132 केवी सर्किट : ऊर्जा मंत्री श्री तोमर

भोपाल (आरएनएस)। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया कि मध्यप्रदेश पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) ने राजगढ़ जिले के 132 केवी सुठालिया सब स्टेशन में दो नए 132 केवी फीडर बे सफलतापूर्वक स्थापित कर ऊर्जीकृत किए हैं। इनके माध्यम से 132 केवी ब्यावरा और 132 केवी मधुसूदनगढ़ ट्रांसमिशन लाइनों को सुठालिया सब स्टेशन से जोड़ा गया है। यह कार्य 132 केवी ब्यावरा-मधुसूदनगढ़ ट्रांसमिशन लाइन की लाइन, इन लाइन आउट व्यवस्था के अंतर्गत किया गया है। ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने



बताया कि इस नई कनेक्टिविटी से राजगढ़ जिले के विद्युत पारेषण नेटवर्क को मजबूती मिलेगी। क्षेत्र को बिजली आपूर्ति के लिए एक अतिरिक्त वैकल्पिक स्रोत उपलब्ध होने से पारेषण व्यवस्था की विश्वसनीयता बढ़ेगी। साथ ही, भविष्य में 400 केवी पावर ग्रिड सुजालपुर से भी इस क्षेत्र को बिजली उपलब्ध कराने का मार्ग प्रशस्त होगा।

11.34 सर्किट किलोमीटर नई लाइनों का निर्माण

एमपी ट्रांसको के मुख्य अभियंता (अति उच्च दाब निर्माण) एस.के. दुबे ने जानकारी दी कि लाइन इन, लाइन आउट कार्य के अंतर्गत 132 केवी सुठालिया-ब्यावरा तथा 132 केवी सुठालिया-मधुसूदनगढ़ लाइनों के लिए डबल सर्किट, डबल स्ट्रिंगिंग की कुल 11.34 सर्किट किलोमीटर लंबी नई ट्रांसमिशन लाइनों का निर्माण किया गया है। इस कार्य में कुल 37 ट्रांसमिशन टावर स्थापित किए गए हैं। विभिन्न व्यावहारिक चुनौतियों के बावजूद कार्य पूरा कर दोनों फीडर बे सफलतापूर्वक ऊर्जीकृत किए गए। इससे सुठालिया सब स्टेशन को ब्यावरा और मधुसूदनगढ़ की ओर से नई पारेषण कनेक्टिविटी प्राप्त हुई है। यह कार्य मुंबई की मेसर्स विक्रान कंपनी द्वारा लगभग 15.67 करोड की अनुमानित लागत से टर्नकी आधार पर किया गया है।

80 हजार रुपए के इनामी कुख्यात बदमाश कल्ली गुर्जर मुरैना पुलिस से मुठभेड़ में घायल, साथी सहित गिरफ्तार

बानमोर क्षेत्र के जंगलों में करीब 3 घंटे चला पुलिस का ऑपरेशन



भोपाल (ए.)। पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा के मार्गदर्शन में प्रदेश में संगठित अपराध एवं आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त फरार और इनामी बदमाशों के विरुद्ध मध्यप्रदेश पुलिस की सख्त कार्रवाई लगातार जारी है। इसी क्रम में मुरैना पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए 80 हजार रूपए के इनामी कुख्यात बदमाश कल्ली उर्फ किलेदार गुर्जर को पुलिस मुठभेड़ के बाद उसके साथी अजय गुर्जर सहित गिरफ्तार किया है। थाना बानमोर क्षेत्रांतर्गत ललितापुरा पहाड़ी गांव के समीप जंगलों में हुई मुठभेड़ के दौरान पुलिस की आत्मरक्षार्थ जवाबी कार्रवाई में कल्ली गुर्जर के पैर में गोली लगी, जबकि उसका साथी भी घायल हुआ। दोनों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया है। पुलिस महानिरीक्षक चंबल जोन सचिन कुमार अतुलकर एवं पुलिस उप महानिरीक्षक चंबल रेंज मुरैना सुनील कुमार जैन के निर्देशानुसार जिले में फरार इनामी बदमाशों एवं आदतन अपराधियों की धरपकड़ के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस अधीक्षक मुरैना धर्मराज मीना के निर्देशन में कुख्यात बदमाश कल्ली उर्फ किलेदार गुर्जर की गिरफ्तारी के लिए विशेष रणनीति तैयार कर पुलिस टीमों का गठन किया गया था। टीम को 05 नवंबर को सूचना मिली कि इनामी बदमाश कल्ली गुर्जर अपने साथी के साथ थाना बानमोर क्षेत्र के ललितापुरा पहाड़ी गांव के समीप जंगल में मौजूद है। पुलिस टीम द्वारा घेराबंदी किए जाने पर बदमाशों ने पुलिस टीम पर फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस टीम ने आत्मरक्षार्थ जवाबी कार्रवाई की। करीब तीन घंटे तक चले ऑपरेशन के दौरान कल्ली गुर्जर के पैर में गोली लगी तथा उसका साथी अजय गुर्जर भी घायल हो गया। दोनों को तत्काल उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। पुलिस ने कल्ली गुर्जर के कब्जे से एक अवैध देशी 32 बोर पिस्टल, एक 306 बोर रायफल एवं 49 जिंदा कारतूस जब्त किए हैं। वहीं, उसके साथी अजय गुर्जर के कब्जे से एक 12 बोर रायफल एवं 12 जिंदा कारतूस जब्त किए हैं। इस प्रकार दोनों आरोपियों के कब्जे से कुल तीन अवैध हथियार एवं 61 जिंदा कारतूस जब्त किए गए हैं। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, कल्ली उर्फ किलेदार गुर्जर एक आदतन एवं सक्रिय अपराधी है। उसके विरुद्ध हत्या, हत्या के प्रयास, लूट, फायरिंग, अड़ीबाजी, मारपीट, शासकीय कार्य में बाधा एवं अवैध शराब तस्करी सहित कुल 20 आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं। इनमें से 9 प्रकरणों में वह फरार चल रहा था। विभिन्न आपराधिक मामलों में उसकी गिरफ्तारी पर 80 हजार रूपए का इनाम घोषित था। आरोपियों के आपराधिक नेटवर्क एवं अन्य आपराधिक गतिविधियों के संबंध में विस्तृत विवेचना जारी है।

भोपाल में शॉपिंग ट्रेंड: हल्की ज्वेलरी से लेकर डिजाइनर लाइटिंग तक इस बार क्या खरीद रहे लोग?



भोपाल (आरएनएस)। भोपाल में दीपावली की खरीदारी का ट्रेंड बदला है। हल्की ज्वेलरी, डिजाइनर लाइटिंग, सजावटी दीये और ड्राई फ्रूट्स गिफ्ट पैक पसंद किए जा रहे हैं। वहीं, अल्पवर्षा के चलते दाल, चावल और ड्राई फ्रूट्स महंगे होने से त्योहार का बजट बढ़ गया है।

दीपावली और धनतेरस को लेकर राजधानी के बाजारों में रौनक बढ़ने लगी है। इस बार खरीदारी में परंपरा के साथ फैशन और बजट का मेल दिखाई दे रहा है। लोग सोना-चांदी, बर्तन और कपड़ों की पारंपरिक खरीदारी के साथ घर सजाने के लिए डिजाइनर लाइटिंग, आकर्षक दीये, बंदनवार और नए तरह के सजावटी सामान तलाश रहे हैं। गिफ्टिंग में भी मिठाई के पारंपरिक डिब्बों के साथ ड्राई फ्रूट्स के आकर्षक बॉक्स और अलग-अलग तरह के गिफ्ट पैक पसंद किए जा रहे हैं। बड़े शोरूम से लेकर चौक बाजार, न्यू मार्केट, दस नंबर और सड़क किनारे लगी छोटी दुकानों तक हर बजट के ग्राहकों के लिए विकल्प मौजूद हैं। इस बार बाजार में खरीदारी का एक खास पहलू यह भी है कि लोग अपनी जरूरत और बजट के हिसाब से सामान चुन रहे हैं। धनतेरस पर कोई सोने-चांदी के सिक्के खरीदने की तैयारी में है तो कोई बर्तन और घरेलू उपयोग का सामान ले रहा है। वहीं, दीपावली पर घर को नया लुक देने के लिए सजावटी उत्पादों और अपनों को उपहार देने के लिए आकर्षक पैकिंग वाले गिफ्ट आइटम की खरीदारी भी महत्वपूर्ण हो गई है।

सोने-चांदी में सिक्के और हल्के आभूषण भी विकल्प

धनतेरस पर सोना-चांदी खरीदने की परंपरा के चलते सराफा बाजार में ग्राहकों की आवाजाही बढ़ने की उम्मीद है। आभूषणों के अलावा सोने-चांदी के सिक्के और कम वजन के आभूषण खरीदारी के विकल्प हैं। बजट के अनुसार ग्राहक छोटे आभूषणों और सिक्कों की खरीदारी कर सकते हैं। इसके साथ ही पहले से गहने बुक कराकर धनतेरस पर डिलीवरी लेने का विकल्प भी बाजार में मौजूद है। सराफा बाजार में सोने-चांदी के पारंपरिक आभूषणों के साथ आधुनिक डिजाइन की ज्वेलरी भी उपलब्ध है। त्योहार के साथ शादी का सीजन होने के कारण ग्राहक अपनी जरूरत के अनुसार खरीदारी की योजना बना रहे हैं।

घर सजाने में डिजाइनर दीये और लाइटिंग का आकर्षण

दीपावली पर घर को रोशनी और रंगों से सजाने का चलन इस बार भी बाजार की रौनक बढ़ा रहा है। हालांकि, सजावट के सामान में अब पारंपरिक दीयों के साथ कई नए विकल्प भी शामिल हो गए हैं। बाजार में डिजाइनर दीये, रंग-बिरंगी एलईडी झालरें, सजावटी लैंप, मोमबत्तियां, कृत्रिम फूलों की मालाएं, बंदनवार और अलग-अलग डिजाइन की रंगोली सामग्री उपलब्ध है। लोग घर के मुख्य दरवाजे, बालकनी और पूजा स्थल को अलग-अलग तरीके से सजाने के लिए सामान खरीद रहे हैं। कम बजट में घर को आकर्षक बनाने के लिए छोटी लाइटिंग और सजावटी उत्पाद भी पसंद किए जा रहे हैं। वहीं, स्थानीय कुम्हारों के मिट्टी के दीये और हाथ से तैयार सजावटी सामान भी त्योहार की खरीदारी का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं।

आठ आईपीएस अधिकारियों के प्रभार बदले, अवधेश अब डीजीपी के पीएसओ

भोपाल (आरएनएस)। राज्य के पुलिस मुख्यालय ने प्रशासनिक व्यवस्था को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से आठ आईपीएस अधिकारियों की जिम्मेदारियों में बड़ा फेरबदल किया है। जारी नए आदेशों के तहत पुलिस महानिदेशक के पीएसओ पद पर तैनात अधिकारियों सहित कई वरिष्ठ अफसरों के प्रभाग बदल दिए गए हैं। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है।

पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) के पीएसओ पद की जिम्मेदारी अब 2009 बैच के डीआईजी अवधेश कुमार गोस्वामी को सौंपी गई है। वे इससे पहले कल्याण एवं लेखा विभाग की देखरेख कर रहे थे। उन्हें पीएसओ के दायित्व के साथ-साथ नारकोटिक्स विभाग का अतिरिक्त प्रभार भी प्रदान किया गया है। वहीं 2010 बैच के डीआईजी विनीत कपूर को पीएसओ के दायित्व से मुक्त करते हुए अब साइबर और सामुदायिक पुलिसिंग की कमान दी गई है।

बिना लाइसेंस चल रहे थे मावा कारखानेः भंवरपुरा और सिकरावली में प्रशासन की दबिश, 85 किलो संदिग्ध मावा और पाम ऑयल जब्त



ग्वालियर (ए.)। जिला प्रशासन और खाद्य सुरक्षा विभाग ने त्योहारी सीजन और मिलावट के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत बुधवार, 4 नवंबर को बड़ी कार्रवाई की। अनुविभागीय अधिकारी (SDM) महोदय के निर्देशन में राजस्व दल और खाद्य विभाग की संयुक्त टीम ने भंवरपुरा और सिकरावली गांवों में संचालित अवैध मावा कारखानों पर औचक दबिश दी। इस दौरान भारी मात्रा में संदिग्ध मावा और मिलावट में इस्तेमाल होने वाली सामग्री जब्त की गई है।

बिना लाइसेंस के चल रहे थे कारखाने, पाम ऑयल भी बरामद

टीम ने सबसे पहले ग्राम भंवरपुरा में राकेश पुत्र अतर सिंह गुर्जर के कारखाने पर निरीक्षण किया। जांच में पाया गया कि यह कारखाना बिना किसी वैध फूड लाइसेंस के संचालित हो रहा था। टीम ने मौके से मावा के दो और दूध का एक सैंपल लेकर जांच के लिए भेजा। साथ ही, मौके से 35 किलो संदिग्ध मावा जब्त कर आरोपी से बॉन्ड भरवाया गया। इसके बाद टीम ने ग्राम भंवरपुरा में ही बीरबल पुत्र प्रीतम गुर्जर के कारखाने की जांच की। यहां भी खाद्य विभाग का कोई लाइसेंस नहीं मिला। इस कार्रवाई के दौरान कारखाने के गोदाम से मावा और दूध के सैंपल (मावा के दो और दूध का एक) लेने के साथ-साथ पाम तेल के टीन और अन्य संदिग्ध सामग्री भी बरामद हुई। टीम ने यहां से 50 किलो मावा जब्त कर बॉन्ड भरवाने की कार्रवाई की है।

सिकरावली में भी जारी रही कार्रवाई

अवैध कारोबारियों के खिलाफ धरपकड़ जारी रखते हुए टीम ने ग्राम सिकरावली स्थित बंटी गुर्जर के कारखाने पर भी दबिश दी। वहां से दूध और मावा का एक-एक सैंपल लिया गया है। प्रशासनिक अधिकारियों के अनुसार, मिलावटखोरों के खिलाफ स्वास्थ्य से खिलवाड़ करने वाले ऐसे अवैध कारोबारियों पर सख्त कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। जब्त किए गए सभी सैंपलों को परीक्षण के लिए प्रयोगशाला भेजा जा रहा है, जिसकी रिपोर्ट आने के बाद आगे की वैधानिक और न्यायसंगत कार्रवाई की जाएगी।

'पानी नहीं मिलेगा तो रोओगे'... जानिए इंदौर में क्यों अचानक सड़कों पर उतरे एमआईसी सदस्य?

इंदौर (ए.)। इंदौर में कम बारिश और घटते भू-जल स्तर के चलते नगर निगम ने पानी की बर्बादी रोकने पर सख्ती शुरू कर दी है। वार्ड 32 में निरीक्षण के दौरान एमआईसी सदस्य ने नलों में टोटी न होने और सड़कों पर पानी बहाने पर कड़ी नाराजगी जताई।

सामान्य से कम वर्षा होने और भू जल स्तर में लगातार गिरावट दर्ज किए जाने के कारण आगामी ग्रीष्मकाल में संभावित जल संकट गहरा सकता है। इस स्थिति से निपटने के लिए नगर निगम प्रशासन ने जल की बर्बादी रोकने के उद्देश्य से कड़े कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। शुरुआती चरण में नागरिकों को समझाइश दी जा रही है, जबकि नियमों का उल्लंघन करने वालों पर चालानी कार्रवाई भी अमल में लाई जा रही है।इसी अभियान के अंतर्गत गुरुवार को वार्ड क्रमांक 32 स्थित रघुनंदन बाग क्षेत्र में एमआईसी सदस्य एवं जनकार्य विभाग प्रभारी राजेंद्र राठौर ने जल आपूर्ति की वास्तविक स्थिति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान कई परिसरों के बाहर नलों से जल व्यर्थ बहता हुआ पाया गया। क्षेत्रवासी सड़कों पर जल बहा रहे थे



तथा नलों में टोटियां भी नहीं लगाई गई थीं।

व्यर्थ जल बहाने पर दंडात्मक कार्रवाई के निर्देश

सड़कों पर जल का अपव्यय देखकर एमआईसी सदस्य ने कड़ी नाराजगी व्यक्त की और उपस्थित नगर निगम अधिकारियों को जल बर्बाद करने वाले नागरिकों के विरुद्ध दंडात्मक व चालानी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने नागरिकों को सचेत करते हुए कहा कि यदि जल की बचत नहीं की गई तो भविष्य में गंभीर संकट का सामना करना पड़ेगा।

नगर निगम ने यह स्पष्ट किया है कि नर्मदा जल अथवा बोरिंग के जल से वाहनों की धुलाई करने तथा व्यर्थ जल बहाने वालों के विरुद्ध दंडात्मक अभियान जारी रहेगा। इसके अतिरिक्त मुख्य जल वितरण लाइन में सीधे मोटर पंप लगाकर जल खींचने वाले उपभोक्ताओं पर भी जुर्माना लगाया जाएगा। इस प्रकार अवैध रूप से जल खींचने से समीपवर्ती अन्य मकानों में जल का दबाव कम हो जाता है, जिससे संपूर्ण जल वितरण प्रणाली प्रभावित होती है।

सुबह के समय निगम टीमों द्वारा निगरानी अभियान

निगम की विशेष टीमें अब विभिन्न वार्डों में प्रातः काल के समय आकस्मिक निरीक्षण करेंगी। प्रारंभ में नागरिकों को जल संरक्षण और उसके संतुलित उपयोग के प्रति जागरूक किया जा रहा है। इसके पश्चात भी बार-बार नियमों का उल्लंघन करने वाले व्यक्तियों का वीडियो साक्ष्य तैयार कर सीधे चालान काटे जाएंगे।

उज्जैन कलेक्ट्रेट में लोकायुक्त का छापाः उ जवला योजना में फर्जीवाड़ा, 20 हजार की घूस लेते बाबू गिरफ्तार

उज्जैन(ए.)। कलेक्ट्रेट परिसर में गुरुवार को लोकायुक्त पुलिस ने कार्रवाई करते हुए अपर जिला मजिस्ट्रेट (एडीएम) कार्यालय में पदस्थ सहायक ग्रेड-3 कर्मचारी रोहित गोठवाल को 20 हजार रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया। मामला प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के गैस कनेक्शन में कथित फर्जीवाड़े से जुड़ा है। इस कार्रवाई के बाद अब एडीएम अतेन्द्र सिंह गुर्जर की भूमिका की जांच और उन्हें भी सह-आरोपी बनाने की मांग उठने लगी है। मामला नागदा के बिरलाग्राम निवासी बृजेश विश्वकर्मा की शिकायत से जुड़ा है। बृजेश का आरोप है कि उनकी मां के दस्तावेजों का दुरुपयोग कर प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना का गैस कनेक्शन किसी अन्य व्यक्ति को दे दिया गया था। उन्होंने इस कथित फर्जीवाड़े की शिकायत कलेक्ट्रेट की जनसुनवाई में की थी।

हत्या के आरोपी को जमानत मिली तो निकाली गैंगस्टर स्टाइल रैली, बोलेरो के बोनट पर बैठकर पी सिगरेट,



सतना (ए.) मध्य प्रदेश के सतना में हत्या के एक मामले में करीब 14 महीने जेल में रहने के बाद जमानत पर बाहर आए आरोपी का अंदाज देखकर सतना में लोग हैरान रह गए। मंगलवार को जेल से रिहा होते ही मान सिंह उर्फ बेटू सिंगरौल ने अपने साथियों के साथ ऐसा शक्ति प्रदर्शन किया, मानो किसी गैंगस्टर की रिहाई का जश्न मनाया जा रहा हो। जेल के बाहर साथियों ने फूल-मालाओं से उसका स्वागत किया। इसके बाद आरोपी बोलेरो के बोनट पर बैठ गया और सिगरेट पीते हुए बाइक रैली के साथ शहर की सड़कों पर निकल पड़ा। जेल से सिद्धार्थ कॉलोनी स्थित उसके घर तक निकाली गई इस रैली का वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

जेल से निकलते ही शुरू हुआ जश्न, शहर की सड़कों पर निकला काफिला

मंगलवार देर शाम हुई रिहाई के बाद आरोपी और उसके साथियों का काफिला जेल परिसर से रवाना हुआ। बोलेरो और बाइक के साथ यह जुलूस बिड़ला रोड होते हुए सिद्धार्थ कॉलोनी पहुंचा। इस दौरान मान सिंह बोलेरो के बोनट पर बैठकर सिगरेट पीता नजर आया। साथियों के साथ निकाली गई इस रैली में उसका अंदाज चर्चा का विषय बन गया है। गंभीर हत्या के मामले में आरोपी रहे व्यक्ति के इस तरह खुलेआम शक्ति प्रदर्शन से लोगों में नाराजगी और दहशत की बात सामने आई है। वीडियो वायरल होने के बाद अब पुलिस की संभावित कार्रवाई को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं।मान सिंह उर्फ बेटू सिंगरौल 16 वर्षीय सत्यम शुक्ला की हत्या के मामले में जेल में बंद था। यह घटना 4 सितंबर को कोलगवां थाना क्षेत्र में एफसीआई गोदाम के पास हुई थी। पुलिस के मुताबिक, सूर्यप्रताप अपने दोस्त आदित्य के साथ चाय पीने के बाद बस स्टैंड जाने के लिए बाइक पर बैठ रहा था। इसी दौरान पुराने परिचित वेद मिश्रा, आयुष द्विवेदी उर्फ बेटू किंग, अर्पित तिवारी, सचिन पाल, बेटू सिंगरौल और सत्यम शुक्ला वहां पहुंचे। बताया गया कि वेद मिश्रा ने सूर्यप्रताप से विवाद शुरू कर दिया।

ग्वालियर में हाईटेक चोर गिरोह का पर्दाफाश, चोरी के माल को छिपाने के तरीके से पुलिस भी हैरान

ग्वालियर (ए.) चोरों ने चोरी के माल को छिपाने का ऐसा तरीका अपनाया, जिसे जानकर पुलिस भी हैरान रह गई। चोरों ने घर से चुराए करीब 12 लाख रुपए के सोने-चांदी के आभूषण किसी अलमारी या जमीन में नहीं, बल्कि घर की सीवेज पाइपलाइन में छिपा दिए थे। पुलिस ने मुख्य आरोपी ताज खान समेत दो आरोपियों को गिरफ्तार कर चोरी का माल बरामद कर लिया है। मामला भितरवार थाना क्षेत्र का है। दरअसल, 22 अक्टूबर को भितरवार के वार्ड क्रमांक 2 में रहने वाले ज्ञानी भूषण पाठक के घर चोरी की वारदात हुई थी। चोर कमरे में गेहूं की टंकी में छुपाकर रखे सोने-चांदी के आभूषण समेटकर फरार हो गए थे। पुलिस ने मामले की जांच शुरू की और संदेह के आधार पर मुख्य आरोपी और उसके एक अन्य साथी को पकड़ा। पूछताछ में आरोपियों ने चोरी के आभूषण घर की सीवेज पाइपलाइन में छिपाने की बात कबूल की। इसके बाद पुलिस ने पाइपलाइन को खुलवाया और उसमें छिपाकर रखे करीब 12 लाख रुपए कीमत के सोने-चांदी के आभूषण बरामद कर लिए। फिलहाल पुलिस दोनों आरोपियों से पूछताछ कर रही है। पुलिस को आशंका है कि पूछताछ में क्षेत्र में हुई अन्य चोरी की वारदातों का भी खुलासा हो सकता है। चोरी के बाद पुलिस से बचने के लिए आरोपियों ने गहनों को सीवेज पाइपलाइन में छिपा दिया, लेकिन उनकी यह तरकीब ज्यादा दिन काम नहीं आई।



व्यापार समाचार

अमेरिकी चुनाव नतीजों के बाद धड़ाम हुआ कच्चा तेल, ब्रेंट क्रूड 94 डॉलर से नीचे फिसला



नई दिल्ली (आरएनएस)। वैश्विक कच्चे तेल बाजार में गुरुवार को लगातार चौथे कारोबारी सत्र में गिरावट दर्ज की गई। ब्रेंट क्रूड 94 डॉलर प्रति बैरल से नीचे फिसल गया, जबकि अमेरिकी डब्ल्यूटीआई भी 87 डॉलर प्रति बैरल के नीचे पहुंच गया। अमेरिकी मिडटर्म चुनावों में डेमोक्रेटिक पार्टी की बड़ी जीत और ईरान के साथ संभावित तनाव कम होने की उम्मीदों ने तेल की कीमतों पर भारी दबाव डाला है।

इस बीच, भारतीय रुपया लगातार पांचवें सत्र में मजबूत हुआ। बुधवार को 94.64 के स्तर पर बंद होने के बाद रुपया गुरुवार को 29 पैसे की बढ़त के साथ 94.35 प्रति डॉलर पर खुला।

बाजार में सबसे बड़ी चिंता रहे पश्चिम एशिया के भू-राजनीतिक जोखिमों का असर अब कम होता दिखाई दे रहा है। निवेशकों का मानना है कि अमेरिकी कांग्रेस के दोनों सदनों में डेमोक्रेटिक बढ़त के बाद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के लिए ईरान के खिलाफ आक्रामक सैन्य रुख अपनाना पहले की तुलना में अधिक कठिन हो सकता है। इससे कूटनीतिक समाधान की उम्मीद बढ़ी है और तेल बाजार में जोखिम प्रीमियम कम हुआ है।

गुरुवार को ब्रेंट क्रूड करीब 1 प्रतिशत गिरकर 93.65 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया, जबकि अमेरिकी डब्ल्यूटीआई क्रूड 1.36 प्रतिशत टूटकर 86.92 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार करता दिखा। इससे पहले दोनों बेंचमार्क बुधवार को 8 प्रतिशत से अधिक टूटे थे और अगस्त के अंत के बाद के सबसे निचले स्तर पर बंद हुए थे।

इस सप्ताह अब तक कच्चे तेल की कीमतों में करीब 16 प्रतिशत की गिरावट आ चुकी है, जो हाल के वर्षों की सबसे तेज साप्ताहिक गिरावटों में से एक मानी जा रही है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, खाड़ी देशों के सरकारी हलकों से जुड़े सूत्रों का मानना है कि ईरान पर बड़े पैमाने के सैन्य हमले की संभावना अब पहले की तुलना में कम हो गई है। वहीं राष्ट्रपति ट्रंप ने भी संकेत दिया है कि फिलहाल अमेरिका की ओर से ईरान पर तत्काल हमला करने की कोई योजना नहीं है।

इसके साथ ही उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने भी युद्ध की उपयोगिता पर सवाल उठाए हैं। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि चुनावी नतीजों के बाद अमेरिकी प्रशासन पर कूटनीतिक समाधान खोजने का दबाव बढ़ सकता है। इसी उम्मीद ने बाजार में भारी बिकवाली को जन्म दिया।

कच्चे तेल की आपूर्ति स्थिति में भी सुधार के संकेत मिले हैं। होर्मुज जलडमरूमध्य से तेल आपूर्ति लगभग युद्ध-पूर्व स्तरों के करीब पहुंचने लगी है। इससे वैश्विक बाजार में आपूर्ति को लेकर चिंताएं कम हुई हैं।

100 प्रतिशत बायोएथेनॉल से चलने वाली टोयोटा इनोवा 26 नवंबर को होगी लॉन्च, पेट्रोल के मुकाबले 25-30 रुपए आएगा खर्च : नितिन गडकरी

नई दिल्ली (आरएनएस)। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बुधवार को कहा कि भारत तेजी से हरित और स्वच्छ परिवहन की दिशा में आगे बढ़ रहा है। राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित पावरिंग द नेक्स्ट माइल कॉन्क्लेव में बोलते हुए उन्होंने घोषणा की कि 26 नवंबर को टोयोटा की इनोवा का 100 प्रतिशत बायोएथेनॉल-आधारित मॉडल लॉन्च किया जाएगा, जो पेट्रोल के बजाय पूरी तरह एथेनॉल पर चलेगा।

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि वर्तमान में एथेनॉल की कीमत करीब 75 रुपए प्रति लीटर है, जबकि पेट्रोल करीब 120 रुपए प्रति लीटर का है। उन्होंने बताया कि यह वाहन चलते समय अपनी लगभग 60 प्रतिशत शक्ति बिजली से उत्पन्न करेगा। ऐसे में औसत परिचालन लागत की गणना करें तो इसका खर्च पेट्रोल की तुलना में लगभग 25 से 30 रुपए प्रति लीटर के बराबर होगा।

गडकरी ने कहा, इसी महीने 26 नवंबर को मैं टोयोटा की चार पहिया वाहन इनोवा लॉन्च करने जा रहा हूं, जो पेट्रोल की जगह पूरी तरह से 100 प्रतिशत बायोएथेनॉल पर चलेगी। एथेनॉल की कीमत 75 रुपए प्रति लीटर है, जबकि पेट्रोल की कीमत 120 रुपए प्रति लीटर है। यह वाहन



चलते समय अपनी 60 प्रतिशत ऊर्जा बिजली से उत्पन्न करेगा। इसलिए, पेट्रोल की तुलना में औसत आधार पर गणना करने पर, प्रभावी लागत 25-30 रुपए प्रति लीटर के बराबर होगी।

उन्होंने कहा कि इससे उपभोक्ताओं को ईंधन खर्च में बड़ी बचत होगी और साथ ही प्रदूषण कम करने में भी मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि हरित, सुरक्षित और समावेशी तकनीक देश और आम लोगों दोनों के लिए लाभकारी साबित होगी।

नितिन गडकरी ने आगे बताया कि उन्हें बजाज और टीवीएस के पहले इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों को लॉन्च करने का अवसर मिला था। उन्होंने कहा कि शुरुआती इलेक्ट्रिक स्कूटरों की रेंज लगभग 125 किलोमीटर थी, लेकिन बाद में कई स्टार्टअप कंपनियों ने लागत कम करने के लिए बैटरी क्षमता घटा दी और 70 किलोमीटर रेंज वाले वाहन 70,000 से 72,000 रुपए की कीमत पर बाजार में उतारे।उन्होंने कहा कि उस समय कंपनियों का मानना था कि कम कीमत वाले वाहन बिक्री बढ़ाने में मदद करेंगे। हालांकि अब तकनीक और बैटरी क्षमता दोनों में लगातार सुधार हो रहा है, जिससे इलेक्ट्रिक वाहनों की उपयोगिता बढ़ रही है।गडकरी ने आगे कहा कि उन्हें देश की पहली इलेक्ट्रिक स्कूटर, इलेक्ट्रिक कार, इलेक्ट्रिक बस और इलेक्ट्रिक ट्रक को हरी झंडी दिखाने का अवसर भी मिला। उन्होंने बताया कि जब भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों की शुरुआत हुई थी, उस समय लिथियम-आयन बैटरी की कीमत 150 डॉलर प्रति किलोवाट-घंटा थी, जो अब घटकर 50 डॉलर प्रति किलोवाट-घंटा रह गई है।हालांकि उन्होंने कहा कि हाल के समय में बैटरी कीमतों में गिरावट की रफ्तार थम गई है। इसका मुख्य कारण बढ़ती मांग और सीमित आपूर्ति है।

सकारात्मक वैश्विक संकेतों से बाजार में जोरदार रैली; सेंसेक्स 1,600 अंक से ज्यादा उछला, निफ्टी में 1.80 प्रतिशत की तेजी

मुंबई ,(ए)। अमेरिकी मध्यावधि (मिडटर्म) चुनावों के नतीजों और कच्चे तेल की कीमतों में तेज गिरावट से मिले सकारात्मक संकेतों के बीच भारतीय शेयर बाजार ने गुरुवार को जोरदार शुरुआत की। इस दौरान प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी करीब 2 प्रतिशत की बढ़त के साथ खुले और बाजार में सभी प्रमुख सेक्टरों में खरीदारी देखने को मिली।

शुरुआती कारोबार में बीएसई सेंसेक्स 1,609.54 अंक यानी 2.08 प्रतिशत की बढ़त के साथ 78,910.94 पर खुला, तो वहीं एनएसई निफ्टी 50 417.45 अंक या 1.74 प्रतिशत उछलकर 24,378.05 के स्तर पर खुला।

वहीं, दिन के कारोबार में एक समय सेंसेक्स ने 2.09 प्रतिशत की तेजी के साथ 78,922.44 का इंट्रा-डे हाई छुआ, जबकि निफ्टी ने 1.80 प्रतिशत की बढ़त के साथ 24391.95 के दिन के उच्चतम स्तर को टच किया।

सेक्टोरल आधार पर वित्तीय शेयरों में सबसे अधिक तेजी रही। निफ्टी प्राइवेट बैंक सूचकांक 2 प्रतिशत से अधिक चढ़ गया। रियल्टी सेक्टर भी मजबूत रहा और निफ्टी रियल्टी में 1.86 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई। इसके अलावा सीमेंट, ऑटो, आईटी, ऑयल एंड गैस और पीएसयू बैंक शेयरों में भी 1.8 प्रतिशत तक की तेजी देखने को मिली।

इसके साथ ही, एफएमसीजी, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, मेटल, मीडिया और केमिकल सेक्टर के शेयर भी हरे निशान में कारोबार करते दिखाई दिए और इनमें 1 से 1.5 प्रतिशत तक की बढ़त दर्ज की गई।

बाजार विशेषज्ञों ने बताया कि निफ्टी अभी भी अपने 200-दिवसीय एक्सपोनेंशियल मूविंग एवरेज (ईएमए) 23,904 के ऊपर बना हुआ है, जो तकनीकी रूप से एक मजबूत तेजी का संकेत है।

भारत का प्राइवेट क्रेडिट एयूएम 2030 तक तीन गुना बढ़कर 65 अरब डॉलर पहुंचने की उम्मीद : रिपोर्ट



नई दिल्ली (आरएनएस)। भारत पर केंद्रित प्राइवेट क्रेडिट के तहत एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) 2030 तक बढ़कर 56-65 अरब डॉलर होने का अनुमान है, जो कैलेंडर वर्ष 2025 में 21.8 अरब डॉलर पर था। यह लगभग तीन गुना वृद्धि और करीब 21-24 प्रतिशत की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) को दर्शाता है। यह जानकारी बुधवार को जारी एक रिपोर्ट में दी गई।

केयरएज रेटिंग्स की रिपोर्ट के अनुसार, भारत का प्राइवेट क्रेडिट बाजार अभी विकास के शुरुआती चरण में है। देश की जीडीपी में इसकी हिस्सेदारी महज 0.6 प्रतिशत है, जबकि अमेरिका में यह 4.4 प्रतिशत और ब्रिटेन में 8.4 प्रतिशत है। इससे इस क्षेत्र में लंबी अवधि में विकास की व्यापक संभावनाएं दिखाई देती हैं।

भारत का क्रेडिट-टू-जीडीपी अनुपात, जो आमतौर पर 90 प्रतिशत से 102 प्रतिशत के बीच रहता है, 2022 में घटकर 88.3 प्रतिशत रह गया था। इसके बाद यह 2023 में बढ़कर 93.8 प्रतिशत, 2024 में 95.3 प्रतिशत और 2025 में 102.3 प्रतिशत हो गया।

इसके मुकाबले अमेरिका, ब्रिटेन और ऑस्ट्रेलिया जैसी विकसित अर्थव्यवस्थाओं में क्रेडिट-टू-जीडीपी अनुपात 140 प्रतिशत से 200 प्रतिशत के बीच बना हुआ है।

प्राइवेट क्रेडिट उन मध्यम आकार की कंपनियों, विकास के चरण में मौजूद कारोबारों और कम परिसंपत्तियों वाले व्यवसायों की वित्तपोषण जरूरतों को पूरा कर रहा है, जिन्हें पारंपरिक ऋणदाताओं से पर्याप्त मदद नहीं मिल पाती है।

इस क्षेत्र की वृद्धि के प्रमुख कारणों में बैंकों के सख्त ऋण नियम, विशेष जरूरतों के अनुरूप वित्तपोषण समाधानों की बढ़ती मांग, कर्ज के पुनर्वित्तपोषण के बड़े अवसर और दिवाला एवं कर्ज वसूली व्यवस्था का मजबूत होना शामिल हैं।

केयरएज एडवाइजरी की सीनियर डायरेक्टर तन्वी शाह ने कहा, लचीली पूंजी की बढ़ती कॉरपोरेट मांग के चलते भारत का प्राइवेट क्रेडिट बाजार 2030 तक 56-65 अरब डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है। मानकीकृत ऋण उत्पादों से इतर वित्तपोषण की मांग इस वृद्धि को समर्थन देगी। डायरेक्ट लेंडिंग, वेंचर डेट, स्पेशल सिचुएशंस और रियल एस्टेट क्रेडिट इस विस्तार को गति देने की उम्मीद है।

शाह ने कहा कि बाजार की वृद्धि को टिकाऊ रिटर्न में बदलने के लिए अनुशासित ऋण मूल्यांकन, जोखिम के अनुरूप ब्याज दरें और मजबूत ऋण शर्तों का संरक्षण बेहद महत्वपूर्ण होगा।

केयरएज एडवाइजरी के असिस्टेंट डायरेक्टर कल्पेश मंत्री ने कहा, प्राइवेट क्रेडिट पारंपरिक ऋण व्यवस्था की जगह लेने के बजाय उसके साथ मिलकर काम करेगा। यह उन कर्जदारों के लिए लचीले और जरूरत के अनुरूप वित्तपोषण समाधान उपलब्ध कराकर वित्तपोषण व्यवस्था को मजबूत करेगा, जिन्हें पारंपरिक माध्यमों से पर्याप्त ऋण नहीं मिल पाता।

रिपोर्ट में कहा गया है कि निकट भविष्य में डायरेक्ट लेंडिंग, वेंचर डेट और रियल एस्टेट डेट प्राइवेट क्रेडिट क्षेत्र की सबसे तेजी से बढ़ने वाली रणनीतियां रहने की उम्मीद है।

सम्पादकीय



अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है, सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

बचाव में खड़ा होना अजीबोगरीब

दवाओं की अधिक कीमत वसूलने के मामले में केंद्र का प्राइवेट अस्पतालों के बचाव में खड़ा होना अजीबोगरीब है। केंद्र ने कहा कि अस्पतालों पर खर्च का बड़ा बोझ है, इसलिए वे अधिक दाम वसूलते हैं।

दवाओं की एमआरपी से कई गुना ज्यादा कीमत वसूलने के निजी अस्पतालों में जारी चलन को सुप्रीम कोर्ट ने 'डकैती' बताया। कहा- 'सरकार इसे चलने दे रही है। सब कुछ सरकार की आंखों के सामने घट रहा है।' न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की बेंच ने यह महत्त्वपूर्ण टिप्पणी भी कि ऐसा लगता है, राष्ट्रीय औषधि मूल्य-निर्धारण प्राधिकरण (एनपीपीए) पूरी तरह निष्क्रिय हो चुका है। एनपीपीए पर ही जरूरी औषधियों के मूल्य निर्धारण की जिम्मेदारी है। यह दूसरा मौका है, जब सर्वोच्च न्यायालय ने इस मुद्दे पर सख्त बातें कही हैं।

इस बार की सुनवाई में फिर यह उदाहरण सामने आया कि कीमोथेरेपी में इस्तेमाल होने की एक दवा, जिसकी एमआरपी तकरीबन 11 हजार रुपये है, उसके लिए एक निजी अस्पताल ने एक लाख 30 हजार रुपये का बिल मरीज को थमाया। ऐसे में न्यायालय के इस सवाल के औचित्य को आसानी से समझा जा सकता है कि 'क्या यह सब बेलगाम चलने दिया जाना चाहिए?' केंद्र का प्राइवेट अस्पतालों के बचाव में खड़ा होना इस मामले का एक और आंख खोल देने वाला पहलू है। केंद्र ने दलील दी कि अस्पतालों के ऊपर खर्च का बड़ा बोझ है, इसलिए वे दवाओं की अधिक कीमत वसूलते हैं। अतिरिक्त सोलिसीटर जनरल ऐश्वर्य भाटी ने यह भी कहा कि केंद्र की नीति चिकित्सा के सारे इकॉ-सिस्टम (परिदृश्य) को नियंत्रित ना करने की है। निजी अस्पतालों के इस सरासर अनुचित व्यवहार के पक्ष में सरकार ने यह तर्क भी दिया कि 'भारत में दवाओं की कीमत दुनिया में सबसे कम है।' जजों ने उचित ही इसका यह प्रतिवाद किया कि भारत की प्रति व्यक्ति आय भी दुनिया में ज्यादातर देशों से कम है। बहरहाल, केंद्र से यह जरूर पूछा जाना चाहिए कि वह मरीजों और आम जन की नुमाइंदगी करता है, या बड़ी पूंजी वाले समूहों की, अथवा वह विभिन्न वर्गों के हितों के बीच तालमेल बनाना अपनी जिम्मेदारी समझता है? उसने कोर्ट में जो दलीलें दी, उससे यह नहीं लगता कि आम जन के हितों की उसे कोई परवाह है। इसीलिए इस मुद्दे पर व्यापक सार्वजनिक चर्चा की जरूरत है।

इस धनतेरस स्वास्थ्य में निवेश परिवार की सबसे बड़ी समृद्धि

धनतेरस पर सोने-चांदी से आगे बढ़कर स्वास्थ्य में निवेश करें

श्री प्रतापराव जाधव

शुभं करोति कल्याणम् आरोग्यं धनसंपदा।

संस्कृत की प्रार्थना के ये परिचित शब्द हमारी परंपराओं में स्वास्थ्य, कल्याण और समृद्धि के गहरे संबंध को बड़ी सुंदरता से व्यक्त करते हैं। ये हमें याद दिलाते हैं कि सच्ची समृद्धि केवल भौतिक संपत्ति से नहीं, बल्कि हमारे अपनों के स्वास्थ्य और खुशहाली से भी मापी जाती है। हर वर्ष धनतेरस के आते ही हमारे घरों में दीपावली की तैयारियां शुरू हो जाती हैं। घरों की साफ-सफाई और सजावट होती है, बाजारों में उत्सव का उल्लास दिखाई देता है और लोग समृद्धि के प्रतीक के रूप में नई वस्तुएं खरीदते हैं। इन उत्सवों के बीच मेरे मन में अक्सर एक सरल-सा प्रश्न उठता है कि जब हम अपने परिवार के समृद्ध भविष्य को सुरक्षित बनाने के लिए इतनी तैयारियां करते हैं, तो उनके स्वास्थ्य की रक्षा पर कितना ध्यान देते हैं?

हम भविष्य के लिए बचत करते हैं, अपनी संपत्ति का बीमा कराते हैं और आर्थिक निवेश की योजनाएं बनाते हैं। लेकिन जिन आदतों पर हमारे आने वाले वर्षों का स्वास्थ्य निर्भर करता है, उन पर अक्सर सबसे कम ध्यान दिया जाता है। समय पर भोजन न करना हमारी दिनचर्या का हिस्सा बन जाता है, पर्याप्त नींद न लेना व्यस्त जीवन की पहचान समझी जाने लगती है और स्वास्थ्य जांच तब तक टाल दी जाती है, जब तक कोई परेशानी गंभीर रूप नहीं ले लेती। धनतेरस हमें अपनी इन प्राथमिकताओं पर फिर से विचार करने का अवसर देता है।

धनतेरस का आयुर्वेद के साथ विशेष संबंध है। यह पर्व भगवान धन्वंतरि के प्राकट्य से जुड़ा है, जिन्हें देवताओं के वैद्य और आयुर्वेद के आदि प्रवर्तक के रूप में पूजा जाता है। समुद्र मंथन के दौरान अमृत कलश लेकर उनका प्रकट होना स्वास्थ्य और दीर्घायु की मानवता की चिरकालिक आकांक्षा का प्रतीक है। यही संबंध धनतेरस को सोने, चांदी या घरेलू वस्तुओं की खरीदारी से कहीं अधिक व्यापक अर्थ प्रदान करता है। यह हमें याद दिलाता है कि समृद्धि का वास्तविक आनंद तभी है, जब हमारे पास उसे अनुभव करने और अपने प्रियजनों के साथ साझा करने के लिए अच्छा स्वास्थ्य हो।



आयुष तथा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, दोनों मंत्रालयों की जिम्मेदारी निभाते हुए मैं अपने दैनिक जीवन में इस संदेश के महत्व को भली-भांति समझता हूं। स्वास्थ्य को लेकर हमारी बातचीत अक्सर तब शुरू होती है, जब बीमारी हमारे जीवन में दस्तक दे चुकी होती है। हम अस्पतालों, दवाओं और उपचार की चर्चा करते हैं, जो निस्संदेह आवश्यक हैं। लेकिन एक उतनी ही महत्वपूर्ण बातचीत इससे बहुत पहले शुरू होनी चाहिए, हमारे घरों, रसोईघरों, कार्यस्थलों और रोजमर्रा की दिनचर्या में।

क्या हम उपचार को जितना महत्व देते हैं, उतना ही महत्व बीमारियों की रोकथाम को भी दे सकते हैं?

यही प्रश्न आयुर्वेद की स्वास्थ्य संबंधी सोच के मूल में है। आयुर्वेद का सिद्धांत 'स्वस्थस्य स्वास्थ्य रक्षणम्', अर्थात स्वस्थ व्यक्ति के स्वास्थ्य की रक्षा करना, आज की सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवस्था के लिए भी अत्यंत प्रासंगिक है। यह हमें बताता है कि हमारा स्वास्थ्य इस बात से प्रभावित होता है कि हम क्या खाते हैं, कितनी नींद लेते हैं, कितने शारीरिक रूप से सक्रिय रहते हैं और अपनी देखभाल कितनी नियमितता से करते हैं। आज जब गैर-संचारी रोग, निष्क्रिय जीवनशैली और तनाव स्वास्थ्य संबंधी बड़ी चुनौतियों के रूप में सामने आ रहे हैं, तब निवारक स्वास्थ्य सेवाओं पर अधिक ध्यान देना आवश्यक हो गया है।

उदाहरण के लिए, परिवार के साथ किया जाने वाला एक साधारण भोजन भी स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने का अवसर हो सकता है। इसके माध्यम से हम बच्चों में पौष्टिक भोजन की आदत विकसित कर सकते हैं और परिवार के बुजुर्गों की पोषण संबंधी आवश्यकताओं का ध्यान रख सकते हैं। इसी प्रकार प्रतिदिन टहलना, नियमित योगाभ्यास करना या सोने और जागने का समय निश्चित रखना भले ही छोटे प्रयास लगें, लेकिन लंबे समय तक इनका पालन करने से स्वास्थ्य में सार्थक बदलाव आ सकता है। निवारक स्वास्थ्य सेवाओं की वास्तविक शक्ति अक्सर ऐसे ही सरल और रोजमर्रा के निर्णयों में निहित होती है।

भारत की आयुष चिकित्सा पद्धतियां स्वास्थ्य संरक्षण और समग्र कल्याण की इस संस्कृति को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। आयुष्मान आरोग्य मंदिर (आयुष) जैसी पहलों के माध्यम से सामुदायिक स्तर पर आयुष आधारित स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बढ़ाने के प्रयास किए जा रहे हैं। साथ ही, वैज्ञानिक अनुसंधान, गुणवत्ता मानकों और प्रमाण-आधारित चिकित्सा पद्धतियों को बढ़ावा देना भी आवश्यक है, ताकि भारत का पारंपरिक चिकित्सा ज्ञान वर्तमान स्वास्थ्य सेवाओं में जिम्मेदारी और प्रभावी ढंग से योगदान दे सके।

हालांकि, परिवारों और समुदायों की सक्रिय भागीदारी के बिना कोई भी स्वास्थ्य पहल पूरी तरह सफल नहीं हो सकती। एक स्वस्थ भारत का निर्माण केवल संस्थानों और स्वास्थ्य सुविधाओं के माध्यम से नहीं किया जा सकता। इसके लिए प्रत्येक व्यक्ति को अपनी रोजमर्रा की आदतों और निर्णयों में स्वास्थ्य को प्राथमिकता देनी होगी। जब भारत वर्ष 2047 में अपनी स्वतंत्रता के सौ वर्ष पूरे करेगा, तब विकसित भारत की हमारी परिकल्पना में ऐसे नागरिक भी होने चाहिए, जो अधिक स्वस्थ, जागरूक और रोकी जा सकने वाली बीमारियों से स्वयं को सुरक्षित रखने में सक्षम हों।

यहीं धनतेरस की भावना हमें एक सार्थक बदलाव के लिए प्रेरित कर सकती है। हम इस पर्व को अपने घर में कुछ नया लाने से जोड़कर देखते हैं। तो क्यों न इस वर्ष हम अपने घर एक नई अच्छी आदत भी लेकर आएं? यह आदत सोच-समझकर पौष्टिक भोजन करने की हो सकती है, नियमित योगाभ्यास की हो सकती है, पर्याप्त नींद लेने की हो सकती है या परिवार के किसी सदस्य को लंबे समय से टल रही स्वास्थ्य जांच कराने के लिए प्रेरित करने की हो सकती है।

इस शुभ अवसर पर मैं प्रत्येक नागरिक से अपील करता हूं कि वह निवारक स्वास्थ्य सेवाओं को अपने जीवन का हिस्सा बनाने का व्यक्तिगत संकल्प ले। आइए, हम अपनी दिनचर्या में कम से कम एक सकारात्मक बदलाव की शुरुआत करें और परिवार के किसी एक अन्य सदस्य को भी ऐसा करने के लिए प्रेरित करें। अपने बुजुर्गों और बच्चों के स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दें, आवश्यकता पड़ने पर समय से चिकित्सकीय सलाह लें और स्वस्थ जीवनशैली को पूरे परिवार की साझा जिम्मेदारी बनाएं।

इस धनतेरस जब हम अपने घरों में दीपक जलाएं, तो उसकी रोशनी हमें अपने और अपने प्रियजनों के प्रति हमारी जिम्मेदारी का भी स्मरण कराए। हम जो आभूषण खरीदते हैं, वे एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी को विरासत में मिल सकते हैं, लेकिन जो अच्छी स्वास्थ्य संबंधी आदतें हम अपने परिवार में विकसित करते हैं, वे भी आने वाली पीढ़ियों के लिए उतनी ही मूल्यवान विरासत बन सकती हैं।

बदलते वैश्विक कूटनीतिक समीकरण में ट्रंप की हार के मायने।

संजीव ठाकुर

अमेरिकी लोकतंत्र की विशेषता है कि वहां मतदाता राष्ट्रपति को चुनने के दो वर्ष बाद ही उसके कामकाज का मूल्यांकन करने का अवसर प्राप्त करते हैं। इस बार मतदाताओं ने महंगाई, जीवनयापन की बढ़ती लागत, ईरान के साथ युद्ध, आव्रजन नीति और प्रशासनिक फैसलों को लेकर अपनी नाराजगी जाहिर की है। विशेष रूप से ईरान के साथ लंबे युद्ध और उससे उत्पन्न आर्थिक दबाव ने रिपब्लिकन पार्टी की राजनीतिक स्थिति को कमजोर किया। समाचार एजेंसी रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार, कभी रिपब्लिकन पार्टी के मजबूत गढ़ माने जाने वाले क्षेत्रों में भी डेमोक्रेटिक उम्मीदवारों को उल्लेखनीय सफलता मिली। यह इस बात का संकेत है कि अमेरिकी मतदाता केवल राजनीतिक नारों से प्रभावित नहीं होते, बल्कि आर्थिक सुरक्षा, शांति और लोकतांत्रिक जवाबदेही को भी प्राथमिकता देते हैं। अमेरिका की राजनीतिक पटल पर हुए मध्यावधि चुनावों के परिणाम ने एक बार फिर वैश्विक राजनीति की दिशा और दशा को मोड़ दिया है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की रिपब्लिकन पार्टी को इन चुनावों में करारी हार का सामना करना पड़ा है, जबकि विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी ने अमेरिकी संसद के दोनों सदनों—प्रतिनिधि सभा और सीनेट पर अपना ऐतिहासिक कब्जा जमा लिया है। यह चुनाव परिणाम राष्ट्रपति ट्रंप की नीतियों के



खिलाफ एक बड़े जनमत संग्रह के रूप में देखे जा रहे हैं, जिसका सीधा असर आने वाले समय में वैश्विक कूटनीति और भारत-अमेरिका संबंधों पर पड़ेगा। इस चुनाव में अमेरिकी राजनीति के भीतर भारतीय-अमेरिकी प्रवासियों की बढ़ती ताकत और उनकी राजनीतिक परिपक्वता खुलकर सामने आई है। डेमोक्रेटिक पार्टी की इस जीत में प्रवासी भारतीयों ने एक महत्वपूर्ण और निर्णायक भूमिका निभाई है। कैलिफोर्निया से रो खन्ना, वॉशिंगटन से प्रमिला जयपाल, वर्जीनिया से सुहास सुब्रमण्यम और फ्लोरिडा से पिया दांडिया जैसे भारतीय मूल के नेताओं ने शानदार जीत दर्ज कर अमेरिकी विधायिका में अपने प्रभाव को और मजबूत किया है। प्रवासी भारतीयों ने न केवल अपने मतदान से नीतिगत बदलावों का समर्थन किया, बल्कि इमिग्रेशन (प्रवासन), ग्रीन कार्ड बैकलॉग, और आर्थिक स्थिरता जैसे मुद्दों को मुख्यधारा की बहस के केंद्र में ला दिया। यह इस बात का प्रमाण है कि अमेरिकी नीति-निर्माण में अब भारतीय समुदाय की आवाज को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। संसद के दोनों सदनों में डेमोक्रेट्स के नियंत्रण में आने के बाद राष्ट्रपति ट्रंप के विधायी एजेंडे और आक्रामक विदेश नीतियों पर गंभीर ब्रेक लग सकता है। वैश्विक मंच पर इसके दूरगामी परिणाम होंगे. चुनाव प्रचार के दौरान ईरान के साथ बढ़ते तनाव और युद्ध के मुद्दों को मतदाताओं ने प्रमुखता से नकारा। इससे अमेरिकी प्रशासन को अपनी पश्चिम एशिया नीति पर पुनर्विचार करना पड़ सकता है। डेमोक्रेटिक पार्टी के मजबूत होने से अंतरराष्ट्रीय समझौतों, पर्यावरण संबंधी नीतियों (जैसे पेरिस समझौता) और पारंपरिक सहयोगियों के साथ रिश्तों में एक बार फिर नरमी और स्थिरता देखने को मिल सकती है। भारत के दृष्टिकोण से, अमेरिकी संसद में बदले हुए समीकरणों के बीच दिल्ली को अपनी कूटनीति को अधिक बहुआयामी और लचीला बनाना होगा। रिपब्लिकन और डेमोक्रेट दोनों दलों के बीच संतुलन बिठाते हुए रक्षा, तकनीक और व्यापारिक साझेदारी को आगे बढ़ाना भारत की प्राथमिकताओं में शामिल होगा।

इस राजनीतिक उलटफेर के बाद दुनिया भर के शीर्ष नेताओं की प्रतिक्रियाएं सामने आई हैं:

अपनी पार्टी की हार को स्वीकार करते हुए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा, हम डेमोक्रेट्स के साथ काम करेंगे और उनके साथ मिलकर काम करने को पूरी तरह उत्सुक हैं। हम संभवत: कोई न कोई रास्ता निकाल लेंगे। मुझे लगता है कि इस हार की एक बड़ी वजह ईरान को लेकर उठाए गए कदम भी रहे, लेकिन आतंकवाद को बढ़ावा देने वाले देशों को परमाणु हथियार हासिल करने की छूट नहीं दी जा सकती। डेमोक्रेटिक पार्टी की इस शानदार सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए बराक ओबामा ने कहा, अमेरिकियों ने अपने वोट के जरिए एक स्पष्ट और मजबूत संदेश दिया है। वे ऐसी राजनीति चाहते हैं जो लोगों को बांटने के बजाय उन्हें एकजुट करे और देश की गंभीर चुनौतियों का ठोस समाधान पेश करे।

ईरान के संसदीय अध्यक्ष मोहम्मद बागेर ग़ालिबाफ़ ने अमेरिकी चुनाव परिणामों पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, वजह चाहे अंतरात्मा की आवाज हो या बढ़ती महंगाई, यह सच है कि अमेरिकियों ने युद्ध को ना कहा है।



मेष राशि: पारिवारिक जीवन में पूरे होंगे महत्वपूर्ण काम मेष राशि वालों आज पारिवारिक जीवन में चल रहे कुछ महत्वपूर्ण काम पूरे होंगे। अपना व्यवहार सकारात्मक बनाए रखें। भविष्य के लिए बनाई गई योजनाओं पर भी आज कुछ सोच विचार कर सकते हैं।

वृष राशि: आर्थिक स्थिति में होगा सुधार वृष राशि वालों आज आपका मन घर और ऑफिस की दुनिया से बाहर निकलकर प्रकृति का आनंद लेने का करेगा। पुरानी बहुमूल्य चीजों के मोल भाव पर आज आपको लाभ होगा। अपने अधूरे कामों को पूरा करने के लिए भी आज का दिन अच्छा है।

मिथुन राशि: बिजनेस में वृद्धि के बन रहे योग मिथुन राशि वालों आज आपका दिन खुशियों से भरा रहेगा। आज आपका मन नए काम करने में लग सकता है। बिजनेस में वृद्धि होने के योग बन रहे हैं। आज अपने कामकाज को पूरी सावधानी से करें। साथ ही अपने काम में दूसरों की मदद भी लें।

कर्क राशि: जॉब बदलने का बना सकते हैं मन कर्क राशि वालों के लिए आज का दिन ठीक ठाक रहने वाला है। आज अपनी सोच को सकारात्मक रखें और नकारात्मक चीजों को अपने ऊपर हावी न होने दें। आज आप जॉब स्विच करने का मन बना सकते हैं, लेकिन आपको अच्छे ऑप्शन देखकर ही कदम आगे बढ़ाना चाहिए।

सिंह राशि: करियर को लेकर मन में रहेगी दुविधा सिंह राशि वालों के लिए आज का दिन सामान्य रहेगा। आज जिससे भी मिलेंगे, वह व्यक्ति आपसे प्रभावित होगा। बिजनेस में परिवार से कुछ सहयोग मिल सकता है। वर्कप्लेस पर अपनी वाणी पर संयम बनाए रखें, आपके लिए अच्छा होगा।

कन्या राशि: निवेश से जुड़े मिल सकते हैं बेहतर मौके कन्या राशि वालों के लिए आज का दिन व्यापारिक दृष्टि से फायदेमंद रहेगा। निवेश से जुड़े कुछ बेहतर मौके मिल सकते हैं। आज नए विचार आपके सामने आते रहेंगे। आज योजना बनाने और फैसला लेने के लिए दिन बहुत अच्छा है। आज आप पूरा ध्यान अपनी जिम्मेदारियों पर बनाए रखेंगे। हर काम जोश से पूरा करने की कोशिश करेंगे। आपकी कोशिशें जल्द ही रंग लाएंगी।

तुला राशि: संगीत जगत वालों को मिल सकते हैं ऑफर तुला राशि वालों आज आपके मन में नए-नए विचार आएंगे। आज आप कुछ ज्यादा ही जोश में रहेंगे। आपके बनाए प्लान में नया बदलाव हो सकता है। आप किसी क्राफ्ट एग्जीबिशन में मित्रों के साथ जा सकते हैं।

वृश्चिक राशि: प्रॉपर्टी में निवेश के लिए अच्छा दिन वृश्चिक राशि वालों आज प्रॉपर्टी में निवेश के लिए दिन अच्छा रहेगा। बड़े बुजुर्गों की सलाह आपके लिए लाभकारी सिद्ध होगी। धन लाभ के योग बन रहे हैं। समाज कल्याण की तरफ भी आपका रुझान होगा।

धनु राशि: धार्मिक यात्रा पर जाने के बन रहे योग धनु राशि वालों आज आपका रुझान अध्यात्म की तरफ ज्यादा रहेगा। आप किसी धार्मिक यात्रा पर जा सकते हैं। राजनीतिक कार्यों में भी आपकी रुचि बढ़ेगी। आपके काम सफल होंगे। आज पड़ोसियों के बीच आपका मान सम्मान बढ़ेगा। शिक्षा प्रतियोगिता में आपको सफलता मिलेगी।

मकर राशि: सैलरी में हो सकती है बढ़ोतरी मकर राशि वालों आज कार्य स्थल पर वरिष्ठ अधिकारी आपके काम की तारीफ कर सकते हैं। आपकी सैलरी में बढ़ोतरी भी हो सकती है, जिससे आपका आज का दिन अच्छा रहेगा। अपने सीनियर्स के प्रति अच्छा व्यवहार बनाए रखें।

कुंभ राशि: बिजनेस में बढ़ोतरी के लिए सही समय कुंभ राशि वालों आज का दिन आपके लिए उत्तम रहेगा। आज सामाजिक कार्यों में अपना योगदान देंगे। कार्यक्षेत्र में उम्मीद के अनुसार कामयाबी हासिल होगी। आज आपकी मुलाकात अपने बेस्ट फ्रेंड से हो सकती है।

मीन राशि: आय के नए अवसर मिलने की संभावना मीन राशि वालों आज का दिन आपके लिए उत्साहपूर्ण रहेगा। आज कार्यों में तरक्की बनी रहेगी। साथ ही आप मांगलिक कार्य भी कर सकते हैं। आज मित्रों की सहायता से आपको आय के अवसर मिलेंगे, जिनसे आप लाभ कमाकर आर्थिक स्थिति को मजबूत बनाएंगे। दोस्तों के साथ बाहर मौसम का लुत्फ उठा सकते हैं। आज नए लोगों के साथ संपर्क बनेंगे।

घर बसाने की रस्में बहुत, घर बचाने की शिक्षा कहां?

[बिखरते रिश्तों के दौर में विवाह की नई पाठशाला] [कुंडली के गुण मिले, क्या स्वभाव और संस्कार भी मिले ?

आरके जैन अरिजीत

हमारे समाज में शादी की हर तैयारी होती है, बस शादी निभाने की नहीं। दूल्हे के सेहरे, दुल्हन के लहंगे, बरात की गाड़ियों और पकवानों की फेहरिस्त महीनों पहले तैयार हो जाती है। मगर जिन दो लोगों को पूरी जिंदगी साथ बितानी है, उनके स्वभाव, आदतों और अपेक्षाओं का मेल कैसा होगा, इस पर शायद ही कोई गंभीरता से सोचता है। शादी के दिन चेहरे मुस्कराते रहें, इसकी चिंता सबको होती है; लेकिन शादी के बाद उन चेहरों पर मुस्कान कैसे बनी रहेगी, यह सवाल अनुत्तरित रह जाता है। इसी विडंबना के बीच गोवा के एक कॉलेज ने विवाह से पहले 15 दिवसीय सर्टिफिकेट कोर्स शुरू करने की पहल की है। यह अनूठा प्रयास केवल एक पाठ्यक्रम नहीं, बल्कि विवाह और रिश्तों को लेकर हमारी सोच पर गंभीर सवाल है। गोवा के होम साइंस कॉलेज में दिसंबर से शुरू होने वाला 'मैरिज रेडीनेस' पाठ्यक्रम युवाओं को विवाह के लिए मानसिक और व्यावहारिक रूप से तैयार करेगा। पहली नजर में सवाल उठता है—क्या अब शादी के लिए भी डिग्री चाहिए? नौकरी, कारोबार और वाहन चलाने के लिए हम प्रशिक्षण लेते हैं, लेकिन जीवनभर साथ निभाने वाले रिश्ते के लिए कोई तैयारी नहीं करते। विवाह केवल मंडप, मेहंदी और तस्वीरों का उत्सव नहीं, बल्कि स्वयं को समझने, साथी को जानने और जिम्मेदारियां निभाने का नाम है। कॉलेज के ब्रोशर में भी सवाल है—करियर के लिए बीस साल लगाने वाले लोग विवाह की तैयारी के लिए कुछ दिन क्यों नहीं निकाल सकते? यह सवाल हमारी सोच की बड़ी कमी उजागर करता है।विवाह टूटने का एक कारण यह भी है कि हम जीवनसाथी चुनते समय उसकी कमाई और परिवार की हैसियत देखते हैं, स्वभाव और व्यवहार नहीं। कुंडली के गुण मिलाते हैं, लेकिन गुस्से, धैर्य, अपेक्षाओं और विचारों पर ध्यान नहीं देते। बाद में यही अनदेखी विवाद बन जाती है। गोवा में 2022 से 2025 के बीच तीन हजार से अधिक विवाह और तलाक संबंधी याचिकाएँ सिविल अदालतों में दर्ज हुईं, जिनमें अकेले 2024 में 947 मामले शामिल हैं। तलाक के मामलों में कमी लाने के लिए राज्य सरकार भी विवाह-पूर्व परामर्श की जरूरत जता चुकी है। कॉलेज का यह पाठ्यक्रम इसी दिशा में पहल है। अदालतों में विवाद पहुंचने के बाद रिश्ते सुधारने से बेहतर है कि विवाह से पहले ही संभावित टकराव के कारण समझ लिए जाएं। आज रिश्ते बनाना आसान हुआ है, निभाना नहीं। डेटिंग ऐप पर स्वाइप से परिचय, सोशल मीडिया पर बातचीत और कुछ मुलाकातों में भविष्य के सपने सजने लगते हैं। लेकिन तस्वीर पसंद करना और जीवन की जिम्मेदारियां साझा करना अलग बातें हैं। इसलिए पाठ्यक्रम में डेटिंग का अर्थ, पुरुषत्व और स्त्रीत्व की धारणाओं का रिश्तों पर प्रभाव तथा शादी और विवाह के अंतर जैसे विषय शामिल हैं। युवा समानता की बात करते हैं, पर व्यवहार में पुरानी सोच और अपेक्षाएं बनी रहती हैं। पति से कमाने और पत्नी से घर संभालने की उम्मीदें तब टकराती हैं, जब दोनों समान अधिकार और स्वतंत्रता चाहते हैं। विवाह को मालिक-सेवक का संबंध नहीं, बल्कि दो बराबर व्यक्तियों की साझेदारी मानना जरूरी है।विवाह की असली परीक्षा कुछ दिन बाद रसोई से शुरू होती है। दोनों नौकरी करते हैं, थककर लौटते हैं और घर व बच्चों की जिम्मेदारियां सामने होती हैं। खाना कौन बनाएगा, बच्चों को कौन संभालेगा, खर्च-बचत कैसे होगी और बुजुर्गों की देखभाल कौन करेगा? इन सवालों पर पहले बात न हो, तो घर शिकायतों का अड्डा बन जाता है। इसलिए आत्म-जागरूकता जरूरी है। अपनी कमजोरियों, जरूरतों और अपेक्षाओं को समझे बिना व्यक्ति साथी से समझदारी की उम्मीद करता है और उसके न बदलने की शिकायत करता है। जबकि कई बार साथी नहीं, हमारी समझ अधूरी होती है। प्रेम के साथ एक-दूसरे की थकान, परेशानी और भावनाओं को समझना भी जरूरी है।प्रेम पंद्रह दिन की कक्षा में नहीं सिखाया जा सकता। कोई पाठ्यक्रम न प्रेम पैदा कर सकता है, न सफल विवाह की गारंटी दे सकता है। लेकिन धैर्य, संवाद और जिम्मेदारी सीखी जा सकती है। खिलाड़ी हर मैच नहीं जीतता, विद्यार्थी हर परीक्षा में सफल नहीं होता, फिर भी अभ्यास और तैयारी नहीं छोड़ता। विवाह में भी माफी मांगना, गलती स्वीकारना, असहमति का सम्मान करना और जरूरत पर समझौता करना जरूरी है। स्नातक-स्नातकोत्तर विद्यार्थियों और अविवाहित युवाओं के लिए यह पाठ्यक्रम विवाह से पहले ही उन्हें संभावित उलझनों के प्रति सजग बनाने का प्रयास है। इसका उद्देश्य प्रमाणपत्र नहीं, रिश्तों की व्यवहारिक समझ विकसित करना है। समाज का बदलता ढांचा भी ऐसी पहल की जरूरत बताता है। संयुक्त परिवार टूटकर छोटे परिवारों में सिमट रहे हैं और शिक्षा-रोजगार के लिए युवा घरों से दूर बस रहे हैं। पहले बुजुर्ग अपने अनुभव से रिश्तों की उलझनें सुलझाते थे, अब युवाओं को फोन पर माता-पिता और सीमित अनुभव वाले दोस्तों की सलाह मिलती है। ऐसे में रिश्तों की व्यवस्थित शिक्षा उपयोगी हो सकती है। स्वयं को समझना, भावनाओं का सम्मान करना, माफी मांगना और मतभेद बातचीत से सुलझाना हर रिश्ते के लिए जरूरी है। शिक्षा में नौकरी-कमाई पर जोर है, लेकिन भावनात्मक परिपक्वता पर कम चर्चा होती है। स्कूलों में यौन शिक्षा के साथ स्वस्थ रिश्तों और जिम्मेदार साझेदारी की समझ भी विकसित की जानी चाहिए।गोवा की यह पहल दूसरे राज्यों के लिए भी मिसाल बन सकती है। विवाह की तैयारी में कुंडली, खरीदारी, दहेज और समारोह पर ध्यान दिया जाता है, लेकिन जीवनसाथी के स्वभाव, विचारों, आर्थिक सोच और अपेक्षाओं को समझना भी जरूरी है। पंद्रह दिन का पाठ्यक्रम सफल विवाह की गारंटी नहीं, पर रिश्तों की समझ जरूर बढ़ा सकता है। विवाह विश्वास, प्रेम, धैर्य और आपसी व्यवहार से टिकता है। यदि युवा इसकी मदद से विवाह से पहले जिम्मेदारियों और अपेक्षाओं पर खुलकर बात करना सीखें, तो यही इसकी सफलता होगी। क्योंकि शादी एक दिन का आयोजन है, लेकिन विवाह जीवनभर की साझेदारी। सात फेरों के वचन तभी सार्थक हैं, जब वे रस्मों में नहीं, रोजमर्रा के व्यवहार में दिखाई दें।

K K

राष्ट्रीय समाचार



शुक्रवार 06 नवम्बर 2026, नर्मदापुरम् (होशंगाबाद)

दैनिक क्षितिज किरण 5

गंगनानी में इनोवा कार नदी में गिरी, चार लोगों के शव बरामद

उत्तरकाशी, (आरएनएस)। उत्तराखंड के उत्तरकाशी में गंगोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पर गंगनानी धर्मकुंड के समीप गुरुवार को एक भीषण सड़क हादसे में इनोवा कार सीधे नदी में जा गिरी। हादसे की सूचना मिलते ही क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार वाहन में सात लोग सवार थे। दुर्घटना के बाद नदी किनारे से चार लोगों के शव बरामद किए गए हैं, जबकि अन्य संभावित यात्रियों की तलाश के लिए नदी के तेज बहाव में व्यापक सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। हादसे की गंभीरता को देखते हुए जिला प्रशासन, पुलिस, एसडीआरएफ और आपातकालीन सेवाएं तत्काल सक्रिय हो गईं। जानकारी के अनुसार, गंगनानी धर्मकुंड से लगभग 20 मीटर आगे डबरानी की ओर इनोवा कार अनियंत्रित होकर नदी में गिर गई। घटना की सूचना डेल्टा के माध्यम से प्राप्त होते ही स्थानीय पुलिस, एसडीआरएफ और 108 आपातकालीन सेवा की टीमें घटनास्थल के लिए रवाना हुईं। जिलाधिकारी प्रशांत आर्य के निर्देशों पर राहत व बचाव अभियान तत्काल शुरू कर दिया गया। नदी किनारे चार लोगों के शव मिलने के बाद मृतकों की पहचान की प्रक्रिया शुरू की जा रही है। वहीं वाहन में सवार अन्य लोगों की तलाश में जल पुलिस और गोताखोरों को लगाया गया है। नदी का तेज बहाव बचाव अभियान में चुनौती बना हुआ है। रेस्क्यू टीमें लगातार नदी में संभावित स्थानों पर खोजबीन कर रही हैं। हादसे में घायल व्यक्ति को मनेरी पुलिस की सहायता से सड़क तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है, ताकि उसे तत्काल चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जा सके। प्रशासन ने आपदा प्रबंधन केंद्र और चिकित्सा दल को हाई अलर्ट पर रखा है।

जिलाधिकारी प्रशांत आर्य पूरे घटनाक्रम की लगातार निगरानी कर रहे हैं। मौके पर मौजूद अधिकारियों को रेस्क्यू अभियान में तेजी लाने और प्रभावितों को हर संभव सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं। प्रशासन दुर्घटना में प्रभावित लोगों के परिजनों से संपर्क स्थापित करने का प्रयास कर रहा है। हादसे के कारणों की जांच भी की जा रही है।

जंतर मंतर प्रदर्शन : दिल्ली पुलिस ने सौरव दास और आशुतोष रांका को पूछताछ के लिए बुलाया

नई दिल्ली, (आरएनएस)। दिल्ली पुलिस ने जंतर-मंतर विरोध प्रदर्शन मामले के सिलसिले में कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के नेताओं सौरव दास और आशुतोष रांका को गुरुवार को पूछताछ के लिए बुलाया है। सीजेपी सदस्यों को दोपहर में राजौरी गार्डन स्थित दिल्ली पुलिस क्राइम ब्रांच कार्यालय में पेश होने के लिए कहा गया है। इससे पहले अक्टूबर में भी दिल्ली पुलिस ने दास और रांका को समन भेजा था। हालांकि, वे समन पर पेश नहीं हुए और बाद में पूछताछ के लिए क्राइम ब्रांच के सामने हाजिर होने के लिए और समय मांगा। सीजेपी नेताओं के खिलाफ विरोध-प्रदर्शन से जुड़े मामले अक्टूबर में क्राइम ब्रांच को सौंप दिए गए थे। ये मामले 13 अक्टूबर की उस घटना से जुड़े हैं, जब दास, रांका और अजिंक्य शिंदे 11 अन्य लोगों के साथ जंतर-मंतर में घुस गए थे। जंतर-मंतर को अब विरोध-प्रदर्शन के लिए निर्धारित जगह के रूप में हटा दिया गया है। दिल्ली पुलिस ने इन सभी को हिरासत में ले लिया था। शिंदे को तो जमानत बॉन्ड पर रिहा कर दिया गया लेकिन सौरव दास और रांका एक सप्ताह तक न्यायिक हिरासत में रहे।सीजेपी सदस्य मतदाता सूची के स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) में कथित अनियमितताओं के खिलाफ विरोध कर रहे थे और उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार के खिलाफ नारे भी लगाए।

पश्चिमी विक्षोभ से देशभर के मौसम में बदलाव की संभावना, प्रदूषण की स्थिति अब भी गंभीर



नई दिल्ली,(आरएनएस)। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, दिल्ली, पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश समेत उत्तर भारत में एक नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हो गया है, जिसके प्रभाव से अगले सप्ताह दिल्ली-एनसीआर के मौसम में एक बार फिर बदलाव देखने को मिल सकता है। यह मौसम प्रणाली कई उत्तरी राज्यों के मौसम को प्रभावित कर सकती है, हालांकि मैदानी इलाकों पर इसका असर सीमित रहने की संभावना है।

पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश के पर्वतीय क्षेत्रों में कहीं-कहीं हल्की बारिश और बर्फबारी हो सकती है।हालांकि, मैदानी क्षेत्रों में 8 नवंबर तक बारिश की संभावना नहीं है और अधिकांश हिस्सों में मौसम शुष्क बने रहने की उम्मीद है।

इस बीच, दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण गंभीर चिंता का विषय बना हुआ है। कई शहरों में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) खतरनाक स्तर तक पहुंच गया है। दिल्ली में एक्यूआई 463 दर्ज किया गया जबकि नोएडा में यह 456 और ग्रेटर नोएडा में 426 रहा। गुरुग्राम और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के अन्य प्रमुख शहरों में भी प्रदूषण की स्थिति गंभीर बनी हुई है, जहां एक्यूआई 400 के पार पहुंच गया है।मौसम से जुड़े एक अन्य घटनाक्रम में, बंगाल की खाड़ी में बना चक्रवात 'मुरासु' आंध्र प्रदेश तट को पार करने के बाद कमजोर पड़ गया है। हालांकि, इसके कमजोर होने के बावजूद दक्षिण भारत के कुछ हिस्सों, विशेषकर तमिलनाडु, कर्नाटक और केरल में 8 नवंबर तक बारिश की गतिविधियां जारी रहने की संभावना है। आईएमडी ने संकेत दिया है कि आने वाले दिनों में दिल्ली-एनसीआर का मौसम मुख्य रूप से साफ रहेगा और हवाएं चलती रहेंगी। दिल्ली में अधिकतम तापमान 27 से 30 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है जबकि न्यूनतम तापमान 14 से 18 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है। अगले सप्ताह तापमान में और गिरावट आने के साथ ठंड बढ़ने की उम्मीद है। इसके साथ ही सुबह के समय कोहरे में भी वृद्धि हो सकती है।वहीं, लक्षद्वीप, तटीय कर्नाटक और दक्षिणी तमिलनाडु के ऊपर सक्रिय चक्रवाती प्रणाली के कारण दक्षिण भारत के कुछ हिस्सों में वर्षा गतिविधियां जारी रहने की संभावना है।तमिलनाडु, पुडुचेरी, केरल, माहे और कराईकल में 8 नवंबर तक हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। जहां दक्षिणी राज्यों में बारिश का दौर जारी रहने की संभावना है, वहीं दिल्ली-एनसीआर सहित उत्तर भारत के मैदानी क्षेत्रों में 8 नवंबर तक मौसम मुख्य रूप से शुष्क बने रहने की उम्मीद है।

मोदी कैबिनेट विस्तार के संकेत, रामदास आठवले बोले- जल्द हो सकता है फेरबदल, नए चेहरों और सभी वर्गों को मिलेगी जगह



नई दिल्ली,(आरएनएस)। केंद्र की राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार में जल्द ही केंद्रीय मंत्रिमंडल के विस्तार और फेरबदल के प्रबल आसार नजर आ रहे हैं। एनडीए सरकार में केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री रामदास आठवले ने बुधवार को इसके स्पष्ट संकेत दिए हैं। उन्होंने बताया कि विभिन्न राजनीतिक और सामाजिक आंदोलनों के चलते पहले जो विस्तार संसद के शीतकालीन सत्र से ठीक पूर्व होना तय माना जा रहा था, उसमें थोड़ा विलंब जरूर हुआ है, लेकिन बहुत जल्द कैबिनेट विस्तार होने की पूरी संभावना है। इसके साथ ही आठवले ने महाराष्ट्र की सियासत को लेकर भी बड़ा बयान दिया और कहा कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता शरद पवार ने एनडीए में शामिल होने से पूरी तरह इनकार कर दिया है। केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले ने मंत्रिमंडल विस्तार पर स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा कि पहले शीतकालीन सत्र से पूर्व इसके होने की प्रबल संभावना थी, लेकिन मौजूदा राजनीतिक व सामाजिक परिस्थितियों और जारी आंदोलनों के चलते समयसीमा में थोड़ा फेरबदल हुआ है। उन्होंने कहा कि यह विस्तार अब सत्र से ठीक पहले हो पाता है या उसके तुरंत बाद, यह देखना होगा, लेकिन बहुत जल्द कैबिनेट का विस्तार निश्चित रूप से होगा। आठवले ने रेखांकित किया कि आगामी विस्तार में कई नए और ऊर्जावान चेहरों को केंद्रीय टीम में शामिल किया जा सकता है। इसके अलावा सामाजिक संतुलन को साधते हुए सभी जातियों और वर्गों को कैबिनेट में यथोचित प्रतिनिधित्व दिया जाएगा।

विदेश मंत्री जयशंकर ने गुयाना के राष्ट्रपति से मुलाकात की; 500 मिलियन डॉलर क्रेडिट लाइन विस्तार का ऐलान



नई दिल्ली, (आरएनएस)। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कॉमनवेल्थ हेड्स ऑफ गवर्नमेंट मीटिंग (सीएचओजीएम) 2026 के दौरान गुयाना के राष्ट्रपति इरफान अली से मुलाकात की। इस मौके पर दोनों देशों ने दक्षिण अमेरिकी देश के सार्वजनिक और रक्षा बुनियादी ढांचे के लिए 500 मिलियन डॉलर की लाइन ऑफ क्रेडिट (ऋण सुविधा) को बढ़ाने की घोषणा की। विदेश मंत्री जयशंकर ने एक्स पर कहा, गुयाना के राष्ट्रपति डॉ. इरफान अली से मिलकर खुशी हुई। 2024 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यात्रा के बाद हमने अपने द्विपक्षीय सहयोग में हुई निरंतर प्रगति की समीक्षा की। हमने सड़क, स्वास्थ्य और रक्षा परियोजनाओं के लिए 500 मिलियन अमेरिकी डॉलर की लाइन ऑफ क्रेडिट (ऋण सुविधा) बढ़ाने की घोषणा की है। उन्होंने आगे कहा, हमने एमएसई (सूक्ष्म और लघु उद्यम) विनिर्माण परियोजनाओं की आपूर्ति और स्थापना, क्विक इम्पैक्ट प्रोजेक्ट्स (त्वरित प्रभाव वाली परियोजनाओं) को लागू करने के लिए अनुदान सहायता, और डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर तथा गुयाना में यूपीआई जैसी प्रणाली के संचालन में सहयोग के लिए समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नवंबर 2024 में गुयाना की एक ऐतिहासिक राजकीय यात्रा की थी - जो 56 वर्षों में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की इस देश की पहली यात्रा थी।

प्रदर्शन का अधिकार दूसरे की आजीविका छीनने का लाइसेंस नहीं, कैट ने राहुल से पूछे सवाल, धिक्कार दिवस मनाने का ऐलान



नई दिल्ली (आरएनएस)। अखिल भारतीय व्यापारी परिसंघ (कैट) ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को एक पत्र लिखकर पिछले एक महीने से दिल्ली में राजनीतिक रैलियों, धरनों और प्रदर्शनों के कारण बार-बार बाधित हो रही व्यापारिक गतिविधियों पर देशभर के व्यापारियों की गहरी नाराजगी और पीड़ा व्यक्त की है। विशेष रूप से 1 नवंबर की रैली और पिछले एक महीने से विभिन्न संगठनों के प्रदर्शनों को कांग्रेस और अन्य राजनीतिक दलों की ओर से दिए जा रहे समर्थन पर कैट ने गंभीर सवाल उठाए हैं। कैट ने घोषणा की है कि वो राहुल गांधी के जवाब का इंतजार करेगा, लेकिन दिवाली के तुरंत बाद दिल्ली सहित देशभर के नेता दिल्ली में एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय बैठक कर इस मुद्दे पर अपनी रणनीति तय करेंगे, क्योंकि अब यह सिर्फ दिल्ली के व्यापारियों का मामला नहीं है। आज अगर दिल्ली में ऐसी स्थिति उत्पन्न हो सकती है, तो कल देश के किसी भी अन्य शहर में भी ऐसा हो सकता है। इसलिए यह एक गंभीर राष्ट्रीय मुद्दा बन चुका है और देश का व्यापारी इतना कमजोर नहीं है क वो इस प्रकार की स्थिति को अब बर्दाश्त करेगा। अब सबक सिखाने का समय आ गया है। कैट ने इस मुद्दे पर देश भर में धिक्कार दिवस मनाने की घोषणा की है जिसकी तारीख नई दिल्ली की बैठक में तय की जाएगी। पत्र में कैट के राष्ट्रीय अध्यक्ष बीसी भरतिया ने राहुल गांधी और कांग्रेस की राजनीतिक व नैतिक जिम्मेदारी पर सवाल उठाते हुए कहा कि उनके समर्थन से आयोजित प्रदर्शनों ने राष्ट्रीय राजधानी की आर्थिक गतिविधियों को बुरी तरह प्रभावित किया है, जबकि यह समय देश के लिए महत्वपूर्ण त्योहारी एवं विवाह खरीदारी का मौसम है। भरतिया ने कहा, राहुल गांधी एक साथ दो विरोधाभासी बातें नहीं कर सकते। एक ओर वे लोगों से स्थानीय बाजारों से खरीदारी करने की अपील करते हैं और दूसरी ओर ऐसे राजनीतिक कार्यक्रमों व प्रदर्शनों का समर्थन करते हैं, जिनके कारण ग्राहक उन्हीं बाजारों तक नहीं पहुंच पाते। यह केवल राजनीतिक विरोधाभास नहीं, बल्कि ऐसा दोहरा रवैया है जिससे सीधे तौर पर आम व्यापारियों की आजीविका प्रभावित होती है।

राजनीतिक नेताओं की ओर से संवैधानिक अधिकारों की चुनिंदा व्याख्या किए जाने पर कड़ी आपत्ति जताते हुए भरतिया ने कहा कि संविधान का अनुच्छेद 19(1)(ए) प्रत्येक नागरिक को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अधिकार देता है, वहीं अनुच्छेद 19(1)(जी) प्रत्येक नागरिक को कोई भी व्यवसाय, व्यापार अथवा पेशा करने का अधिकार भी सुनिश्चित करता है।

भरतिया ने तीखे शब्दों में कहा, क्या राहुल गांधी मानते हैं कि प्रदर्शन करने का अधिकार, व्यापार करने और आजीविका कमाने के अधिकार से बड़ा है? क्या संविधान का अनुच्छेद 19(1)(जी) केवल भाषण देने और किताबों में लिखने के लिए है, या यह उन करोड़ों छोटे व्यापारियों, दुकानदारों, रेहड़ी-पटरी वालों और कामगार परिवारों के अधिकारों की भी रक्षा करता है, जिनकी रोजी-रोटी उनकी दैनिक कमाई पर निर्भर है? राजनीतिक नेता संविधान के प्रावधानों का अपनी सुविधा के अनुसार इस्तेमाल करते हुए दूसरों के अधिकारों की अनदेखी नहीं कर सकते।



नई दिल्ली के चावड़ी बाजार के गली शीश महल में एक इमारत गिरने के बाद दिल्ली पुलिस, फायर डिपार्टमेंट और एनडीआरएफ के बचावकर्मी बचाव अभियान चला रहे हैं।

टाइगर श्रॉफ फायरिंग केस- बिश्नोई गैंग ने शूटरों तक पैसे पहुंचाने के लिए रिक्शाचालकों और दुकानदारों के खातों का किया इस्तेमाल

नई दिल्ली ,(आरएनएस)। अभिनेता टाइगर श्रॉफ की गाड़ी पर हुई फायरिंग के मामले में जांच कर रही मुंबई क्राइम ब्रांच को गैंग के वित्तीय नेटवर्क से जुड़ा एक चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। जांच में सामने आया है कि लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने मुंबई में मौजूद शूटरों तक पैसे पहुंचाने के लिए स्थानीय ऑटो-रिक्शा चालकों और छोटे दुकानदारों के बैंक खातों का इस्तेमाल किया। कमीशन का लालच देकर उनके यूपीआई क्यूआर कोड लिए जाते थे और फिर हरियाणा से इन खातों में पैसे ट्रांसफर कराए जाते थे। इस पूरे नेटवर्क के जरिए गैंग ने अपनी गतिविधियों को छिपाने और जांच एजेंसियों को गुमराह करने की कोशिश की। मुंबई क्राइम ब्रांच के मुताबिक, इस मनी ट्रेल में विदेश में बैठे गैंग के कथित मुख्य गुर्गे अनिल पंडित का नाम सामने आया है। आरोप है कि अनिल पंडित मुंबई में मौजूद शूटरों फूल सिंह, रेहान और ऋतिक को लगातार निर्देश देता था। उसके कहने पर शूटर स्थानीय रिक्शा चालकों और दुकानदारों से संपर्क करते थे और उन्हें खाते में पैसे मंगवाने के बदले कमीशन देने का लालच देते थे।जांच में सामने आया कि शूटर पहले रिक्शा चालकों और दुकानदारों से उनके यूपीआई क्यूआर कोड हासिल करते थे। इसके बाद इन कोड की तस्वीरें अनिल पंडित को भेजी जाती थीं। अनिल इन्हें अपने छोटे भाई अभिषेक पंडित तक पहुंचाता था। आरोप है कि अभिषेक के निर्देश पर उसकी पत्नी सुनेहा पंडित हरियाणा के करनाल से इन क्यूआर कोड को स्कैन कर रकम ट्रांसफर करती थी। इसके बाद मुंबई में मौजूद शूटर संबंधित व्यक्ति को कमीशन देकर बाकी रकम नकद ले लेते थे।

नौकरी छूटी और मैं पागल हो गया', पत्नी का कटा सिर गोद में रख मंदिर पहुंचे पति का खौफनाक कबूलनामा



कोलकाता (आरएनएस)। पश्चिम बंगाल के दक्षिण दिनाजपुर जिले से दिल दहला देने वाली सनसनीखेज वारदात सामने आई है। यहां बुधवार को एक पूर्व बस कंडक्टर ने घरेलू विवाद और मानसिक तनाव के बीच धारदार हथियार से अपनी पत्नी का सिर धड़ से अलग कर दिया। इसके बाद आरोपी अपनी पत्नी का कटा हुआ सिर गोद में रखकर अपने दोनों मासूम बच्चों के साथ पास के एक काली मंदिर में जाकर बैठ गया। उसके एक हाथ में खून से सना चाकू था। मंदिर परिसर में इस भयावह दृश्य को देखकर स्थानीय ग्रामीणों में चीख-पुकार मच गई और पूरे इलाके में भारी दहशत फैल गई।

मंदिर के भीतर गोद में कटा सिर और हाथ में चाकू देख कांप उठे लोग

यह रूह कंपा देने वाली घटना गंगारामपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत नारायणपुर वार्ड 4 स्थित स्थानीय काली मंदिर की है। आरोपी की पहचान रिंटू घोष के रूप में हुई है, जो पहले नॉर्थ बंगाल स्टेट ट्रांसपोर्ट कॉरपोरेशन (NBSTC) में बस कंडक्टर के पद पर कार्यरत था। घटना के समय जब स्थानीय श्रद्धालु और ग्रामीण मंदिर की तरफ पहुंचे, तो उन्होंने रिंटू घोष को वेदी के पास बैठे देखा। उसकी गोद में उसकी 35 वर्षीय पत्नी सीमा सरकार का कटा हुआ सिर पड़ा था और पास में ही उसके दोनों बेटे सहमे हुए बैठे थे। ग्रामीणों ने तुरंत इसकी सूचना गंगारामपुर थाना पुलिस को दी।

'नौकरी छूटने के बाद साइको हो गया': पुलिस हिरासत में आरोपी का कबूलनामा

सूचना मिलते ही गंगारामपुर पुलिस स्टेशन के इंस्पेक्टर-इन-चार्ज पूर्णेंदु कुंडू भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस टीम ने बेहद सूझबूझ से घेराबंदी कर आरोपी को मौके से दबोच लिया और धारदार हथियार जब्त कर लिया। महिला के धड़ को घर से बरामद कर शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया गया है। पुलिस वैन में बैठाए जाने के दौरान आरोपी रिंटू घोष ने मीडियाकर्मियों के सामने चिल्लाते हुए कहा कि NBSTC से नौकरी छीने जाने और लगातार पुलिस थानों के चक्कर काटने के बाद से उसका मानसिक संतुलन बिगड़ चुका था और वह पूरी तरह 'साइको' हो गया था।

बंगाल की नई औद्योगिक नीति होगी घोषित, ईज ऑफ डूइंग बिजनेस पर होगा जोर

कोलकाता (आरएनएस)। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी गुरुवार को राज्य सरकार की नई औद्योगिक नीति की घोषणा करेंगे। इस नीति में निवेश प्रस्तावों के लिए अनावश्यक सरकारी नियमों को हटाकर और त्वरित मंजूरी सुनिश्चित करके ईज ऑफ डूइंग बिजनेस (व्यापार करने में आसानी) पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। राज्य सचिवालय के अंदरूनी सूत्रों ने बताया कि इसमें निवेशकों के लिए राज्य की प्रोत्साहन नीति को फिर से शुरू करने के प्रस्ताव शामिल होंगे। ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली पिछली तृणमूल कांग्रेस सरकार के दौरान इस नीति को खत्म कर दिया गया था लेकिन अब इसे अधिक व्यवस्थित और व्यापक रूप में वापस लाया जाएगा। राज्य सचिवालय के एक सूत्र ने बताया, औद्योगिक नीति का यह मसौदा उन नीतियों के आधार पर तैयार किया गया है जिन्हें औद्योगिक रूप से विकसित राज्यों ने अपनाया है।राज्य मंत्रिमंडल ने 28 अक्टूबर को इस औद्योगिक नीति के मसौदे को मंजूरी दे दी। अब, राज्य सचिवालय नबन्ना में एक प्रशासनिक समीक्षा बैठक के बाद गुरुवार दोपहर को अंतिम औद्योगिक नीति की घोषणा की जाएगी।नई औद्योगिक नीति का मसौदा मंत्रियों के एक समूह द्वारा तैयार किया गया है। इसे बनाने की प्रक्रिया में उद्योगपतियों, उद्योग संघों और आर्थिक विशेषज्ञों से भी परामर्श लिया गया था।पश्चिम बंगाल औद्योगिक विकास निगम (डब्ल्यूबीआईडीसी) के सूत्रों ने बताया, राज्य सरकार चाहती थी कि नई औद्योगिक नीति अधिक व्यवस्थित और व्यापक हो। इसमें निवेशकों के हितों, रोजगार सृजन की संभावनाओं और अन्य हितधारकों (जैसे कि वे जमीन मालिक जिनकी जमीन औद्योगिक परियोजनाओं के लिए अधिग्रहित की जाएगी) के हितों के बीच संतुलन बनाने की कोशिश की गई है। इसी वजह



से, इस नीति की घोषणा की समय-सीमा को बार-बार आगे बढ़ाना पड़ा।शुरुआत में यह घोषणा की गई थी कि नई औद्योगिक नीति 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर जारी की जाएगी। हालांकि, ऐसा नहीं हो सका और इसकी समय-सीमा को बार-बार आगे बढ़ा दिया गया।आखिरकार 28 अक्टूबर को राज्य मंत्रिमंडल ने औद्योगिक नीति के मसौदे को मंजूरी दे दी और यह घोषणा की गई कि इस नीति को गुरुवार को औपचारिक रूप से पेश किया जाएगा।नई औद्योगिक नीति में निवेशकों के लिए प्रस्तावित प्रोत्साहनों के बारे में राज्य सचिवालय के सूत्रों ने बताया कि मुख्य जोर पिछड़े इलाकों में निवेश आकर्षित करने पर होगा, ताकि वहां विकसित होने वाली औद्योगिक परियोजनाओं को उस क्षेत्र के सामाजिक-आर्थिक विकास से जोड़ा जा सके।राज्य सरकार के एक अधिकारी ने बताया, इन प्रोत्साहनों में कई चीजें शामिल हो सकती हैं, जैसे कि परियोजना के शुरुआती वर्षों में बिजली शुल्क में छूट, उद्यमी द्वारा लिए गए ऋण पर ब्याज का एक निश्चित हिस्सा राज्य सरकार द्वारा वहन करना, और कर्मचारियों के भविष्य निधि (पीएफ) में कंपनी के योगदान की प्रतिपूर्ति करना।इस साल मई में पश्चिम बंगाल के नौवें मुख्यमंत्री के रूप में कार्यभार संभालने के बाद सुवेंदु अधिकारी ने घोषणा की थी कि राज्य में बड़े निवेश को बढ़ावा देने के लिए इसी साल एक व्यापक नई औद्योगिक नीति तैयार करके घोषित की जाएगी।

प्रवेश का आधार सिर्फ 12वीं के अंक हों, नीट को पूरी तरह खत्म करें', तमिलनाडु सरकार ने दोहराई मांग

चेन्नई, (आरएनएस)। तमिलनाडु की वर्तमान टीवीके सरकार ने मेडिकल पाठ्यक्रमों व अन्य उच्च शिक्षा कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए नीट और ऐसी ही अन्य परीक्षाओं को पूरी तरह से समाप्त करने की मांग दोहराई है। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) ने बुधवार को बताया कि सरकार ने केंद्र सरकार की टीम के सामने नीट और ऐसी ही अन्य परीक्षाओं को पूरी तरह से समाप्त करने की सिफारिश की।तमिलनाडु सीएमओ के अनुसार, बुधवार को चेन्नई स्थित सचिवालय में मुख्यमंत्री जोसेफ विजय से नंदन नीलेकणि की अध्यक्षता वाली केंद्र सरकार की 'परीक्षा सुधार उच्च-स्तरीय कार्य बल' समिति के सदस्यों ने मुलाकात की। बैठक के दौरान सरकार ने उच्च शिक्षा पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए नीट या इसी तरह की अन्य परीक्षाओं के आयोजन के खिलाफ अपना रुख स्पष्ट किया है।मुख्यमंत्री कार्यालय ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में लिखा, इस बैठक के दौरान, तमिलनाडु सरकार की ओर से उच्च शिक्षा में प्रवेश के लिए नीट या इसी तरह की अन्य परीक्षाओं के आयोजन पर विरोध जताया गया। इसके बजाय, सरकार ने इस बात पर जोर दिया कि प्रवेश का आधार केवल 12वीं कक्षा के अंक होने चाहिए।

ट्रंप ने मध्यावधि चुनाव में हार के बाद अपने खिलाफ महाभियोग की संभावना को खारिज किया

वाशिंगटन (आरएनएस)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मध्यावधि चुनाव में अपनी रिपब्लिकन पार्टी को मिली बड़ी हार के बाद महाभियोग की संभावनाओं को खारिज कर दिया है। उनसे पत्रकारों ने पूछा था कि क्या उनको महाभियोग की चिंता है। इस पर ट्रंप ने कहा कि उन्होंने इसको लेकर जरा भी चिंता नहीं है और अगर उन्होंने ऐसा किया तो इससे डेमोक्रेटिक पार्टी खत्म हो जाएगी। ट्रंप ने आगे कहा कि महाभियोग के लिए कोई कारण नहीं है।

ट्रंप ने अपने काम का बचाव करते हुए दावा किया कि अमेरिका अपने इतिहास में किसी भी समय की तुलना में अब ज्यादा सफल है।

उन्होंने कहा, मैं शायद डेमोक्रेट्स के साथ मिल-जुलकर रहूंगा, जब तक कि वे नुकसान पहुंचाना न चाहें, लेकिन मेरे पास वीटो की पावर है।

ट्रंप ने यह बात तब कही जब चुनावों में डेमोक्रेट्स ने सीनेट और हाउस ऑफ़ रिप्रेजेंटेटिव्स दोनों पर नियंत्रण हासिल कर लिया है।

उन्होंने रिपब्लिकन राज्यों में भी सीटें जीती हैं।

इस राजनीतिक झटके ने ट्रंप सरकार के काम के तरीके पर सवाल खड़े कर दिए हैं। खासकर ईरान के साथ अमेरिका और इजरायल का युद्ध अमेरिकी वोटरों के बीच नापसंद मुद्दा बन गया।

व्हाइट हाउस ने भी चुनाव नतीजे देखने के बाद माना कि लोगों को ईरान के साथ अमेरिका और इजरायल का युद्ध नापसंद है।

कुछ रिपब्लिकन स्ट्रेटजिस्ट ने ट्रंप प्रशासन से कहा है कि वह इस झगड़े को खत्म करे और अपना ध्यान महंगाई कम करने पर लगाए।

ट्रंप के समर्थन में मस्क ने खर्च किए 50 करोड़ डॉलर, फिर भी रिपब्लिकन उम्मीदवारों को मिली करारी हार

वाशिंगटन (आरएनएस)। अमेरिका के मध्यावधि चुनाव में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवारों को जीत दिलाने के लिए दुनिया के सबसे अमीर उद्योगपतियों में शामिल एलन मस्क ने पानी की तरह पैसा बहाया। इसके बावजूद चुनावी नतीजे उनकी उम्मीदों के विपरीत रहे और कई राज्यों में डेमोक्रेटिक उम्मीदवारों ने जीत दर्ज कर उन्हें बड़ा राजनीतिक झटका दिया। रिपोर्ट के मुताबिक, टेस्ला के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) मस्क ने रिपब्लिकन उम्मीदवारों के समर्थन में करीब 50 करोड़ डॉलर (लगभग 4,700 करोड़ रुपये) खर्च किए थे।

मस्क ने सबसे अधिक रकम टेक्सास में खर्च की, जिसे वह अपना गृह राज्य मानते हैं। उन्होंने यहां करीब 22.5 करोड़ डॉलर (लगभग 2,140 करोड़ रुपये) चुनाव प्रचार और रिपब्लिकन उम्मीदवारों के समर्थन में लगाए। इसके बावजूद टेक्सास में रिपब्लिकन को बड़ा झटका लगा। सीनेट की एक सीट और गवर्नर पद पर डेमोक्रेटिक उम्मीदवारों ने बड़े अंतर से जीत दर्ज की। इसके अलावा प्रतिनिधि सभा और राज्य विधानसभाओं की कई सीटों पर भी मस्क के समर्थन वाले उम्मीदवारों को हार का सामना करना पड़ा। मस्क ने देशभर में कई राजनीतिक कार्रवाई समितियों और प्रमुख रिपब्लिकन उम्मीदवारों को आर्थिक मदद दी थी। उन्होंने सीनेट और प्रतिनिधि सभा की कुल 106 सीटों पर रिपब्लिकन उम्मीदवारों का समर्थन किया। अब तक सामने आए नतीजों के मुताबिक, इनमें से केवल 18 उम्मीदवार ही जीत दर्ज कर पाए, जबकि 45 को हार का सामना करना पड़ा। कुछ सीटों पर चुनाव परिणाम आना अभी बाकी है। रिपोर्ट के अनुसार, मस्क इस चुनाव में सबसे बड़े व्यक्तिगत दानदाता रहे। उन्होंने दूसरे सबसे बड़े दानदाता की तुलना में करीब तीन गुना अधिक रकम खर्च की।

हवा में सनसनी: यूरोप में 7 विमानों को बम से उड़ाने की धमकी, कई फ्लाइट्स का रास्ता बदला

नई दिल्ली (आरएनएस)। यूरोप के कई देशों में गुरुवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब अलग-अलग एयरलाइंस के 7 विमानों को बम से उड़ाने की धमकियां मिलीं। धमकी मिलने वाले विमानों में फिनलैंड, इटली, फ्रांस, चेक गणराज्य और बुल्गारिया से जुड़ी उड़ानें शामिल थीं। सुरक्षा एजेंसियों ने तत्काल कार्रवाई करते हुए कई विमानों का रूट बदल दिया, जबकि कुछ को फाइटर जेट की सुरक्षा में एयरपोर्ट पर उतारा गया। हालांकि, अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि इन धमकियों के पीछे कौन था। गौरतलब है कि दो दिन पहले भी यूरोप में करीब 10 विमानों को इसी तरह की धमकियां मिली थीं, लेकिन जांच में वे सभी फर्जी साबित हुई थीं।

आयरलैंड से इटली जा रही फ्लाइट को फ्रांस में उतारा

बम की धमकी मिलने के बाद आयरलैंड से इटली जा रही एर लिंगस एयरलाइन की एक फ्लाइट को फ्रांस की ओर डायवर्ट करना पड़ा। फ्रांस की वायुसेना ने विमान की सुरक्षा के लिए फाइटर जेट तैनात किए और उसे नॉर्मंडी स्थित एब्रू सैन्य एयरबेस पर सुरक्षित उतारा गया। फ्रांस के प्रधानमंत्री सेबेस्टियन लेकॉर्नू के कार्यालय के अनुसार, विमान में 151 यात्री और 6 क्रू मेंबर सवार थे। सभी को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। इसके बाद बम निरोधक दस्ते ने विमान की गहन तलाशी शुरू की।



फिनलैंड और पोलैंड की उड़ानों को भी मिली धमकी

हेलसिंकी से रोम जा रही फिनएयर की फ्लाइट को धमकी मिलने के बाद इतालवी फाइटर जेट की निगरानी में रोम पहुंचाया गया। एयरपोर्ट पर बम निरोधक विशेषज्ञों ने विमान की जांच की। इसी तरह हेलसिंकी से वियना जा रही जेटटाइम की एक उड़ान को भी धमकी मिली, जिसके बाद उसका मार्ग बदलकर ऑस्ट्रिया की राजधानी में सुरक्षित लैंडिंग कराई गई। वहीं, मिलान से वॉरसॉ जा रही विज एयर की फ्लाइट को भी बम की धमकी मिलने के बाद वियना डायवर्ट किया गया।

बुल्गारिया और चेक गणराज्य में भी बढ़ाई गई सुरक्षा

बुल्गारिया की राजधानी सोफिया जा रही रयानएयर की तीन उड़ानों को बम से उड़ाने की धमकी मिली। इनमें से दो विमान कोपेनहेगन और मैड्रिड से आ रहे थे। दोनों को सोफिया एयरपोर्ट पर सुरक्षित उतार लिया गया, जबकि लंदन से आने वाली तीसरी फ्लाइट को डायवर्ट कर बुल्गारिया के दूसरे सबसे बड़े शहर प्लोवदिव में उतारा गया। इसके अलावा चेक गणराज्य की राजधानी प्राग जाने वाली चार उड़ानों को भी बम की धमकी मिलने की सूचना सामने आई। इसके बाद एयरपोर्ट प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था कड़ी करते हुए विमानों की आपातकालीन लैंडिंग के लिए तैयारियां शुरू कर दीं।

अमेरिका ने भारतीय दंपति समेत तुर्की कारोबारियों पर प्रतिबंध लगाया, ईरान की मदद करने का आरोप

वाशिंगटन (ए.)। अमेरिका ने एक भारतीय कारोबारी दंपति और उनकी कंपनियों पर प्रतिबंध लगाया है। साथ ही, तुर्की के कारोबारियों को भी प्रतिबंधित किया गया है। अमेरिका ने इन कंपनियों पर ईरान को उसके तेल निर्यात पर लगे अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंध से बचने के लिए फर्जी समुद्री पंजीकरण के जरिए मदद करने का आरोप लगाया है। अमेरिकी वित्त विभाग ने बताया कि दंपति चंडीगढ़ के रहने वाले सुनील कुमार शर्मा और उनकी पत्नी जसप्रीत प्रीति शाहिद हैं।

अमेरिकी वित्त विभाग का आरोप है कि दंपति एक ऐसा नेटवर्क चलाते थे जो ईरानी पेट्रोलियम ले जाने वाले जहाजों को गलत शिप रजिस्ट्रेशन और सर्टिफिकेशन देता था।उनके अलावा, 2 और भारतीय नागरिकों, अश्विनी कुमार धीमान और इशविंदर सिंह पर भी दंपति से जुड़े कारोबार के निदेशक के तौर पर उनकी कथित भूमिका के लिए सजा दी गई है।

इस कार्रवाई में भारत से जुड़ी 9 कंपनियों का नाम शामिल है।

होर्मुज में समुद्री बारूदी सुरंग से टकराए दो टैंकर और एक टगबोट, लगी आग



तेहरान(आरएनएस)। ईरान ने गुरुवार को दावा किया कि स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से गुजर रहे दो टैंकर्स और एक टगबोट में आग लग गई। उनके मुताबिक ये अनधिकृत रास्ते से निकलने की कोशिश कर रहे थे और इसी दौरान बारूदी सुरंग से टकरा गए जिससे आग लग गई। इसी बीच, ईरान की इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर यूनिट्स ने अमेरिका के दो लुकास ड्रोन को अपने कब्जे में लेने का दावा भी किया है। ईरान की अर्ध-सरकारी न्यूज एजेंसी फार्स ने इस्लामिक रिवोल्यूशन गार्ड्स कॉर्प्स (आईआरजीसी) के हवाले से ये जानकारी साझा की। आईआरजीसी के अनुसार, एक अनधिकृत रास्ते से गुजरने की कोशिश के दौरान होर्मुज स्ट्रेट में दो तेल टैंकरों और एक टगबोट में आग लग गई।आईआरजीसी के बयान अनुसार, बुधवार रात होर्मुज स्ट्रेट के दक्षिणी रास्ते से गुजरते समय एक बड़ा तेल टैंकर बारूदी सुरंग (माइन) से टकरा गया, जिससे उसमें आग लग गई। वहीं, एक दूसरा सुपरटैंकर जलमार्ग के पूर्वी हिस्से से बाहर निकलते समय आग की चपेट में आ गया, और आग बुझाने के लिए भेजी गई एक टगबोट भी बाद में जलने लगी।बयान में कहा गया है कि अमेरिका द्वारा जहाजों को बारूदी सुरंगों वाले रास्तों से ले जाने की जिद के कारण, अमेरिकी करदाताओं और क्षेत्रीय सहयोगियों को भारी वित्तीय नुकसान उठाना पड़ रहा है और बीमा का खर्च भी बढ़ रहा है। वहीं, आईआरजीसी की नौसैनिक इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर यूनिट्स ने दावा किया कि उनके वायुक्षेत्र में घुसे दो अमेरिकी लुकास ड्रोन को उन्होंने अपने नियंत्रण में ले लिया। इससे पहले बुधवार को भी नौसैनिक यूनिट ने अमेरिकी ड्रोन को मार गिराने की बात कही थी। बयान के अनुसार, आईआरजीसी ने होर्मुज स्ट्रेट में केशम द्वीप के ऊपर एक यूएस एमक्यू-1 ड्रोन को इंटरसेप्ट करके नष्ट कर दिया। यह ईरानी एयर डिफेंस द्वारा गिराया गया अपनी तरह का 15वां एयरक्राफ्ट है।

पाक अधिकृत कश्मीर में पाकिस्तानी सेना की कार्रवाई, ड्रोन से घरों पर बरसाई गोलियां; 18 लोग घायल

इस्लामाबाद,(आरएनएस)। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में पाकिस्तानी सेना की कार्रवाई को लेकर तनाव बढ़ गया है। गुरुवार सुबह करीब पांच बजे रावलकोट के उमर फारूक चौक इलाके में कथित तौर पर ड्रोन के जरिए लोगों के घरों पर गोलियां बरसाई गईं। इस हमले में करीब 18 लोगों के घायल होने की खबर है। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है और स्थानीय लोग पाकिस्तानी सेना के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि पाकिस्तानी सेना जानबूझकर घरों और निहत्थे नागरिकों को निशाना बना रही है। प्रदर्शनकारियों के मुताबिक, हमले के दौरान बच्चों सहित आम नागरिकों पर भी गोलियां चलाई गईं। सोशल मीडिया पर प्रसारित हो रहे कई वीडियो में घरों में आग लगने और गोलीबारी की आवाजें सुनाई देने का दावा किया जा रहा है। हालांकि, इन वीडियो और हमले से जुड़ी खबरों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि पाकिस्तानी सेना ने उनके खिलाफ दमनकारी कार्रवाई शुरू कर दी है।

मनोरंजन

रजनीकांत की फिल्म 'धर्मन' में शामिल हुई श्रीलीला



दक्षिण भारतीय फिल्मों की लोकप्रिय अभिनेत्री श्रीलीला सुपरस्टार रजनीकांत की आगामी फिल्म 'धर्मन' में शामिल हो गई हैं। अश्वथ मारिमुथु के निर्देशन में बन रही इस फिल्म में पहली बार श्रीलीला और रजनीकांत की जोड़ी पर्दे पर नजर आएगी। फिल्म निर्माताओं ने कमल हासन के निर्माण संस्थान 'राज कमल फिल्म्स इंटरनेशनल' के माध्यम से एक विशेष घोषणा वीडियो जारी कर श्रीलीला का फिल्म में स्वागत किया है।

शिवकार्तिकेयन के साथ फिल्म 'पराशक्ति' के जरिए तमिल सिनेमा में कदम रखने के बाद श्रीलीला के पास कई बड़े प्रोजेक्ट हैं। वह धनुष और ममूटी की फिल्म 'ओम' के अलावा अजित कुमार की फिल्म 'डेयरडेविल' से भी जुड़ी हुई हैं। अब 'धर्मन' में उनकी एंट्री ने फिल्म को लेकर दर्शकों की उत्सुकता और बढ़ा दी है। फिल्म में पहले से ही दक्षिण भारतीय सिनेमा के कई चर्चित कलाकार शामिल हैं।

खबरों के मुताबिक, इस एक्शन प्रधान मनोरंजक फिल्म में रजनीकांत एक डॉक्टर की भूमिका निभाते नजर आएंगे। हालांकि, उनका यह किरदार पारंपरिक नायक की छवि से अलग होगा और उसके व्यक्तित्व में नकारात्मक पहलू भी देखने को मिलेंगे। फिल्म में सिमरन, नयनतारा, राशि खन्ना और योगी बाबू भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आएंगे।

इससे पहले निर्माताओं की ओर से जारी पोस्टरों में रजनीकांत के हाथों पर खून लगा हुआ दिखाया गया था, जिसने उनके किरदार को लेकर रहस्य और रोमांच बढ़ा दिया है। निर्माताओं ने उनके किरदार को 'केट्टा पैयन' यानी बुरा लड़का बताया है। यह नाम रजनीकांत की चर्चित फिल्म 'मुल्लुम मलारुम' में उनके लोकप्रिय किरदार की याद दिलाता है।फिल्म की कहानी और कलाकारों को लेकर सामने आ रही जानकारियों ने इसे लेकर दर्शकों के बीच उत्सुकता बढ़ा दी है। अब देखना दिलचस्प होगा कि रजनीकांत इस फिल्म में डॉक्टर के एक अलग और चुनौतीपूर्ण अवतार से दर्शकों को कितना प्रभावित कर पाते हैं।

श्रद्धा कपूर ने लगातार हो रही आलोचना के बीच ट्रोलर्स को दिया करारा जवाब

अभिनेत्री श्रद्धा कपूर ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर सवाल-जवाब के सेशन के दौरान फैंस से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने ऑनलाइन आलोचना और नकारात्मक टिप्पणियों पर अपनी राय रखी। श्रद्धा ने कहा कि वह ऐसे कमेंट्स का जवाब देने में समय गंवाने के बजाय अपने काम पर ध्यान देना पसंद करती हैं। उनका यह बयान ऐसे समय आया है, जब आगामी फिल्म ईथा में उनके मराठी लहजे और संवाद अदायगी को लेकर सोशल मीडिया पर आलोचना हो रही है। श्रद्धा से बातचीत के दौरान जब एक फैन ने पूछा कि वह आलोचनाओं से कैसे निपटती हैं, तो श्रद्धा ने कहा, सच कहूं तो, मैं आलोचनाओं को संभालती ही नहीं। इसमें संभालने जैसा है ही क्या? मैं तो अपना व्हाट्सएप भी ठीक से नहीं संभाल पाती हूं।



ओवन का इस्तेमाल करते समय न करें ये 5 गलतियां, खराब हो सकता है खाना



आजकल ओवन का इस्तेमाल खाना पकाने और बेकिंग के लिए किया जाता है। हालांकि, कई लोग इस उपकरण का सही तरीके से इस्तेमाल नहीं कर पाते, जिससे उनके व्यंजन सही नहीं बन पाते। इस लेख में हम कुछ ऐसी सामान्य गलतियों के बारे में बात करेंगे, जो लोग ओवन का इस्तेमाल करते समय कर देते हैं। इन गलतियों को जानकर आप अपने ओवन का बेहतर उपयोग कर सकते हैं और अपने व्यंजनों को सेहतमंद बना सकते हैं।

ओवन को पहले से गर्म न करना

ओवन को पहले से गर्म करना बहुत जरूरी है। अगर आप बिना गर्म किए ही ओवन में खाना डाल देते हैं तो आपका खाना ठीक से नहीं पकता।इससे न केवल आपका समय बर्बाद होता है, बल्कि आपका खाना भी खराब हो सकता है। इसलिए, हमेशा अपने ओवन को पहले से गर्म करें। इससे आपका खाना समान रूप से पकेगा और आपको अच्छे परिणाम मिलेंगे। यह आदत आपके बेकिंग और खाना पकाने के अनुभव को बेहतर बनाएगी।

सही तापमान का ध्यान न रखना

ओवन का तापमान बहुत अहम होता है। अगर आप सही तापमान पर ध्यान नहीं देते तो आपका खाना जल सकता है या ठीक से पक नहीं पाता।हर व्यंजन के लिए अलग-अलग तापमान की जरूरत होती है, इसलिए रेसिपी में दिए गए तापमान का पालन करें। अगर आपको किसी व्यंजन की रेसिपी याद नहीं आ रही हो तो ओवन में खाना पकाने से पहले उसे एक बार जरूर पढ़ें। इससे आपका खाना सही तरीके से बनेगा।

ओवन की ट्रे को सही तरह से न रखना

अक्सर लोग ओवन की ट्रे को सही तरह से नहीं रखते, जिससे खाना ठीक से पक नहीं पाता। ट्रे को हमेशा बीच में रखें, ताकि गर्म हवा चारों ओर समान रूप से फैले और आपका खाना अच्छे से पके।इसके अलावा ट्रे को बहुत ऊपर या नीचे न रखें, क्योंकि इससे भी खाना ठीक से नहीं पकेगा। सही जगह पर ट्रे रखने से आपका खाना हर बार सही बनेगा और ओवन का उपयोग करना भी आसान हो जाएगा।

बार-बार दरवाजा खोलना

ओवन का दरवाजा बार-बार खोलना एक बड़ी गलती हो सकती है। जब आप बार-बार दरवाजा खोलते हैं तो गर्म हवा बाहर निकल जाती है, जिससे खाना ठीक से नहीं पक पाता।इससे न केवल आपका समय बर्बाद होता है, बल्कि आपका खाना भी खराब हो सकता है। ओवन का दरवाजा तभी खोलें जब बहुत जरूरी हो, जैसे कि किसी व्यंजन को चेक करने के लिए।इससे आपका खाना सही तरीके से बनेगा और स्वादिष्ट भी होगा।

सफाई पर ध्यान न देना

ओवन की सफाई करना भी उतना ही जरूरी है, जितना कि उसका सही इस्तेमाल करना। समय-समय पर ओवन को साफ करते रहना चाहिए, ताकि उसमें जमी हुई गंदगी न रहे।

इससे न केवल आपका ओवन लंबे समय तक चलेगा, बल्कि आपका खाना भी बेहतर बनेगा। इन सरल टिप्स को अपनाकर आप अपने ओवन का बेहतर उपयोग कर सकते हैं और अपने व्यंजनों को सही बना सकते हैं।

इन गलतियों को सुधारकर आप अपने किचन अनुभव को बेहतर बना सकते हैं।

सिरदर्द से परेशान हैं? जानिए कब होनी चाहिए डॉक्टर से मिलने की जरूरत



आमतौर पर सिरदर्द को सामान्य माना जाता है, लेकिन कुछ लक्षण ऐसे होते हैं, जो इसे गंभीर बना सकते हैं। कई लोग दर्द निवारक दवाओं का सेवन करके इसे नजरअंदाज कर देते हैं। इससे कई बार गंभीर समस्याएं हो सकती हैं। आइए आज हम आपको ऐसे 5 संकेत बताते हैं, जिनसे पता चल सकता है कि आपका सिरदर्द सामान्य नहीं है और आपको तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए।

अचानक से तेज सिरदर्द होना

अगर आपको अचानक से बहुत तेज सिरदर्द हो रहा है तो इसे नजरअंदाज न करें।

यह दिमाग के अंदर खून के थक्के बनने या अन्य गंभीर समस्याओं का संकेत हो सकता है। इस तरह के सिरदर्द को थंडर क्लैप हेडेक कहा जाता है और यह बहुत खतरनाक हो सकता है।ऐसे में तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें और जरूरी जांच करवाएं ताकि समय रहते समस्या का पता चल सके और सही इलाज मिल सके।

आंखों के पीछे दर्द होना

अगर आपको सिरदर्द के साथ-साथ आंखों के पीछे तेज दर्द हो रहा है तो इसे भी नजरअंदाज न करें।यह आंखों की किसी बीमारी का संकेत हो सकता है। इस स्थिति में आपको तुरंत डॉक्टर से मिलना चाहिए ताकि सही समय पर इलाज हो सके और आपकी आंखों की सेहत पर कोई बुरा असर न पड़े।समय रहते उपचार करने से समस्या का समाधान जल्दी हो सकता है।

ज्यादा उल्टी होना

अगर आपको सिरदर्द के साथ-साथ ज्यादा उल्टी हो रही है तो यह एक चिंताजनक स्थिति हो सकती है, खासकर अगर उल्टी लगातार हो रही हो और आपके पेट में दर्द भी हो रहा हो।

ऐसे में तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें ताकि सही कारण पता चल सके और उचित इलाज मिल सके।यह लक्षण दिमाग के अंदर कोई समस्या या संक्रमण का संकेत हो सकता है, जिसे नजरअंदाज करना खतरनाक हो सकता है।

बुखार होना

अगर आपको सिरदर्द के साथ बुखार भी हो रहा है तो इसे हल्के में न लें।

यह दिमाग की परतों के संक्रमण या अन्य गंभीर संक्रमण का संकेत हो सकता है। इस स्थिति में तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें ताकि सही समय पर इलाज हो सके और आपकी सेहत पर कोई बुरा असर न पड़े।समय रहते उपचार करने से समस्या का समाधान जल्दी हो सकता है और आपकी सेहत को भी सुधार सकता है।

गर्दन में अकड़न होना

अगर आपको सिरदर्द के साथ-साथ गर्दन में अकड़न भी महसूस हो रही हो तो इसे हल्के में न लें। यह दिमाग की परतों के संक्रमण या अन्य गंभीर समस्याओं का संकेत हो सकता है।इस स्थिति में तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें ताकि सही समय पर इलाज मिल सके और आपकी सेहत पर कोई बुरा असर न पड़े।

समय रहते उपचार करने से समस्या का समाधान जल्दी हो सकता है और आपकी सेहत को भी सुधार सकता है।



मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय बगिया में जशपुर जिले की चार बिहान दीदियों को ड्रोन पायलट प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूर्ण करने पर प्रमाणपत्र प्रदान किए।

छत्तीसगढ़ में मौसम का डबल असर, कहीं बारिश तो कहीं बढ़ेगी ठंड, 3 डिग्री तक गिरेगा पारा



रायपुर,(आरएनएस)। छत्तीसगढ़ में मौसम का मिजाज बदलने वाला है। चक्रवाती तूफान मुरासु के असर से गुरुवार को बस्तर संभाग के एक-दो स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। वहीं, अगले 24 घंटे में आसमान साफहोने के साथ न्यूनतम तापमान में 2 से 3 डिग्री तक गिरावट आ सकती है। इससे प्रदेश में रातें ठंडी होने लगेंगी और हल्की ठंड का अहसास बढ़ेगा। मौसम विभाग के अनुसार, गरज-चमक के साथ आकाशीय बिजली गिरने की भी आशंका है।

मुरासु का असर कमजोर, किसानों को राहत

चक्रवाती तूफान मुरासु का असर 5 नवंबर तक ही रहने की संभावना है। तूफान अपेक्षाकृत कमजोर रहने के कारण प्रदेश में व्यापक बारिश नहीं हुई। इससे फसल कटाई का इंतजार कर रहे किसानों को बड़ी राहत मिली है। मौसम का असर साइक्लोन अर्नब जैसा व्यापक नहीं रहा। हालांकि, पिछले 24 घंटे के दौरान बस्तर संभाग के कुछ इलाकों में अच्छी बारिश दर्ज की गई। प्रदेश में तापमान की बात करें तो रायपुर 30.1 डिग्री सेल्सियस अधिकतम तापमान के साथ सबसे गर्म रहा। वहीं, अंबिकापुर में न्यूनतम तापमान 17.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो प्रदेश में सबसे कम रहा। हालांकि, यह सामान्य से करीब ढाई डिग्री अधिक है। मौसम खुलने के बाद न्यूनतम तापमान में गिरावट आने से ठंड का असर बढ़ने की संभावना है।

नियुक्ति की मांग को लेकर शिक्षा मंत्री के बंगले में घुसे डीएड अभ्यर्थी, 321 दिनों से कर रहे आंदोलन

रायपुर, (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में सहायक शिक्षक पदों पर नियुक्ति की मांग को लेकर डीएड अभ्यर्थियों का आक्रोश एक बार फिर सामने आया है। गुरुवार सुबह बड़ी संख्या में अभ्यर्थी अपने परिजनों के साथ शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव के बंगले पहुंच गए और परिसर के भीतर धरने पर बैठ गए।

अभ्यर्थियों की प्रमुख मांग है कि 2300 सहायक शिक्षक पदों पर नियुक्ति की प्रक्रिया जल्द पूरी की जाए और सरकार नियुक्ति की निश्चित तारीख घोषित करे। अभ्यर्थियों का कहना है कि वे पिछले 321 दिनों से लगातार आंदोलन कर रहे हैं, लेकिन अब तक उनकी मांगों पर कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया है।

प्रदर्शन की जानकारी मिलते ही पुलिस बल और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंच गए। एसडीएम सहित अधिकारियों ने अभ्यर्थियों और उनके परिजनों को समझाने का प्रयास किया। वहीं, सुरक्षा व्यवस्था को देखते हुए बंगले के आसपास पुलिस की तैनाती की गई है। बताया जा रहा है कि प्रदर्शन के दौरान शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव बंगले में मौजूद नहीं थे। दूसरी ओर, अभ्यर्थी अपनी मांग पर अड़े हुए हैं। उनका कहना है कि जब तक 2300 पदों पर नियुक्ति की तारीख घोषित नहीं होती, तब तक उनका धरना जारी रहेगा। फिलहाल शिक्षा मंत्री के बंगले के भीतर डीएड अभ्यर्थियों का प्रदर्शन जारी है और प्रशासन उन्हें समझाने में जुटा हुआ है।

दीपावली के पहले बाढ़ पीड़ित परिवारों को तत्काल मिले 10 हजार की सहायता राशि : धनेन्द्र साहू

गरियाबंद (राजिम नयापारा), (आरएनएस)। पूर्व मंत्री धनेन्द्र साहू ने कहा कि महानदी में आई भीषण बाढ़ तथा गंगरेल बांध से अचानक बड़े पैमाने पर पानी छोड़े जाने के कारण अभनपुर विधानसभा क्षेत्र के गोबरा नवापारा शहर सहित आसपास के लगभग 15-16 गांवों में भारी तबाही हुई थी। अकेले गोबरा नवापारा शहर में लगभग डेढ़ से दो हजार घर बाढ़ के पानी में डूब गए थे। वहीं आसपास के गांवों में भी सैकड़ों किसानों की धान की फसलें बुरी तरह प्रभावित हुई थीं।

उन्होंने कहा कि बाढ़ का पानी अचानक रात लगभग दो बजे तेजी से बढ़ा, जिसके कारण लोगों को अपने घरों में रखा सामान निकालने तक का अवसर नहीं मिला। घरों में रखा राशन, कपड़े, बर्तन, फर्नीचर, टीवी, फ्रिज, कूलर सहित तमाम इलेक्ट्रॉनिक उपकरण एवं अन्य कीमती घरेलू सामान पानी में डूबकर नष्ट हो गए। अनेक परिवारों को भारी आर्थिक क्षति उठानी पड़ी है। कई परिवारों के सामने रोजमर्रा के जीवनयापन का संकट खड़ा हो गया है।

धनेन्द्र साहू ने कहा कि इस गंभीर समस्या को लेकर बाढ़ प्रभावित परिवारों के साथ धरना-प्रदर्शन भी किया गया था। उस दौरान अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) ने स्वयं उपस्थित होकर आश्वासन दिया था कि दो-तीन दिनों के भीतर प्रभावित परिवारों को सहायता राशि का भुगतान कर दिया जाएगा। लेकिन लगभग एक माह बीतने को है, इसके बावजूद आज तक किसी भी प्रभावित परिवार को सहायता राशि प्राप्त नहीं हुई है।उन्होंने बताया कि जब इस संबंध में एसडीएम से चर्चा की जाती है तो उनका कहना है कि प्रभावित परिवारों के भुगतान का पूरा प्रकरण तैयार कर शासन को भेज दिया गया है, लेकिन शासन से राशि प्राप्त नहीं हो रही है।

दीपावली की आहट के साथ गूंजने लगे सुआ गीत, गांवों में आज भी जीवंत है छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति

आधुनिकता की दौड़ में शहरों से सिमटती जा रही पारंपरिक विरासत, ग्रामीण अंचलों में बालिकाएं और महिलाएं संभाल रही सांस्कृतिक परंपरा की कमान



कन्हैया तिवारी, गरियाबंद, (आरएनएस)। दीपावली का पर्व नजदीक आते ही छत्तीसगढ़ के ग्रामीण अंचलों में पारंपरिक लोकगीतों और लोकनृत्यों की गूंज सुनाई देने लगती है। इन्हीं लोक परंपराओं में सुआ नृत्य का विशेष स्थान है। महिलाओं और युवतियों द्वारा गोल घेरा बनाकर तालियों की थाप पर सुआ गीत गाते हुए किया जाने वाला यह पारंपरिक नृत्य छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोक संस्कृति और ग्रामीण जीवन की सुंदर पहचान है। सुआ गीतों की मधुर धुन और नृत्य की लयबद्ध प्रस्तुति देखकर मन आनंदित हो उठता है।

सुआ नृत्य केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ की कृषि संस्कृति, लोक आस्था, सामाजिक परंपरा और भावनाओं से जुड़ी एक अनमोल विरासत है। इसका संबंध मुख्य रूप से नई फसल के आगमन, धान की कटाई की खुशी और प्रकृति के प्रति आभार से माना जाता है। लोकगीतों में भगवान शिव-पार्वती के गौरा-गौरी विवाह प्रसंग और लोक जीवन से जुड़ी अनेक कथाओं की झलक भी देखने को मिलती है।

सुआ को संदेशवाहक मानकर करती हैं पूजा

इस नृत्य की सबसे खास विशेषता है सुआ अर्थात तोते का प्रतीक। महिलाएं मिट्टी या लकड़ी से बने तोते को धान अथवा अनाज से भरी टोकरी के बीच स्थापित करती हैं। इसके चारों ओर गोल घेरा बनाकर महिलाएं और बालिकाएं सामूहिक रूप से गीत गाती हैं और तालियों की थाप पर नृत्य करती हैं। लोकमान्यता के अनुसार सुआ को संदेशवाहक माना जाता है, जिसके माध्यम से महिलाएं अपने मन की भावनाएं और संदेश अपने प्रिय(देवी-देवताओं)तक पहुंचाने की कल्पना करती हैं। गीतों में प्रेम, विरह, पारिवारिक जीवन, सामाजिक परिस्थितियों और धार्मिक आस्था की अभिव्यक्ति होती है।

० शहरों में सिमटती परंपरा, गांवों में अब भी कायम है पहचान

एक समय था जब सुआ नृत्य केवल ग्रामीण अंचलों तक सीमित नहीं था, बल्कि धीरे-धीरे शहरों और सार्वजनिक सांस्कृतिक आयोजनों में भी अपनी पहचान बना रहा था। लेकिन बदलती जीवनशैली, आधुनिक मनोरंजन के साधनों और नई पीढ़ी की बदलती रुचियों के बीच यह परंपरा कई स्थानों पर कमजोर पड़ती दिखाई दे रही है। विकास और आधुनिकता ने जहां जीवन को सुविधाजनक बनाया है, वहीं कहीं न कहीं हमारी पारंपरिक सांस्कृतिक विरासत पर भी इसका प्रभाव पड़ा है।

छत्तीसगढ़ अपनी विशिष्ट लोककला, लोकगीत, नृत्य, तीज-त्योहार और परंपराओं के लिए देशभर में अलग पहचान रखता है। ऐसे में सुआ नृत्य जैसी सांस्कृतिक धरोहर का धीरे-धीरे सीमित होते जाना चिंता का विषय है।

हालांकि छुरा सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में आज भी बालिकाएं और महिलाएं इस परंपरा को पूरी श्रद्धा और उत्साह के साथ निभा रही हैं। दीपावली के पहले गांवों में सुआ गीतों की गूंज इस बात का प्रमाण है कि लोक संस्कृति की जड़ें आज भी ग्रामीण समाज में मजबूत हैं।

लावारिस हालत में मिली 400 किलो से ज्यादा गांजे की खेप, कीमत 2 करोड़ से अधिक

कांकेर, (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले में पुलिस ने लावारिस हालत में गांजे की बड़ी खेप बरामद की है। कचरे के ढेर में फेंकी गई बोरियों से 400 किलो से अधिक गांजा मिला है, जिसकी अनुमानित कीमत 2 करोड़ रुपये से ज्यादा बताई जा रही है। बताया जा रहा है कि गांजा तस्करों ने पुलिस से बचने के लिए इसे मौके पर छोड़ दिया था। इस दौरान तस्करों ने केशकाल थाना प्रभारी रितेश मिश्रा को कार से कुचलने का भी प्रयास किया, जिससे उनके अंगूठे में गंभीर चोट आई।

जानकारी के मुताबिक, मंगलवार देर रात ओडिशा से गांजा लेकर आ रही एक फॉर्च्यूनर कार और उसके साथ चल रहे टाटा वैक्सीन वाहन को पुलिस ने रोकने की कोशिश की। इसी दौरान एक निक्सॉन कार के चालक ने थाना प्रभारी पर गाड़ी चढ़ाने का प्रयास किया। इसके बाद तस्कर अलग-अलग दिशाओं में फरार हो गए। पुलिस से बचने के लिए तस्करों ने सिंगारभाट में राइस मिल के पास गड़िया पहाड़ के नीचे कचरे के ढेर में गांजे से भरी बोरियां फेंक दीं। बुधवार दोपहर करीब 12 बजे ग्रामीणों की सूचना पर कांकेर पुलिस मौके पर पहुंची और लावारिस हालत में पड़ी बोरियों की तलाशी ली। इस दौरान 400 किलो से अधिक गांजा बरामद हुआ।

धनतेरस और दीपावली पर जगदलपुर में सुगम आवागमन के लिए व्यापक ट्रैफिक एडवाइजरी जारी

जगदलपुर, (आरएनएस)। आगामी धनतेरस (06 नवंबर 2026) और दीपावली (08 नवंबर 2026) के पावन पर्व पर शहर के प्रमुख बाजारों में उमड़ने वाली भीड़ को नियंत्रित करने तथा सुगम आवागमन बनाए रखने के लिए यातायात पुलिस बस्तर ने एक विस्तृत एडवाइजरी जारी की है। 06 से 08 नवंबर 2026 तक लागू रहने वाली इस व्यवस्था के तहत शहर के अलग-अलग क्षेत्रों से आने वाले वाहनों के लिए विशेष पार्किंग स्थल चिन्हित किए गए हैं। अनुपमा चौक, आकांक्षा होटल रोड, अग्रसेन चौक, संजय मार्केट और मिताली चौक की ओर से आने वाले वाहनों के लिए चावल लाईन रोड में पार्किंग तय की गई है, जबकि चांदनी चौक, न्यू नरेन्द्र टॉकिज, गोल बाजार, एम.एल.बी. स्कूल और संजय मार्केट की गाड़ियों को हाथा ग्राउंड तथा जिला शिक्षा कार्यालय के सामने स्थित बस्तर हाई स्कूल ग्राउंड में पार्क कराया जाएगा।

खेल समाचार

यूथ ओलंपिक : तन्वी ने रचा इतिहास, सेमीफाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय महिला शटलर बनीं

डकार (सेनेगल) (आरएनएस)। तन्वी पत्री ने यूथ ओलंपिक गेम्स के सेमीफाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय महिला बैडमिंटन खिलाड़ी बनकर इतिहास रच दिया है। बुधवार को डकार में खेले गए विमेंस सिंगल्स के क्वार्टर फाइनल मुकाबले में तीसरी वरीयता प्राप्त तन्वी सातवीं वरीयता प्राप्त थाईलैंड की काकानिक कुंगकाव को 21-17, 21-13 से शिकस्त देकर यूथ ओलंपिक के सेमीफाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय महिला शटलर बनीं। 39 मिनट तक चले इस मुकाबले में जीत के बाद अब तन्वी को मेडल सुनिश्चित करने के लिए एक और मैच जीतना होगा। इससे पहले सिर्फ तीन भारतीय शटलर ही यूथ ओलंपिक में बैडमिंटन के सेमीफाइनल तक पहुंच पाए हैं। साल 2010 में सिंगापुर में हुए पहले यूथ ओलंपिक में एचएस प्रणॉय ने रजत पदक जीता था, जबकि 2018 में ब्यूनस आयर्स में हुए खेलों में लक्ष्य सेन उपविजेता रहे थे। साल 2014 में आदित्य जोशी लड़कों के सिंगल्स वर्ग के सेमीफाइनल में पहुंचे थे, लेकिन उन्हें कोई पदक नहीं मिल सका था।

अब तन्वी के पास इतिहास रचने का सुनहरा मौका है। सेमीफाइनल में जीत उन्हें यूथ ओलंपिक में बैडमिंटन पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला बना देगी। अगर वह सेमीफाइनल हार जाती हैं, तो भी उनके पास ब्रॉन्ज मेडल के लिए मुकाबला करने का एक और मौका होगा।

सेमीफाइनल में तन्वी का सामना जापान की युजुनो वातानाबे से होगा, जिनके खिलाफ वह पहले भी एक बार खेल चुकी हैं। दोनों खिलाड़ी 2024 में थाईलैंड में हुई पाथुम थानी जूनियर इंटरनेशनल सीरीज में आमने-सामने आए थे, जहां तन्वी को 14-21, 10-21 से हार का सामना करना पड़ा।

डकार यूथ ओलंपिक गेम्स की बैडमिंटन प्रतियोगिता में पुरुष और महिला एकल इवेंट शामिल हैं, जिनमें हर कैटेगरी में 32 खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। यह प्रतियोगिता दो चरणों (ग्रुप स्टेज और उसके बाद नॉकआउट) में खेली जा रही है।

खिलाड़ियों को चार-चार के आठ ग्रुप में बांटा गया था, जिसमें प्रत्येक खिलाड़ी को अपने ग्रुप के शेष तीन खिलाड़ियों का सामना करना था। हर ग्रुप का विजेता नॉकआउट स्टेज में पहुंचा। इसके बाद क्वार्टर फाइनल, सेमीफाइनल और मेडल मैच होंगे। 5 नवंबर को गोल्ड, सिल्वर और ब्रॉन्ज मेडल का फैसला होगा।

यूईएफए चैंपियंस लीगः लिवरपूल को फेनरबाचे ने 3-2 से हराया

इस्तांबुल (आरएनएस)। (इस्तांबुल)। यूईएफए चैंपियंस लीग में सुक्रू साराकोग्लू स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में लिवरपूल की टीम को फेनरबाचे के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। फेनरबाचे ने जोरदार वापसी करते हुए लिवरपूल को 3-2 से हराया। लिवरपूल को लगातार तीन जीत के बाद पहली हार मिली, जबकि तुर्की की टीम फेनरबाचे ने सीजन की पहली जीत दर्ज की।

लिवरपूल ने 25वें मिनट में 19 साल के ट्रे न्योनी के गोल की मदद से बढ़त बनाई। इसके बाद मेजबान टीम ने पलटवार किया और 4 मिनट बाद बराबरी कर ली। मेसन ग्रीनवुड की फ्री-किक लिवरपूल की दीवार में जेरेमी जैक्रेट से टकराकर एलिसन बेकर के पास से निकल गई।इंटरवल के बाद जब मुकाबला बराबरी पर था, तो लिवरपूल के मैनेजर एंडोनी इराओला ने अलेक्जेंडर इसाक और कोडी गाकपो को मैदान में उतारा। इस कदम से कुछ देर के लिए मैच उनकी टीम के पक्ष में जाता दिखा।

23 साल का ऐतिहासिक सफर खत्म, Ronaldo ने किया इंटरनेशनल फुटबॉल से संन्यास का ऐलान; नवंबर में खेलेंगे आखिरी मैच

लिस्बन (आरएनएस)। विश्व फुटबॉल के सर्वकालिक महान खिलाड़ियों में शुमार पुर्तगाल के दिग्गज क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल को हमेशा के लिए अलविदा कह दिया है। 41 वर्षीय रोनाल्डो ने गुरुवार को सोशल मीडिया पर एक भावुक वीडियो संदेश साझा करते हुए अपने संन्यास की आधिकारिक घोषणा की। उन्होंने स्पष्ट किया कि आगामी नवंबर इंटरनेशनल ब्रेक के मुकाबले पुर्तगाल की राष्ट्रीय टीम के लिए उनके अंतिम मैच होंगे, जिसके बाद वह अपनी ऐतिहासिक नंबर-7 जर्सी टीम को समर्पित कर संन्यास ले लेंगे। उनके इस फैसले के साथ ही वैश्विक फुटबॉल के एक स्वर्णिम युग का औपचारिक अंत हो गया है।

18 साल की उम्र में शुरू हुआ था सफर, 234 मैचों में दागे रिकॉर्ड 146 गोल

रोनाल्डो का अंतरराष्ट्रीय सफर 20 अगस्त 2003 को कजाकिस्तान के खिलाफ एक दोस्ताना



मुकाबले से शुरू हुआ था, जब उन्होंने महज 18 वर्ष की आयु में पुर्तगाल की सीनियर राष्ट्रीय टीम में पदार्पण किया था। इसके बाद के 23 वर्षों में उन्होंने पुर्तगाल के लिए रिकॉर्ड 234 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले और 146 गोल दागकर अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल इतिहास में सर्वाधिक गोल करने वाले शीर्ष स्कोरर के रूप में अपना नाम दर्ज कराया। इसके अतिरिक्त उन्होंने अपने साथियों के लिए 46 गोल असिस्ट भी किए।

6 वर्ल्ड कप खेलने वाले दुनिया के पहले फुटबॉलर, हर विश्व कप में गोल दागने का अनूठा रिकॉर्ड

क्रिस्टियानो रोनाल्डो अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल के इतिहास में छह अलग-अलग फीफा विश्व कप (2006, 2010, 2014, 2018, 2022 और 2026) में भाग लेने वाले दुनिया के पहले खिलाड़ी बने। उन्होंने 2006 में जर्मनी विश्व कप में पहली बार शिरकत की थी और 2026 तक लगातार टीम का मुख्य आधार बने रहे। विश्व कप के मंच पर उन्होंने 27 मुकाबलों में 11 गोल दागे। साल 2026 में उज्बेकिस्तान के खिलाफ गोल करते ही वे छह अलग-अलग विश्व कप संस्करणों में गोल करने वाले दुनिया के एकमात्र फुटबॉलर बन गए। हालांकि, वे अपनी राष्ट्रीय टीम को विश्व कप का खिताब नहीं दिला सके; पुर्तगाल का विश्व कप में सर्वश्रेष्ठ सफर 2006 में रहा था जब टीम चौथे स्थान पर रही थी।

तिलक वर्मा बने ऋषभ पंत का रिप्लेसमेंट, जडेजा और बुमराह इंडिया ए की स्क्वॉड के साथ जुड़े

लिंकन ,(आरएनएस)। भारत और न्यूजीलैंड के बीच तीसरा अनऑफिशियल टेस्ट मैच 7 नवंबर से लिंकन में खेला जाएगा। इस मैच को लेकर टीम इंडिया के खेमे से एक बड़ा अपडेट सामने आया है। विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत इस मैच में नहीं खेलेंगे। उनकी जगह तिलक वर्मा को टीम में शामिल किया गया है। भारतीय टीम के लिए एक अच्छी खबर ये भी है कि रवींद्र जडेजा और जसप्रीत बुमराह इस मैच के लिए टीम के साथ जुड़ गए हैं। पंत फिलहाल बेंगलुरु के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में रिहैब कर रहे हैं। इससे न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाली आगामी दो टेस्ट मैचों की सीरीज में उनके खेलने पर भी संशय पैदा हो गया है।तीसरे अनऑफिशियल टेस्ट मैच में भारत के अनुभवी खिलाड़ी जसप्रीत बुमराह और रवींद्र जडेजा अपनी तैयारी पुख्ता करने के लिए खेलेंगे। वहीं विकेटकीपर ऋषभ पंत पसलियों की मांसपेशियों में खिंचाव के कारण यह मुकाबला नहीं खेल पाएंगे।



विराट कोहली के नाम ICC के 10 सबसे बड़े अवॉर्ड, एक खिताब ऐसा जो सिर्फ 'किंग' के पास, कोई नहीं तोड़ पाया ये रिकॉर्ड



नई दिल्ली (आरएनएस)। भारतीय क्रिकेट के आधुनिक महानायक और पूर्व कप्तान विराट कोहली आज 5 नवंबर 2026 को अपना 38वां जन्मदिन मना रहे हैं। टीम इंडिया के साथ न्यूजीलैंड दौरे पर मौजूद विराट कोहली ने समय क्षेत्र के अंतर के चलते भारत से पहले ही अपना जन्मदिन सेलिब्रेट कर लिया। भारत और न्यूजीलैंड के बीच खेले गए पहले वनडे मुकाबले के बाद टीम के साथियों ने कोहली के जन्मदिन का जश्न मनाया। अपने डेढ़ दशक से लंबे अंतरराष्ट्रीय करियर में कोहली ने न केवल रिकॉर्ड्स की झड़ी लगाई है, बल्कि वे आईसीसी वनडे वर्ल्ड कप, आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी और आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप तीनों बड़े आईसीसी खिताब जीतने वाले दुनिया के चुनिंदा महानतम क्रिकेटरों की फेहरिस्त में मजबूती से शुमार हैं।

2012 में हुई थी शुरुआत, 2018 में रचा था ऐतिहासिक 'हैट्रिक' रिकॉर्ड

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (ICC) के व्यक्तिगत पुरस्कारों में विराट कोहली के दबदबे की शुरुआत साल 2012 में हुई थी, जब उन्हें पहली बार आईसीसी पुरुष वनडे क्रिकेटर ऑफ द ईयर चुना गया था। इसके बाद 2017 में उन्होंने मुख्य आईसीसी क्रिकेटर ऑफ द ईयर (सर गारफील्ड सोबर्स ट्रॉफी) के साथ-साथ एक बार फिर वनडे क्रिकेटर ऑफ द ईयर का दोहरा खिताब अपने नाम किया। साल 2018 कोहली के करियर का सबसे स्वर्णिम वर्ष साबित हुआ, जब उन्होंने इतिहास रचते हुए एक ही कैलेंडर वर्ष में तीन बड़े आईसीसी अवॉर्ड्स—आईसीसी टेस्ट क्रिकेटर ऑफ द ईयर, आईसीसी वनडे क्रिकेटर ऑफ द ईयर और आईसीसी क्रिकेटर ऑफ द ईयर—जीतने का अभूतपूर्व कीर्तिमान स्थापित किया।

2019 में 'स्पिरिट ऑफ क्रिकेट' और 2020 में बने 'दशक के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी'

मैदान पर आक्रामकता के साथ-साथ विराट ने खेल भावना की भी अनोखी मिसाल पेश की, जिसके चलते उन्हें 2019 में आईसीसी स्पिरिट ऑफ क्रिकेट अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। यह वाकया 2019 वनडे विश्व कप का था, जब बॉल-टैंपरिंग विवाद के बाद वापसी कर रहे ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज स्टीव स्मिथ की भारतीय फैंस हूटिंग कर रहे थे। तब कोहली ने बल्लेबाज़ी करते हुए दर्शकों की ओर इशारा कर हूटिंग रोकने और स्मिथ का हौसला बढ़ाने की अपील की थी।

पूर्व भारतीय हॉकी कप्तान के घर चोरी, 1980 मॉस्को ओलंपिक का गोल्ड मेडल और 3.5 लाख के गहने ले उड़े चोर



बेंगलुरु ,(आरएनएस)। भारतीय हॉकी टीम के पूर्व कप्तान और दिग्गज ओलंपियन एमएम सोमाया के बेंगलुरु स्थित घर में भीषण चोरी की सनसनीखेज वारदात सामने आई है। चोरों ने उनके घर का ताला तोड़कर 1980 मॉस्को ओलंपिक में जीता गया ऐतिहासिक स्वर्ण पदक (Gold Medal), एशियाई खेलों व चैंपियंस ट्रॉफी के प्रतिष्ठित पदकों सहित करीब 3.53 लाख रुपये से अधिक मूल्य के सोने-चांदी के जेवरात और नकदी पर हाथ साफ कर दिया। यह घटना उस समय घटी जब 67 वर्षीय सोमाया अपने पूरे परिवार के साथ कर्नाटक के कोडागु (कूर्ग) गए हुए थे। खेल जगत की इस अनमोल धरोहर की चोरी से पुलिस प्रशासन में हड़कंप मच गया है।

पड़ोसी ने खुला देखा दरवाजा, CCTV में देर रात 2:34 बजे दिखे चोर

प्राथमिक विवरण के अनुसार, एमएम सोमाया 26 अक्टूबर को अपने परिवार के साथ कोडागु यात्रा पर निकले थे। इसके दो दिन बाद यानी 28 अक्टूबर की देर रात अज्ञात चोरों ने उनके सूने घर को निशाना बनाया। अगली सुबह करीब 7:15 बजे सोमाया के पड़ोसी नारायण ने उनके घर का मुख्य दरवाजा टूटा और खुला देखा, जिसके बाद उन्होंने तुरंत सोमाया को फोन कर चोरी की आशंका जताई। पड़ोसी के घर में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने पर पता चला कि रात करीब 2:34 बजे दो अज्ञात व्यक्ति घर के अंदर दाखिल हुए थे। इनमें से एक आरोपी ने नीले रंग की और दूसरे ने लाल रंग की शर्ट पहन रखी थी। दोनों ने मुख्य दरवाजे का ताला तोड़कर अंदर रखी अलमारियों और लॉकरों को खंगाला।

देश की ऐतिहासिक धरोहर पर हाथ साफ- मॉस्को ओलंपिक गोल्ड समेत 4 अंतरराष्ट्रीय मेडल चोरी

पुलिस में दर्ज कराई गई एफआईआर के मुताबिक, चोरों ने खेल जगत की उन अनमोल उपलब्धियों को चुरा लिया जिनकी कोई कीमत नहीं लगाई जा सकती। चोरी गए सामान में 1980 के मॉस्को ओलंपिक में भारतीय हॉकी टीम के चैंपियन बनने पर सोमाया को मिला ऐतिहासिक स्वर्ण पदक शामिल है। इसके अलावा 1982 के नई दिल्ली एशियाई खेलों का रजत पदक (सिल्वर मेडल), 1986 के सियोल एशियाई खेलों का कांस्य पदक (ब्रॉन्ज मेडल) और 1982 में एम्सटर्डम में आयोजित प्रतिष्ठित चैंपियंस ट्रॉफी का कांस्य पदक भी चोर समेट ले गए।

धन्वंतरी जयंती पर विशेष

चार पीढ़ियों से मनाई जा रही है आरोग्य के देवता धन्वतरी की जयंती

डाक्टर सेठा परंपरागत रूप से मनाते आ रहे आयुर्वेद दिवस नर्मदांचल का आयुर्वेद से है प्राचीन नाता, 65 वर्ष से संचालित औषधालय



बलराम शर्मा

नर्मदापुरम। अरोग्य के देवता आयुर्वेद के जनक भगवान धन्वंतरी की जयंती धनतेरस पर शहर में चार पीढ़ियों से भक्ति भाव के साथ मनाई जा रही है। शहर के सबसे पुराने सेठा अस्पताल तथा धर्मार्थ औषधालय में भी धन्वंतरी जयंती मनाई जाती रही है। वरिष्ठ समाजसेवी सर्जन डाक्टर अतुल सेठा और जनरल सर्जन डॉ अभिनव सेठा ने बताया कि कि भगवान धन्वंतरी आयोग्य के देवता हैं। उनकी पूजन अर्चन से आरोग्य की प्राप्ति होती है। केशव अस्पताल में अपरान्ह 3 बजे भगवानधन्वन्तरी की जयंती मनाई जाएगी। चौथी पीढ़ी से जारी है परंपरा सेठा परिवार की चौथी पीढ़ी के द्वारा केशव अस्पताल में धन्वंतरी जी का पूजन अर्चन वैद्य पं गोपाल प्रसाद खड्डर के आचार्यत्व में कई वर्षों से होता आ रहा है। केशव अस्पताल में डाक्टर अतुल सेठा, डाक्टर अनुमपा सेठा, डाक्टर अभिनव सेठा, सेठा परिवार व डाक्टर राजकुमार गख्खर सहित अनेक डाक्टरों के द्वारा पूजन अर्चन की जाएगी। जहां पर आयुर्वेद और एलोपैथी से जुड़े कई डाक्टर और गणमान्य नागरिक शामिल रहते हैं।धन्वंतरी जी आयुर्वेद के ज्ञाता डाक्टर अतुल सेठा ने कहा कि पुराणों में उल्लेख है कि राजा परिक्षित के समय में आयुर्वेद का उपचार शुरू होने के संकेत मिलते हैं। धन्वंतरी जी आयुर्वेद के ज्ञाता थे। उन्होनें राजा परिक्षित के समय उपचार शुरू कर दिया था। उसके बाद चिकित्सा क्षेत्र में अनेक नए परिवर्तन होते जा रहे हैं। अब आधुनिक चिकित्सा पद्धिति आ गई है। लेकिन हम हमारे पूर्वजों के द्वारा संचालित परंपरा के तहत धन्वंतरी जी की पूजन अर्चन धन तेरस पर हर बार करते हैं और करते रहेंगे। स्व. पं रामलाल शर्मा ने शुरू किया था औषधालय राजघाट सभा समिति के माध्यम से यह औषधालय संचालित हो रहा है। समिति के वर्तमान अध्यक्ष पं भवानी शंकर शर्मा हैं। उनसे पूर्व उनके पिताश्री शिक्षाविद कानूनविद स्व. पं रामलाल शर्मा अध्यक्ष थे। रामदीन गंगराड़े ने धर्मार्थ औषधालय की शुरूआत पं शर्मा के साथ मिल कर कराई थी। धन्वतरी की पूजन से धन और और आरोग्य का मिलता है सुख-पं नीरजेश त्रिपाठीआचार्य पं नीरजेश त्रिपाठी ने कहा कि दीपावली से पूर्व भगवान धनवतन्तरी की पूजन करना शुभ होता है पूजन करने वालों की किश्मत चमक जाती है। उन्होने कहा कि इस दिन धन के राजा कुबेर की भी पूजन होती है। उन्होने कहा कि धनवन्तरी की पूजन से धनवान होने के साथ आरोग्य का भी लाभ मिलता है। पौराणिक कथा के अनुसार कार्तिक माह की त्रयोदशी के अवसर पर समुद्र मंथन से भगवान धनवन्तरी प्रकट हुए थे। वे अपने एक हाथ में आयुर्वेद और एक हाथ में अमृत कलश लेकर आए। इसी कारण भगवान धन्तवरी को औषधी का जनक कहा जाता है।

सोना चांदी के वर्तन और धातु खरीदना शुभ

पं अभिलाश शर्मा ने बताया कि त्रयोदशी के अवसर पर शुभ मुहुर्त में सोना चांदी के वर्तन और धातु से बनी हुई कोई भी सामग्री खरीदना बेहद शुभकारी होता है। इसी कारण धनवन्तरी भगवान की पूजन के बाद धातु खरीदना शुभदायक होता है।

पांच दिवसीय दीप महोत्सव आज से

बाजार रहेगा गुलजार, करोड़ों का होगा कारोबार, तैयारी की गई जोरदार

रोशनी का पर्व दीपोत्सव आज से, व्यापारियों को होगा अच्छा लाभ

नर्मदापुरम (निप्र)। रोशनी का विशेष दीप पर्व दीपावली का पांच दिवसीय त्यौहार आज से शुरू हो जाएगा। दीप महोत्सव को लेकर जोरदार तैयारी व्यापारियों के द्वारा की गई है। पर्व से पूर्व ही खरीदारी शुरू हो गई है।कई किसानों की धान तथा अन्य उपज बिक गई है। कर्मचारियों को वेतन व बोनस मिल चुका है। इससे भी खरीददारी बड़ी है। पांच दिवसीय दीपोत्सव का आयोजन धनतेरस से शुरू हो रहा है। हिन्दुओंके त्यौहारों में सबसे खास महत्व रखने वाले त्यौहार को अधिक उत्साह से मनाया जाता है। इसकी तैयारी बीते एक पखवाड़े से घरोघर हो रही है धनतेरस के विशेष मुहुर्त पर व्यापारियों की बल्ले-बल्लेहोने वाली है। बाजार में लगभग 10 करोड़ के कारोबार होने की उम्मीद है। सभी व्यापारियों ने अपनी दुकाने अच्छी तरह सजा ली हैं। बाजार में धनतेरस से एक दिन पूर्व से ही रौनक बन गई है। यहांतक कि एक करोड़ की खरीदी तो एक दिन पूर्व ही हो गई। अब और बाजार में त्योहारी चहल पहल बढ़ती जा रही है। शहर के सभी प्रमुख व्यापारियों ने अपने प्रतिष्ठानों को पूरी तरह सजावट करग्राहकों को आकर्षित करने के लिए दुकान के सामने व बाहर तक सामान रखना शुरू कर दिए हैं। इस मौके पर वर्तन बाजार, ज्वेलरी, आटोमोबाइल व दीपावली से संबंधित सामग्री की बिक्री कीदुकानदारों को धनतेरस से बहुत उम्मीद है। जमकर ग्राहकी ही आस बंधी हुई है। सबसे ज्यादा कसेरा बाजार में हुई सजावट धनतेरस से संबंधित सबसे ज्यादा सजावट कसेरा बाजार और सराफा बाजारमें हो चुकी है। धनतेरस पर बिकने वाले नए-नए किस्म के सामान और ग्राहकों की डिमांड के अनुसार सामग्री सजाई जा चुकी है। मुख्य बाजार के अनेक दुकानदारों ने अपनी दुकान के सामने टेंट लगा कर तथा दुकान को बाहर तक सजाने का क्रम दो दिन पूर्व से ही शुरू कर दिए थे। दुकानदारों ने चर्चा के दौरान बताया कि मुख्य बाजार में उठाव धनतेरस से अच्छा होगा। बर्तन व्यवसायी लालू ने कहा कि आज अच्छी ग्राहकी होने की संभावना बनी हुई है।



तीन दिन तक होगी जमकर खरीदी

धनतेरस से दीपावली के दिन तक बाजार में लगातार ग्राहकी बढ़ेगी। एसनएनजी स्टेडियम में छोटी छोटी करीब 400 दुकाने दीपावली से संबंधित वस्तुओं की लग चुकी है। जहां पर दो दिन से खरीदी करने वालों की भीड़ लग रही है। धनतेरस से लेकर दीपावली तक और ग्राहकी तेज रहेगी। गुप्ता ग्राउंड मेंपटाखा बाजार भी तैयार हो चुका है। धनतेरस से एक दिन पूर्व ही दुकानें लग चुकी हैं। वहां भी बिक्री शुरू हो गई है।

ग्रामीण क्षेत्रों से भी आए दुकानदार

बड़ी संख्या में ग्रामीण क्षेत्र से छोटे दुकानदारस्टेडियम में आ गए हैं। जिन्होंने अपने दिये तथा अन्य सामग्रियों की दुकान लगा ली हैं। वहीं बिजली की सामग्री वाली दुकानों पर रोशनी के पर्व को उत्साह से मनाने के लिए रंग बिरंगीझिलमिलाती सीरीज और अन्य आयटम भी बिक रहे हैं। बिजली की सामग्री के विक्रेता अभिषेक दुबे ने नए तरीके के आयटम लाए हैं जिनकी डिमांड है।

वर्तन व सराफा बाजार में रहेगी धूम

धनतेरस सेदीपावली तक सबसे अधिक भीड़ वर्तन बाजार, और सराफा बाजार में रहेगी। वर्तन व्यापारी किशोर करैया ने बताया कि उन्होंने इंदौर व अन्य बड़े शहरों से वर्तन बुलवाए हैं। वहीं सराफा बाजार के प्रदीप अग्रवाल ने बताया कि धनतेरस पर अच्छी ग्राहकी की उम्मीद है।

मिल रहा है वेतन और बोनस

शासन के आदेशानुसार दीपावली के अवसर पर त्योहार को देखते हुए वेतन बोनस दिया गया है जिससे कर्मचारियों के द्वारा अच्छे से खरीदी की जाएगी। वहीं अनेक विभागों से कई कर्मचारियों को बोनस भी मिल चुका है। जिससे उन्हें त्योहार पर खरीदी करने में सहुलियत हो रही है। मजदूरों ने भी ले ली मजदूरीभवन निर्माण तथा अन्य कार्य करने वाले मजदूरों ने भी त्योहार को ध्यान में रखते हुए अपने कार्य स्थल से मजदूरी प्राप्त कर ली है जिससे कि बाजार में पहुंच कर खरीदारी कर सकें। ग्रामीणक्षेत्र के लोगों का आना जाना लगातार जारी है। किसानों के पास भी आया पैसा वर्तमान समय में किसानों के पास करोड़ों रूपयों की मूंग की राशि खाते में आ चुकी है। कई किसानों की धान मक्का की उपज भी बिकने इस बार किसानों की दीपावली बहुत अच्छी मनने वाली है। किसान उदय पांडेय ने बताया कि मूंग का भुगतान तो हो चुका है। लेकिन खर्चे कई तरह के हैं। मंहगाई भी बहुत हो चुकी है।

द चैम्प्स फन स्कूल, नर्मदापुरम में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया दीपावली उत्सव

हर हृदय में राम विराजित, वे अच्छे मार्गदर्शक, हर व्यवहार में सच्चाई रखें : प्राचार्य डॉ. आशीष चटर्जी

नर्मदापुरम (निप्र)। द चैम्प्स फन स्कूल, नर्मदापुरम में दीपावली का पर्व हर्षोल्लास, उमंग और उत्साह के साथ मनाया गया। इस विशेष अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य डॉ. आशीष चटर्जी एवं निदेशक जूही चटर्जी की गरिमामयी उपस्थिति ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। शुभारंभ कार्यक्रम प्रभारी ख्याति गोइया के स्वागत उद्बोधन से हुआ। इसके पश्चात विद्यार्थियों अवनी खंडेलवाल, अनिका चौहान, काव्या पटवा एवं पिहू मालवीय ने संचालन किया। उनकी प्रभावशाली एंकरिंग ने कार्यक्रम को और भी आकर्षक एवं जीवंत बना दिया।

नित्य नाटिका ने मनमोहा

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रामायण पर आधारित नृत्य-नाटिका रही, जिसमें विद्यार्थियों ने भगवान श्रीराम के जन्म से लेकर उनके वनवास एवं अयोध्या वापसी तक की महत्वपूर्ण घटनाओं को नृत्य और अभिनय के माध्यम से खूबसूरती से प्रस्तुत किया। बच्चों की शानदार प्रस्तुतियों ने सभी का मन मोह लिया।वहीं एल.के.जी. के नन्हे-मुन्ने विद्यार्थियों ने रामायण के विभिन्न पात्रों की वेशभूषा धारण कर आकर्षक फैंसी ड्रेस प्रस्तुति दी। सभी बच्चे अपने-अपने पात्रों के अनुरूप तैयार होकर मंच पर आए और पूरे आत्मविश्वास के साथ अपने चरित्र का परिचय दिया। उनकी शानदार अभिव्यक्ति और प्रस्तुति ने सभी को खूब प्रभावित किया।इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य डॉ. चटर्जी ने प्रेरणादायक संबोधन में विद्यार्थियों को भगवान श्रीराम के जीवन एवं उनके आदर्शों से परिचित कराया। उन्होंने सरल शब्दों में समझाया कि हम सभी के भीतर राम अर्थात अच्छाई और सच्चाई का भाव होना चाहिए। हमें सदैव सत्य बोलना चाहिए तथा दूसरों की अच्छाइयों को महत्व देते हुए उनकी कमियों को सुधारने का प्रयास करना चाहिए।

सुरक्षित दीपावली मनाने का आवाह्न

इसके साथ ही उन्होंने बच्चों को सुरक्षित दीपावली मनाने के लिए प्रेरित किया। पटाखे जलाते समय सूती कपड़े पहनने, घर के अंदर आतिशबाजी न करने तथा हमेशा बड़ों की निगरानी में ही पटाखे जलाने जैसी महत्वपूर्ण सावधानियों के बारे में बताया। प्रियंका खत्री द्वारा आभार प्रदर्शन किया गया।सम्पूर्ण कार्यक्रम सांस्कृतिक प्रस्तुतियों, नैतिक मूल्यों और सुरक्षा के संदेश का सुंदर संगम रहा। बच्चों के उत्साह, आत्मविश्वास और सभी शिक्षकों के सामूहिक प्रयासों ने इस आयोजन को यादगार बना दिया।इस दीपावली, आइए हम भी प्रभु श्रीराम के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाएँ और प्रेम, सत्य एवं सद्भावना का प्रकाश फैलाएँ। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ चटर्जी ने द चैम्प्स फन स्कूल परिवार की ओर से सभी को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएँ प्रेषित की।

कृषि उपज मंडी में दूज मुहुर्त 11 नवंबर को 5 दिन का रहेगा अवकाश

नर्मदापुरम (निप्र)। कृषि उपज मंडी के सचिव हल्केवीर उइके ने बताया कि 6 से 10 नवंबर तक कृषि मंडी में क्रय विक्रय कार्य बंद रहेगा। मुहुर्त पूजन को दृष्टगित रखते हुए व्यापारी एसोशिएशन द्वारा 11 नवंबर को मंडी में 11 बजे से खरीदी के मुहुर्त अवसर पर तौल कांटे की पूजन होगी। मंडी सचिव ने किसानों से अनुरोध किया है कि अब 11 नवंबर से ही उपज का विक्रय कृषि उपज मंडी में प्रारंभ होगा। इस अवसर पर हर वर्ष की तरह तौल कांटे की पूजन तथा मुहुर्त की खरीदी शुरू होती है। दूज मुहुर्त के अवसर पर सभी व्यापारी अपने प्रतिष्ठान में तौल कांटे की पूजन करके मंडी के दूज मुहुर्त में भी शामिल होते हैं।

शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय नर्मदापुरम (म.प्र.)
तकनीकी शिक्षा परिसर इटारसी रोड़ नर्मदापुरम-461001
E-mail - prinpoly.hbd@mp.gov.in

क्रमांक/स्थापना/GeM/2026/1436 नर्मदापुरम, दिनांक: 02/11/2026

खुली ई-निविदा आमंत्रण सूचना

Government e-Marketplace (GeM) के अंतर्गत निविदा Bid Number :GEM/2026/B/8225375 Dated 31/10/2026 के तहत इंटरएक्टिव पैनल विथ CPU के तहत PURCHASE OF INTERACTIVE PANEL क्रय करने के लिए GeM पोर्टल पर Bid आमंत्रित की जाती है। उपरोक्त Bid में भाग लेने की अंतिम दिनांक 16/11/2026 (रात्रि 09:00 बजे तक) है। निविदा के संबंध में संपूर्ण जानकारी GeM पोर्टल पर उपलब्ध है।

जी/21120/26

हेलमेट पहनकर वाहन चलायें, अपनी व दूसरों की जान बचायें

प्राचार्य
शास. पॉलीटेक्निक महाविद्यालय
नर्मदापुरम (म.प्र.)

जल ही जीवन है : मीना वर्मा



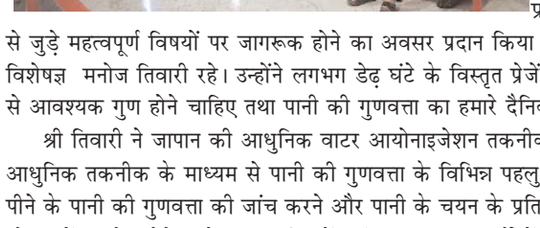
स्वस्थ पानी एवं भोजन में मौजूद कीटनाशकों के प्रति जागरूकता अभियान आयोजित

नर्मदापुरम (निप्र)। अपने जल को जानें, वरना आपका जल आपको जान भी ले सकता है इस महत्वपूर्ण संदेश के साथ नर्मदापुरम के होटल प्राइड में स्वस्थ पानी एवं हमारे दैनिक भोजन में मौजूद कीटनाशकों के प्रति जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का नेतृत्व नर्मदापुरम की पार्षद एवं पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती मीना वर्मा ने किया। उन्होंने शहर के गणमान्य एवं प्रबुद्ध नागरिकों को आमंत्रित कर उन्हें पानी और भोजन की गुणवत्ता से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर जागरूक होने का अवसर प्रदान किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं गेस्ट स्पीकर इंदौर से पधारे जल विशेषज्ञ मनोज तिवारी रहे। उन्होंने लगभग डेढ़ घंटे के विस्तृत प्रेजेंटेशन में बताया कि स्वस्थ एवं गुणवत्तापूर्ण पेयजल में कौन-कौन से आवश्यक गुण होने चाहिए तथा पानी की गुणवत्ता का हमारे दैनिक जीवन और स्वास्थ्य पर क्या प्रभाव पड़ सकता है।

श्री तिवारी ने जापान की आधुनिक वाटर आयोनाइजेशन तकनीक के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि किस प्रकार आधुनिक तकनीक के माध्यम से पानी की गुणवत्ता के विभिन्न पहलुओं को समझा जा सकता है। उन्होंने उपस्थित नागरिकों को अपने पीने के पानी की गुणवत्ता की जांच करने और पानी के चयन के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया।इसके साथ ही उन्होंने हमारे दैनिक भोजन में उपयोग होने वाले फल, सब्जियों एवं अन्य खाद्य पदार्थों में कीटनाशकों के संभावित अवशेषों और उनसे जुड़े स्वास्थ्य संबंधी पहलुओं पर भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि स्वस्थ जीवन के लिए केवल भोजन ही नहीं, बल्कि हम कैसा पानी पी रहे हैं और कैसा भोजन कर रहे हैं, इसकी जानकारी होना भी अत्यंत आवश्यक है। इस जागरूकता अभियान में इंदौर से राम कुशवाह एवं संदीप यादव तथा देवास से सेवानिवृत्त बैंक कर्मचारी कैलाश गौर ने विशेष सहयोग प्रदान किया।

नर्मदापुरम में आबकारी विभाग की कार्रवाई, 57 हजार से अधिक की अवैध मदिरा जब्त

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर नर्मदापुरम आशीष वशिष्ठ के आदेशानुसार और जिला आबकारी अधिकारी डॉ. राजीव प्रसाद द्विवेदी के मार्गदर्शन में अवैध मदिरा के खिलाफ अभियान जारी है। मंगलवार को वृत्त नर्मदापुरम-ब में नसीराबाद से 9 पेटी देशी मसाला (81 बल्क लीटर) मदिरा बरामद कर आबकारी अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज किया गया। इसके अतिरिक्त ग्राम आरी, बुधनी, बनखेड़ी में 10 लीटर कच्ची हाथ भट्टी मदिरा, 90 किलो लाहन और 25 क्वार्टर प्लेन मदिरा बरामद कर 4 प्रकरण कायम किए गए।



सिवनी मालवा में अतिक्रमण पर चला बुलडोजर, एसडीएम ने मौके पर रहकर हटवाया अतिक्रमण

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर नर्मदापुरम आशीष वशिष्ठ के निर्देश पर यातायात व्यवस्था सुगम बनाने के लिए अतिक्रमण हटाने का अभियान जारी है। इसी क्रम में नगरपालिका परिषद सिवनी मालवा के विभिन्न मार्गों पर बाधक बने अतिक्रमण हटाए जा रहे हैं। निलय ड्रीम कॉलोनी के सामने बनापुरा बायपास मार्ग के समीप अतिक्रमणकारियों द्वारा टब/गुमटियां रखकर अतिक्रमण किया गया था, जिससे बड़े वाहन खड़े रहने से लगातार जाम की स्थिति बन रही थी। कई महीनों से नगरपालिका द्वारा सूचना पत्र जारी करने के बावजूद अतिक्रमण नहीं हटाया गया। गुरूवार को एसडीएम सिवनीमालवा विजय राय, सीएमओ नगरपालिका परिषद सिवनी मालवा अमर सिंह उईके, राजस्व निरीक्षक हेमंत चौकसे, हल्का पटवारी प्रवीण शर्मा सहित राजस्व और नगरपालिका की संयुक्त टीम ने मौके पर पहुंचकर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की। प्रशासन ने चेतावनी दी कि समय पर अतिक्रमण नहीं हटाया तो भविष्य में बलपूर्वक सख्त कार्रवाई की जाएगी।



पश्चिम मध्य रेल
यांत्रिक शाखा
निविदा सूचना क्र JBP-M-Tender-33-2026 Dated 04/11/2026, खुली निविदा

निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदा भारत संघ के राष्ट्रपति के पक्ष में वरिष्ठ मंडल यांत्रिक अभियंता (फ्रेट एंड ईएनएचएम), मंडल रेल प्रबंधक यांत्रिक कार्यालय, पश्चिम मध्य रेल, जबलपुर के द्वारा आमंत्रित की जाती है **निविदा सूचना क्रमांक दिनांक** : JBP-M-Tender-33-2026, Dated 04/11/2026, **कार्य का नाम लोकेशन सहित** : जबलपुर मंडल के ET-JBP, NKJ-SGRL और KTE-BINA सेक्शन में 'हॉट एक्सल बॉक्स हॉट व्हील डिटेक्टर' (HAHW) की आपूर्ति, इंस्टॉलेशन और कमीशनिंग जिसमें 24 महीने की वारंटी अवधि पूरी होने के बाद 06 वर्षों के लिए CAMC भी शामिल है।, **कार्य का विज्ञापित मूल्य रुपये** : 19331055.00, **बयाना राशी रुपये** : 386600.00, **समापन की अवधि** : 06 माह, **निविदा क्लोजिंग तिथि एवं समय** : 26.11.2026, 15:00 Hrs उपरोक्त ई-निविदा की संपूर्ण जानकारी वेब साईट https:ireps.gov.in पर उपलब्ध है एवं इसकी पूरी जानकारी मंडल रेल प्रबंधक (यांत्रिक) कार्यालय, पश्चिम मध्य रेलवे जबलपुर के नोटिस बोर्ड पर चस्पा की गई है। ई-निविदा के अलावा उपरोक्त कार्य के लिए कोई भी निविदा स्वीकार नहीं की जाएगी। (हस्ता.)

कृते मंडल रेल प्रबंधक (यांत्रिक)
पश्चिम मध्य रेल, जबलपुर

स्वच्छ भारत अभियान
एक कदम स्वच्छता की ओर

न्यायालय सक्षम प्राधिकारी एवं अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), पिपरिया जिला नर्मदापुरम

प्ररूप-ख

(मध्यप्रदेश भूमिगत पाइप लाइन, केबल एवं डक्ट (भूमि की उपयोक्ता के अधिकारों का अर्जन) नियम, 2013 के नियम 5 का उपनियम (2) देखिए)

रा.प्र.क्र./0012/अ-82/2025-26 नर्मदापुरम, दिनांक

अतएव, राज्य सरकार को लोकहित में यह आवश्यक प्रतीत होता है कि भूमिगत पाईप लाईन के माध्यम से स्वचालित स्प्रिंकलर/ड्रिप प्रणाली से सिंचाई बावत् पानी परिवहन हेतु ग्राम निभोरा प.ह.नं. 05 तहसील बनखेडी जिला नर्मदापुरम में कार्यपालन यंत्री रानी अवंतीबाई लोधी सागर नहर संभाग नरसिंहपुर द्वारा भूमिगत पाईपलाईन, केबल एवं डक्ट बिछाई जाए।

और अतएव राज्य सरकार को उक्त भूमिगत पाइप लाइन, केबल एवं डक्ट बिछाने के प्रयोजन के लिए यह आवश्यक प्रतीत होता है कि उस भूमि में, जिसमें भूमिगत पाइप लाइन, केबल एवं डक्ट बिछाये जाने का प्रस्ताव है, जो इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में वर्णित है, उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाए।

अतएव, मध्यप्रदेश भूमिगत पाइप लाइन, केबल एवं डक्ट (भूमि के उपयोक्ता के अधिकारों का अर्जन) अधिनियम, 2012 (क्रमांक 5 सन् 2013) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए, राज्य सरकार, उसमें उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा करती है।

कोई व्यक्ति जो उक्त अनुसूची में वर्णित भूमि में हितबद्ध है, उस तारीख से जिसको उक्त अधिनियम की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन अधिसूचना राजपत्र में प्रकाशित होती है इक्कीस दिवस के भीतर, भूमि के नीचे पाइप लाइन, केबल एवं डक्ट बिछाये जाने के संबंध में सक्षम प्राधिकारी अनुविभागीय अधिकारी राजस्व पिपरिया जिला नर्मदापुरम मध्यप्रदेश को लिखित में आक्षेप भेज सकेगा।

-: अनुसूची :-

जिला	तहसील	ग्राम/पटवारी हल्का क्रमांक	खसरा क्रमांक	उपयोग के अधिकार के लिये जाने वाली भूमि (हेक्टेयर में)
01	02	03	04	05
नर्मदापुरम	बनखेडी	ग्राम निभोरा प.ह.नं. 05	4/1	0.140
नर्मदापुरम	बनखेडी	ग्राम निभोरा प.ह.नं. 05	13/1	0.045
नर्मदापुरम	बनखेडी	ग्राम निभोरा प.ह.नं. 05	19/5	0.060
नर्मदापुरम	बनखेडी	ग्राम निभोरा प.ह.नं. 05	19/10	0.060
नर्मदापुरम	बनखेडी	ग्राम निभोरा प.ह.नं. 05	19/11	0.076
नर्मदापुरम	बनखेडी	ग्राम निभोरा प.ह.नं. 05	19/20	0.044
नर्मदापुरम	बनखेडी	ग्राम निभोरा प.ह.नं. 05	19/21	0.096
नर्मदापुरम	बनखेडी	ग्राम निभोरा प.ह.नं. 05	18	0.024
कुल योग			08	0.545

जी/21149/26

(आकिप खान)
सक्षम प्राधिकारी एवं
अनुविभागीय अधिकारी राजस्व
पिपरिया, जिला-नर्मदापुरम

हेलमेट पहनकर वाहन चलायें, अपनी व दूसरों की जान बचायें

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक एव ब्यूरों प्रमुख श्री कृष्णकांत सक्सेना की ओर से आलोक प्रेस,तलैया भोपाल एव श्री बालाजी प्रिटर्स, प्लाट नं. 21, सेक्टर-एच, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा "शिवरानी भवन", क्षितिज किरण स्ट्रीट, कोठी बाजार, नर्मदापुरम (होशंगाबाद) से प्रकाशित। स्थानीय ब्यूरों प्रमुख श्री बलराम शर्मा सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो. 9425025999 (नर्मदापुरम मो. 9926434695) ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com